डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021/2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति माह की प्रकाशित, सोमवार 25.09.2023 से 01.10.2023 | वर्ष-40 | अंक-26 | मूल्य ₹ 10.00

एकात्मता की प्रतिमा का अनावरण **मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सिद्धवरकूट में ब्रह्मोत्सव सत्र में अद्वैत दर्शन और एकात्मवाद पर की चर्चा**

एकात्मता की प्रतिमा भारत की सनातन परम्परा एकता और विश्व शांति के संदेश का है प्रतीक

स्टैच्यू ऑफ वननेस एक नजर में

- 108 फीट की अष्टधातु मूर्ति आचार्य शंकर के बाल रूप 12 वर्ष की आयु की है।
- यह मूर्ति पाषाण निर्मित 16 फीट के कमल पर स्थापित है।
- 100 टन वजनी प्रतिमा में 88% कॉपर, 4% जिंक, 8% टिन का उपयोग किया गया है।
- मूर्तिकार श्री भगवान रामपुरे और चित्रकार श्री वासुदेव कामत के मार्गदर्शन में हुआ मूर्ति का निर्माण।
- कुल 290 पैनल से यह मूर्ति निर्मित की गई है।
- 250 टन स्टेनलेस स्टील का उपयोग।
- 2 हजार 200 करोड़ रुपये की लागत के अद्वैत-लोक का शिलान्यास।

खंडवा, ओंकारेश्वर में मांधाता पर्वत पर आदि गुरु शंकराचार्य की अष्टधातु से बनी प्रतिमा का अनावरण मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने किया। 108 फीट ऊंची एकात्मता की प्रतिमा अनावरण के साथ ही श्री चौहान ने 2 हजार 200 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले अद्वैत-लोक का शिलान्यास किया। इस अवसर पर स्वामी अवधेशानंद जी गिरी महाराज, परमात्मानंद जी, स्वामी स्वरूपानंद जी, स्वामी तीर्थानंद जी, संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री सुश्री उषा ठाकुर सहित देश-भर से आए लगभग 5 हजार साधु-संत उपस्थित थे। (शेष पृष्ठ 11 पर)

ओंकारेश्वर के सिद्धवरकूट क्षेत्र में हुए ब्रह्मोत्सव कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आचार्य शंकराचार्य की मूर्ति स्थापना और अद्वैत लोक निर्माण की परिकल्पना के बारे में बताया

वैश्विक समस्याओं का हल अद्वैत दर्शन में

इससे पहले ओंकारेश्वर के सिद्धवरकूट क्षेत्र में ब्रह्मोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वैश्विक समस्याओं का हल आदि शंकराचार्य के अद्वैत दर्शन में उल्लेखित एकात्मवाद में है। ओंकारेश्वर में एकात्म धाम भारत की सनातनी परम्परा और एकता के विचार को अभिव्यक्त करने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि वसुधैव कुटुम्बकम् भारत का आदर्श विचार है। एक ही चेतना सभी मनुष्यों-प्राणियों में व्याप्त है। तेरा-मेरा की बात करने वाले व्यक्ति छोटे हृदय के होते हैं। श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में परिव्रजन योजना पर कार्य किया जायेगा। इसमें सेवा कार्य के लिये नागरिकों के साथ संत समाज को भी जोड़ा जायेगा।

दुनिया भर में पहुंचेगा एकात्मता और शांति का संदेश

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ओंकारेश्वर में ऐसे अद्भुत अद्वैत लोक का भूमिपूजन हुआ है जो आने वाली पीढ़ी का भविष्य संवारेगा। अद्वैत लोक से एकात्मता और शांति का संदेश दुनिया भर में जायेगा। यह दर्शन नई पीढ़ी के मन-मस्तिष्क तक पहुंचेगा। आचार्य शंकर अंतर्राष्ट्रीय वेदांत संस्थान एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक विचार को स्थानांतरित करेगा।

ऊर्जा साक्षरता अभियान मध्यप्रदेश को सीम अवॉर्ड

भोपाल, मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम को ऊर्जा साक्षरता की दिशा में किये गये अनूठे प्रयास के लिये सीम स्टार परफॉर्मेंस अवॉर्ड-2022 मिला। यह पुरस्कार सोसायटी ऑफ एनर्जी इंजीनियर्स एण्ड मैनेजर्स (सीम) द्वारा नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया गया। देश में पहली बार आम नागरिकों को ऊर्जा संरक्षण, नवकरणीय ऊर्जा के लाभ और मितव्ययता सिखाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश में 25 नवम्बर, 2021 को आरंभ ऊर्जा साक्षरता अभियान (ऊषा) से 15 लाख से अधिक नागरिक जुड़ चुके हैं। निगम की ओर से अतिरिक्त कार्यपालन यंत्री श्री सुरेन्द्र बाजपेयी ने अवॉर्ड ग्रहण किया। ऊषा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प देश को नेट जीरो लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

नये लोकसभा भवन में सदस्यों के प्रवेश पर मुख्यमंत्री ने दी बधाई

भोपाल, गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर लोकतंत्र के नए मंदिर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं संसद सदस्यों के प्रवेश पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री और संसद सदस्यों का संसद के नवीन भवन में आगमन देश के नव-निर्माण के संकल्पों की सिद्धि की ओर एक सशक्त कदम है। नि:संदेह लोकतंत्र का यह नवीन मंदिर देश की आशाओं और आकांक्षाओं एवं सपनों में नए रंग भरकर भारत के नव-निर्माण का साक्षी बनेगा।

पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने पांच सदस्यीय समिति गठित

भोपाल, मध्यप्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने के संबंध में पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। अपर मुख्य सचिव गृह विभाग की अध्यक्षता में गठित समिति में सदस्य के रूप में प्रमुख सचिव वित्त-विधायी कार्य, नामांकित प्रतिनिधि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि भोपाल और शासन द्वारा नामांकित वरिष्ठ पत्रकार शामिल हैं।

गुलाबगंज बनेगी नगर पंचायत

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा जिले के गुलाबगंज में कहा कि गुलाबगंज को नगर पंचायत बनाया जाएगा। खेतों में ट्रांसफार्मर लगवाए जाएंगे। विदिशा में मेडिकल कॉलेज सहित पूरे जिले में सड़कों का जाल बिछ रहा है।

आवेदन आमंत्रित

- M. P. MADHYA KSHETRA VIDYUT VITARAN COMPANY LIMITED, BHOPAL
  Asst. Engineer/Manager (Electrical)
  Asst. Engineer/Manager (IT)
- राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
  जिला परियोजना समन्वयक पद हेतु
- लोक निर्माण विभाग, भोपाल
  सहायक ग्रेड-3 पद हेतु
- केन्द्रीय पेट्रोसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) भोपाल
  व्याख्याताओं के पदों हेतु

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

15 एमएसएमई क्लस्टर में ₹ 1 हजार 937 करोड़ से 552 औद्योगिक इकाइयों की होगी स्थापना

उज्जैन, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य स्तरीय रोजगार दिवस के अवसर पर 15 एमएसएमई क्लस्टर का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। इन क्लस्टरों में 01 हजार 937 करोड़ के निवेश से 552 इकाईयों की स्थापना होगी और लगभग 28 हजार 300 लोगों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 932 करोड़ 22 लाख के निवेश वाली 1708 इकाईयों का लोकार्पण भी किया। इससे लगभग 16 हजार 375 लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके साथ ही प्रदेश की 307 औद्योगिक इकाईयों का भूमि पूजन भी किया गया, 556 करोड़ 41 लाख के निवेश की इन इकाईयों से 6 हजार 310 लोगों को रोजगार मिलेगा। उज्जैन में हुए भूमि पूजन के अंतर्गत ग्राम नीमनवासा में 1.33 हेक्टेयर क्षेत्रफल

में विकसित होने वाले प्लास्टिक क्लस्टर तथा खाचरोद तहसील स्थित औद्योगिक क्षेत्र फर्नाखेड़ी में 58 इकाईयों का भूमि पूजन तथा 10 करोड़ लागत की सी पी पेंटस, 50 करोड़ की श्री पैकर्स प्रा.लि और 45 करोड़ की आरिका फूड्स प्रा. लि. का लोकार्पण भी हुआ, इनसे लगभग 400 लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

किसानों की मेहनत, त्याग और तपस्या ने कृषि क्षेत्र में बनाया अव्वल

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं। वे खेतों में ना खपें तो हमारा जीवन चार दिन भी नहीं चल पायेगा। किसानों की मेहनत, त्याग और तपस्या ने ही मध्यप्रदेश को कृषि क्षेत्र में अव्वल बनाया है। प्रदेश में 2002-03 में खाद्यान्न उत्पादन 159 लाख मीट्रिक टन हुआ। मुख्यमंत्री ने किसानों को स्थाई कृषि पंप कनेक्शन देने मुख्यमंत्री कृषक मित्र योजना में हितग्राहियों के फार्म भरवाए। (शेष पृष्ठ 11 पर)

- **2002-03 में खाद्यान्न उत्पादन 159 लाख मीट्रिक टन था।**
- **वर्तमान में 619 लाख मीट्रिक टन है।**
- **दो दशक पूर्व बिजली उत्पादन 2900 मेगावॉट था।**
- **अब 29 हजार मेगावॉट से अधिक बिजली उत्पादन क्षमता।**
- **7 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 47 लाख हेक्टेयर हुई सिंचाई क्षमता।**

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना का शुभारंभ

रोटी के बाद मकान हर परिवार की सबसे बड़ी जरूरत

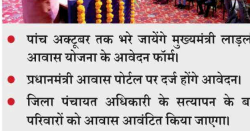

- **पांच अक्टूबर तक भरे जायेंगे मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना के आवेदन फॉर्म।**
- **प्रधानमंत्री आवास पोर्टल पर दर्ज होंगे आवेदन।**
- **जिला पंचायत अधिकारी के सत्यापन के बाद पात्र परिवारों को आवास आवंटित किया जाएगा।**

भोपाल, आज एक नई क्रांति का शुभारंभ हो रहा है। मेरा सपना है कि कोई भाई बहन टूटी-फूटी झोपड़ी में न रहे। छोटा ही सही, सबका अपना पक्का मकान हो। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना बनाई गई है। जो परिवार आवास योजनाओं में छूट गए हैं, उन्हें इस योजना में आवास उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि विभिन्न आवास योजनाओं में आवास सुविधा का लाभ मिलने से छूटे परिवारों को आवास उपलब्ध कराया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भोपाल की श्रीमती ममता चौहान और श्री दीपक बंसल के आवेदनों का पोर्टल पर पंजीयन करवाया। वहीं, मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को जन्म दिवस की शुभकामनाएं दीं और कहा कि वे स्वस्थ-प्रसन्न रहकर देश का नेतृत्व करें, दुनिया को रास्ता दिखाएं और उनका यश निरंतर बढ़ता रहे, यही कामना है।

दुख-दर्द दूर करना सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्सर बहनें मकान की मांग करती थीं। यह वास्तविकता है कि रोटी के बाद मकान हर परिवार की सबसे बड़ी जरूरत है। गरीब परिवारों को अपना मकान उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री भू-आवास योजना भी चलाई गई। (शेष पृष्ठ 11 पर)

16 सितम्बर

84 कलाकारों को मिले संगीत नाटक अकादमी अमृत पुरस्कार

● उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर

पर देश की प्रदर्शन कला के क्षेत्र के 84 ऐसे कलाकारों को संगीत नाटक अकादमी अमृत पुरस्कार प्रदान किए, जो 75 वर्ष से अधिक आयु के हैं और जिन्हें अपने अब तक के कैरियर में कोई भी राष्ट्रीय सम्मान प्रदान नहीं किया गया है। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने अपने संबोधन में 5000 वर्षों से अधिक पुरानी भारत की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने मीडिया से हमारी सांस्कृतिक विरासत को पहचान दिलाने का आह्वान किया और हमारे कलाकारों का व्यवसिथत तरीके से रक्षण, समर्थन और पोषण करने की आवश्यकता पर बल दिया।

● जल शक्ति मंत्रालय के जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बांध सुरक्षा सम्मेलन (आईसीडीएस) जयपुर के राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में संपन्न हुआ। इस दौरान केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) के साथ बांधों के लिए आपातकालीन कार्य योजनाओं (ईएपी) को आगे बढ़ाने के लिए एक संयुक्त कार्य बल की स्थापना सहित प्रमुख कार्रवाई योग्य बिंदुओं पर सुझाव दिया, इसमें बांध सुरक्षा समीक्षाओं के अनुसार निर्माण डिजाइन तैयार करने में आने वाली कमियों का विश्लेषण,सार-संग्रह का निर्माण, इसके क्रियान्वयन के लिए सम्मेलन के विचार-विमर्श और परिणामों को एकीकृत करने के लिए एक पूरी रणनीति तैयार करना आदि शामिल है।

17 सितम्बर

साझेदारी मोड में 23 सैनिक स्कूलों की स्थापना को मिली मंजूरी

● भारत सरकार ने एनजीओ/निजी स्कूलों/ राज्य सरकारों के साथ साझेदारी में छठी कक्षा से कक्षा-वार आधार पर 100 नए सैनिक स्कूल स्थापित करने की पहल को मंजूरी दे दी है। इस पहल के तहत, सैनिक स्कूल सोसाइटी ने देश भर के 19 नए सैनिक स्कूलों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। साझेदारी मोड के तहत नए सैनिक स्कूल खोलने के लिए आवेदनों के आगे के मूल्यांकन के बाद, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने साझेदारी मोड में 23 नए सैनिक स्कूलों की स्थापना को मंजूरी दे दी है। इस पहल से पिछले पैटर्न के तहत कार्यरत मौजूदा 33 सैनिक स्कूलों के अलावा, सैनिक स्कूल सोसाइटी के तत्वावधान में साझेदारी मोड के तहत कार्यरत नए सैनिक स्कूलों की संख्या बढ़कर 42 हो गई है।

● केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने तेलंगाना में हैदराबाद मुक्ति दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि तेलंगाना की मुक्ति के 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं और अगर लौह पुरुष सरदार पटेल ना होते तो तेलंगाना को इतनी जल्दी मुक्ति नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि वे सरदार पटेल ही थे, जिन्होंने राष्ट्र सर्वप्रथम के सिद्धांत को चरितार्थ करते हुए हैदराबाद पुलिस एक्शन की योजना बनाई और बिना रक्तपात के निज़ाम के रज़ाकारों की सेना को आत्मसमर्पण करने पर मजबूर कर दिया था। श्री शाह ने कहा कि सरदार पटेल और के एम मुंशी की जोड़ी ने तेलंगाना के कर्नाटक के बीदर क्षेत्र और मराठवाड़ा के इस विशाल क्षेत्र को भारत के साथ जोड़ने का काम किया।

18 सितम्बर

भारत की जी-20 अध्यक्षता पर ई-पुस्तक का अनावरण

● सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में सचिव श्री अपूर्व चंद्रा ने भारत की जी-20 की अध्यक्षता पर 'पीपुल्स जी-20' नामक ई-पुस्तक का अनावरण किया। पुस्तक में तीन खंड हैं, पहला खंड नई दिल्ली में 9-10 सितंबर 2023 के दौरान आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन से जुड़ा है। इस पुस्तक में जी-20 की संरचना और कामकाज को समाहित किया गया है और समूह की भारत की अध्यक्षता के तहत की गई पहलों के बारे में विस्तार से बताया गया है। पुस्तक के दूसरे खंड में शेरपा और वित्त ट्रैक के तहत हुई विभिन्न कार्य समूहों की बैठकों के सारांश को दिया गया है। ई-पुस्तक के आखिरी खंड में पिछले एक वर्ष में देश में आयोजित जन-भागीदारी कार्यक्रमों के बारे में एक फोटो निबंध भी दिया गया है।

● नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत भारत सरकार के एक मिनी रत्न (श्रेणी-I) उद्यम, भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (आईआरईडीए) ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका उद्देश्य देशभर में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विविध स्पेक्ट्रम के लिए को-लेंडिंग और लोन सिंडिकेशन को बढ़ावा देना और सुविधा प्रदान करना है। एमओयू में सभी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए को-लेंडिंग और को-ओरिएंटेशन सपोर्ट, लोन सिंडिकेशन की सुविधा, आईआरईडीए उधारकर्ताओं के लिए ट्रस्ट और रिटेंशन खाते का प्रबंधन और 3-4 साल की अवधि के लिए निश्चित ब्याज दर सहित कई सेवाएं शामिल हैं।

19 सितम्बर

बीआईएस द्वारा देशभर में छात्रों के लिए 6467 मानक क्लब स्थापित

● भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा देशभर के स्कूलों और कॉलेजों में 6467 मानक क्लब स्थापित किए गए हैं। बीआईएस के अनुसार जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए मानकों के महत्व के बारे में समाज के युवा सदस्यों को संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से मानक क्लबों की स्थापना की जा रही है। इस अभिनव प्रयास का उद्देश्य युवाओं के मन में गुणता, मानकों और वैज्ञानिक स्वभाव का सर्वोपरि महत्व पैदा करना है। मानकीकरण के सिद्धांतों से ओत-प्रोत गुणता चेतना, त्वरित आर्थिक प्रगति का प्रमुख स्तंभ है। हमारे छात्रों में गुणता, मानकों और मानकीकरण के प्रति सम्मान विकसित करके, हम एक ऐसी चेतना प्रज्ज्वलित कर रहे हैं जो हमारे समाज को बदलने की शक्ति रखती है। विज्ञान की पृष्ठभूमि वाले 1.7 लाख से अधिक छात्र इन क्लबों के सदस्य हैं।

● भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत जी 20 फ्रेमवर्क वर्किंग ग्रुप (एफडब्ल्यूजी) की चौथी और अंतिम बैठक रायपुर, छत्तीसगढ़ में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक की सह-अध्यक्षता भारत और ब्रिटेन ने की। बैठक में जी20 सदस्य और आमंत्रित देशों और अंतर्राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय संगठनों के लगभग 65 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में वैश्विक आर्थिक दृष्टिकोण और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की प्रस्तुतियों के आधार पर प्रमुख चुनौतियों और जोखिमों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा उपलब्ध कराए गए अपडेट के आधार पर जी20/एआईएमएफ मजबूत टिकाऊ, संतुलित और समावेशी विकास रिपोर्ट के मसौदे के शुरुआती निष्कर्षों पर भी चर्चा हुई।

20 सितम्बर

मानवाधिकारों पर एशिया प्रशांत फोरम की बैठक हुई

● राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली में मानवाधिकारों पर एशिया प्रशांत फोरम की वार्षिक आम बैठक और द्विवार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने सभी से आग्रह किया कि वे मानवाधिकारों के मुद्दे को अलग-थलग न करें, बल्कि मानव के अविवेक से बुरी तरह आहत मातृ प्रकृति की देखभाल के बारे में भी उतना ही ध्यान दें। उन्होंने कहा कि भारत में हम यह मानते हैं कि ब्रह्मांड का प्रत्येक कण दिव्यता की अभिव्यक्ति है। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, हमें प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए अपने प्रेम को फिर से जगाना चाहिए।

● एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह ने दिल्ली कैंट में अखिल भारतीय थल सैनिक शिविर का औपचारिक उद्घाटन किया। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कवर करने वाले 17 एनसीसी निदेशालयों से लगभग 1,547 कैडेट (867 लड़के और 680 लड़कियां) इस शिविर में भाग ले रहे हैं। इस दौरान, कैडेट निशानेबाजी, बाधा प्रशिक्षण, मानचित्र पढ़ना और अन्य पेशेवर प्रशिक्षण प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा करेंगे। इस अवसर पर एनसीसी के महानिदेशक ने कहा कि इससे उन्हें रोमांच, अनुशासन एवं सम्मान से भरे जीवन का अनुभव मिलेगा, जिससे उनके अंदर नेतृत्व और सौहार्द की भावना पैदा होगी।

21 सितम्बर

राज्यसभा में उपाध्यक्षों के लिए सर्व-महिला पैनल का गठन

● उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति श्री जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम विधेयक, 2023 पर चर्चा के दौरान 13 महिला राज्यसभा सदस्यों के उपाध्यक्ष पैनल का पुनर्गठन किया। उपाध्यक्षों के पैनल में श्रीमती पी.टी. उषा, श्रीमती एस. फांगनोन कोन्याक, श्रीमती जया बच्चन, सुश्री सरोज पांडे, श्रीमती रजनी अशोकराव पाटिल, डॉ. फौजिया खान, सुश्री डोला सेन, सुश्री इंदु बाला गोस्वामी, डॉ. कर्निमोझी एनवीएन सोमू, सुश्री कविता पाटीदार, श्रीमती महुआ माजी, डॉ. कल्पना सैनी और श्रीमती सुलता देव शामिल हैं।

● भारत सरकार ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में राष्ट्रीय पुरस्कारों की एक श्रेणी राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार की स्थापना की है। राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार (आरवीपी) का उद्देश्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रौद्योगिकी आधारित नवाचार के विभिन्न क्षेत्रों में वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों और अन्वेषकों द्वारा व्यक्तिगत रूप से या टीमों में किए गए उल्लेखनीय और प्रेरणादायी योगदान को मान्यता देना है। राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार भारत में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में सर्वोच्च पुरस्कारों में से एक होगा। सरकारी, निजी क्षेत्र के संगठनों में काम करने वाले वैज्ञानिक/प्रौद्योगिकीविद्/अन्वेषकों या किसी भी संगठन से इतर काम करने वाला कोई भी व्यक्ति, जिसने विज्ञान, प्रौद्योगिकी या प्रौद्योगिकी आधारित नवाचार के किसी भी क्षेत्र में अग्रणी अनुसंधान या नवाचार या अविष्कार के संदर्भ में विशिष्ट योगदान दिया हो, वे पुरस्कार प्राप्त करने के पात्र होंगे।

22 सितम्बर

रेलवे ने 10 गुना बढ़ाई मुआवजा राशि

● रेलवे बोर्ड ने रेल दुर्घटना में मिलने वाले मुआवजा को 10 गुना बढ़ा दिया है। अब गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को 25 हजार रुपये की जगह 2.5 लाख रुपये दिए जाएंगे। वहीं मामूली चोट लगने पर 5 हजार की जगह 50 हजार रुपये का मुआवजा मिलेगा। जबकि ट्रेन हादसे में किसी की मौत होने पर परिजन को 50 हजार रुपये की जगह 5 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। रेलवे ट्रेन में आतंकी हमला, डकैती या फिर किसी भी तरह का हिंसक हमला होने पर भी पीड़ितों को मुआवजा देगा।

● इनकम टैक्स विभाग ने कंपनियों के लिए आयकर रिटर्न करने की तारीख बढ़ा दी है। अब कंपनियां 30 नवंबर तक इनकम टैक्स रिटर्न फाइल कर सकती हैं। इसके अलावा, जिन कंपनियों को अपने अकाउंट का ऑडिट कराने की आवश्यकता है, उनके लिए ऑडिट रिपोर्ट पेश करने की नियत तारीख एक महीने बढ़ाकर 31 अक्टूबर तक कर दी गई है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि असेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए फॉर्म आईटीआर-7 में आय रिटर्न जमा करने की नियत तारीख 31.10.2023 से बढ़ाकर 30.11.2023 तक कर दी गई है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

isba GROUP OF INSTITUTIONS
One of the finest and leading management & commerce colleges initiated by the ISBA Group, which is looking for following positions
Principal-2
Assistant Prof./Associate Prof./Professor
Commerce-10, Fashion Technology-2, Interior Design-2, Chemistry-2, Mathematics-2, Biotechnology-2, Seed Technology/Horticulture-2, Physics-2, Political Science-5, Social Science-5, History-3, Hindi-2, English-2, Computers-2, Economics-3, Librarian-2, Hotel Management-2
Receptionist-2, Tele Callers-5, Counselor-3, Data Entry Operator-5, Marketing Executive-4
Qualifications & Salary as per UGC/AICTE Norms & Selection under Code 28 of DAVV, Indore
Send your CV with Photo & Covering Letter within 7 days.
Email your CV at: info@isbaindore.in, Call: 0731-2026000/2023000
R-4910112023

साप्ताहिक
रोज़गार और निर्माण
में विज्ञापन के लिए दरें
टैरिफ

क्रमांक	ब्लैक एंड व्हाइट रेट प्रति वर्ग सेंमी (Sq Per cm)	रंगीन रेट प्रति वर्ग सेंमी (Sq Per cm)
1. डीएवीपी (DAVP) रेट	17.76	24.86
2. कॉन्ट्रैक्ट रेट	70.00	98.00
3. कमर्शियल रेट	80.00	112.00

फुल पेज का आकार

चौड़ाई	-	25 सेंटीमीटर
लंबाई	-	37 सेंटीमीटर
कुल वर्ग सेंटीमीटर	-	925 वर्ग सेंटीमीटर

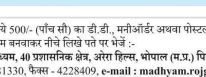

संपर्क करें :
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
ई मेल : madhyam.rojgar@gmail.com, वेबसाइट : www.mpmadhyam.in
नोट : 1. 5% जीएसटी (GST) शुल्क अलग से देय होगा।
2. 4.5x5 सेंमी (cm) से कम का विज्ञापन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वर्ष 40, अंक 39 25.09.2023 से 01.10.2023
रोज़गार और निर्माण
rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - मनीष सिंह
● सम्पादक - रंजना चितले
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
● आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इससे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

सांस्कृतिक पुनर्स्थापना से आध्यात्मिक पर्यटन का केन्द्र बनता मध्यप्रदेश

देश की हृदय स्थली मध्यप्रदेश ने अधोसंरचना, शिक्षा, चिकित्सा, विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति के कीर्तिमान स्थापित किये हैं। इसी क्रम में मध्यप्रदेश देश और विश्व में सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पर्यटन का केन्द्र बनता जा रहा है। हाल ही में प्रदेश के ओंकारेश्वर के मांधाता पर्वत में आदि शंकराचार्य जी की 108 फीट की बहुधातु एकात्मता की मूर्ति का अनावरण और अद्वैत लोक का शिलान्यास प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने किया। यह प्रदेश का सौभाग्य है कि यहां आचार्य शंकर के जीवन पर आधारित संग्रहालय अद्वैत लोक और अद्वैत वेदांत दर्शन के अध्ययन व शोध के लिये आचार्य अंतर्राष्ट्रीय अद्वैत वेदांत संस्थान की स्थापना हो रही है। आदिगुरु शंकराचार्य जी महाराज ने देश को सांस्कृतिक रूप से जोड़ा है। केरल उनकी जन्मभूमि है वे लगभग 1600 किलोमीटर दूर पैदल चलकर ओंकारेश्वर आये और यहां उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई। प्रदेश में आदि शंकराचार्य जी के अद्वैत एकात्म दर्शन से नई पीढ़ी को परिचित कराने के उद्देश्य से इस लोक का निर्माण किया जा रहा है।

कभी बीमारू और पिछड़े राज्य में गिने जाने वाले मध्यप्रदेश में विगत दो दशकों में अभूतपूर्व विकास के कार्य हुए हैं। यही कारण है कि अब मध्यप्रदेश की पहचान एक विकसित राज्य के रूप में बन गई। प्रदेश में आध्यात्मिक पर्यटन के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। माननीय मुख्यमंत्री जी की संकल्पना अनुरूप प्रदेश में मंदिरों के कायाकल्प का कार्य चल रहा है। इसकी शुरुआत वर्ष 2016 के सिंहस्थ महाकुंभ के दौरान हुई थी। जब मुख्यमंत्री जी ने उज्जैन में महाकाल कॉरिडोर बनाने का संकल्प लिया और विगत वर्ष प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने उज्जैन में श्री महाकाल महालोक राष्ट्र को समर्पित किया।

मध्यप्रदेश विशिष्ट सांस्कृतिक विरासत, सनातन संस्कृति की पौराणिकता, ऐतिहासिकता और गौरवशाली परम्परा का अद्भुत केन्द्र है। श्री महाकाल महालोक के निर्माण और अद्वैत लोक के शिलान्यास के साथ ही प्रदेश में सीहोर के सलकनपुर मंदिर, दतिया जिले का पीताम्बरा मंदिर, शनिश्चरा मंदिर और सतना जिले के मैहर मंदिर का कायाकल्प करने का कार्य प्रगति पर है। यही नहीं चित्रकूट में स्वदेश और राम दर्शन पर आधारित राम वनपथ गमन के साथ पूरे चित्रकूट का विकास किया जा रहा है।

प्रदेश में चल रहे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक उन्नयन की इस कड़ी को जन-जन से जोड़ने का श्रेय प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति और आध्यात्म विभाग को जाता है। तीनों के आपसी समन्वय से ही मध्यप्रदेश आज धार्मिक पर्यटन का केन्द्र बन गया है। प्रदेश के धार्मिक स्थल और वहां की आध्यात्मिक अनुभूति अपने आप में विशिष्ट है। पर्यटकों की आध्यात्मिक स्थलों तक सुगम पहुंच के लिए पर्यटन विभाग ने प्राचीन नगरी उज्जैन, चित्रकूट, अमरकंटक, मैहर, महेश्वर, मंदसौर, ओंकारेश्वर, खजुराहो, ग्वालियर और ओरछा आदि में सुलभ और आरामदायक पर्यटन की सुविधाओं का विकास किया है। निश्चित ही प्रदेश में आने वाले पर्यटकों को इन स्थलों पर आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त होगी।

जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप अब तक का सबसे पावरफुल टेलीस्कोप

नासा का जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप अब मनुष्य की आंखों के लिए ब्रह्मांड में दूर तक देखने की शक्ति बन चुका है। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप अब तक का सबसे पावरफुल टेलीस्कोप है जिसका निर्माण मनुष्य ने किया है। अब इस सुपर टेलीस्कोप ने एक तारे जैसे एक खगोलीय पिंड के जन्म की प्रक्रिया को फोटो में कैद किया है। यह एक अद्भुत घटना है जिससे पता चलता है कि हजारों सालों पहले जन्म के समय हमारा सूर्य कैसा दिखता होगा। टेलीस्कोप ने जिस तारे की फोटो खींची है वो अभी अपनी शुरुआती स्टेज में है, और इसके दोनों छोरों यानि ध्रुवों पर से सुपरसोनिक स्पीड में रोशनी फूटती दिख रही है। नासा ने इस तारे की फोटो को शेयर किया है। नए बनने वाले तारे के चारों ओर जो रोशनी दिखती है, उसे हर्बीज हारो ऑब्जेक्ट के नाम से जाना जाता है। स्पेस एजेंसी के मुताबिक यह तारा धरती से एक हजार प्रकाशवर्ष दूर स्थित है। जिस तारामंडल में इसका जन्म हुआ है उसे पर्सियस तारामंडल के नाम से जाना जाता है। नासा के अनुसार नये जन्म लेते तारे के दोनों छोरों पर से जब गैस के जेट फूटकर स्पेस में मौजूद आसपास की गैस और धूल से टकराते हैं तो हर्बीज हारो बनता है। नया तारा एक क्लास-0 प्रोस्टार है जो कुछ हजार साल पुराना ही है। इसका भार सूरज के सिर्फ 8 प्रतिशत भार के बराबर ही है। नासा का जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप वर्ष 2021 में लॉन्च किया गया था। इसने 2022 से अपना काम करना शुरू कर दिया था जिसमें इसने डेटा इकट्ठा करना शुरू किया था। प्रचलन में आने के बाद जेम्स वेब टेलीस्कोप ने पहले से मौजूद कई आकाशगंगाओं का पता लगाया है। इसने कई ब्लैक होल्स को खोजा है। यह हबल टेलीस्कोप से 100 गुना ज्यादा पावरफुल बताया जाता है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं।)

विश्व वृद्धजन दिवस - 1 अक्टूबर

वृद्धजनों के स्वास्थ्य, सेवा और सम्मान में देश और प्रदेश सरकार अग्रणी

विश्व में वृद्धजनों की संख्या बढ़ रही है। पर उनकी उपेक्षा, तिरस्कार और अत्याचार की घटनाएं भी बढ़ी हैं। इसके समाधान के लिये 1990 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1 अक्टूबर को विश्व वृद्धजन दिवस घोषित किया था। इससे वृद्धजनों के प्रति जागरूकता बढ़ी और सहायता के लिये दुनियाभर में कदम उठाये गये। वृद्धजनों की सेवा सहायता में भारत सरकार अन्य देशों से बहुत आगे है, वहीं मध्यप्रदेश सरकार ने एक बड़े बजट का प्रावधान करके अन्य प्रांतों के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

पूरे विश्व में बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है और उसके साथ उनकी उपेक्षा भी। 2006 के आंकड़ों के अनुसार विश्व में वृद्ध जनों की संख्या 11 प्रतिशत थी जो 2016 में बढ़कर 14 प्रतिशत हो गई। अनुमान है 2050 तक यह अनुपात 22 प्रतिशत हो जायेगा। यदि समाज में चेतना नहीं आई तो स्थिति भयावह होगी। इस स्थिति पर 1982 से संयुक्त राष्ट्र ने विश्व स्तर पर 1982 से अध्ययन आरंभ किया। दुनियाभर के वृद्धजनों के सामने जो समस्याएं देखी गई उनमें मुख्य रूप से छह प्रकार की समस्या देखने को मिली। इनमें आयु बढ़ने के साथ शारीरिक रूप से दुर्बलता आना। इससे ऊर्जा घटती है और स्थिरता बढ़ती है। जो अनेक शारीरिक रोगों का कारण होती है। इसलिए अतिरिक्त देखभाल की जरूरत पड़ती है। दूसरी समस्या मानसिक रोगों की है। शरीरिक क्षीणता के कारण जब शारीरिक रोग होने पर उचित देखभाल न हो तो मानसिक हीनता उत्पन्न होती है। यह हीनता का भाव अनेक मानसिक रोगों को जन्म देता है। तीसरी समस्या अकेलेपन की है। वृद्धजन चाहते हैं कि कोई उनके पास बैठे जिससे वे अपने जीवन के अनुभव साझा कर सकें। कुछ हंस बोल सकें। चौथी समस्या आर्थिक असुरक्षा की होती है। आय घटती है और बढ़ते रोगों के कारण व्यय बढ़ता है। आर्थिक असुरक्षा का भाव उत्पन्न होता है। पांचवीं समस्या संयुक्त परिवार के अभाव की होती है। बच्चे अपने कैरियर के लिये घर से दूर पढ़ते हैं, जॉब करते हैं तो उन्हे अपने बुजुर्गों से लगाव नहीं रहता। इसलिये वृद्धजनों को जब सबसे अधिक आवश्यकता होती है तब वे अकेले रह जाते हैं। और छठी समस्या सामूहिकता और मनोरंजन की देखी गई। इन समस्याओं के समाधान के लिये संयुक्त राष्ट्र महासभा ने समाज में जागरूकता लाने के लिये यह मार्ग निकाला।

संयुक्त राष्ट्र आम सभा ने 14 दिसंबर, 1990 को विचार किया और एक संकल्प पारित किया। ताकि दुनियाभर में वृद्धों के साथ अपमान और तिरस्कार की बढ़ती घटनाएं बंद हों एवं समाज में उचित सम्मान मिल सके। इस प्रस्ताव के माध्यम से प्रति वर्ष 1 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का आयोजन होने लगा। पहली बार 1 अक्टूबर, 1991 को वृद्धजन दिवस मनाया गया और इसके बाद प्रतिवर्ष यह आयोजन आरंभ हो गया।

इस वर्ष की थीम

एक अक्टूबर को आयोजित होने वाले वृद्धजन दिवस की थीम अलग-अलग होती है। इस वर्ष 1 अक्टूबर, 2023 को वृद्धजन दिवस की थीम 'फुलफिलिंग द प्रॉमिस ऑफ यूनिवर्सल डिक्लेरेशन ऑफ ह्यूमन राइट फॉर ओल्डर पर्सन अक्रॉस जनरेशन' है। वर्ष 2021 में इस दिवस की थीम 'सभी उम्र के लिये डिजिटल इक्विटी' थी और वर्ष 2022 की थीम 'बदलते विश्व में वृद्धजनों का समावेशन' थी। इस वर्ष के आयोजन में विशेषकर बुजुर्ग महिलाओं पर अतिरिक्त ध्यान देने का प्रयास किया जायेगा। यह देखा है कि वृद्धावस्था में महिलाओं की उपेक्षा और अपमान अधिक होता है। इसलिए इस वर्ष परिवार और समाज के विकास में महिलाओं के योगदान और महत्व को स्थापित भी करना है। इसके लिये विश्व स्तर पर आयु और लिंग आधारित डेटा भी तैयार किया गया है ताकि इन आंकड़ों के आधार पर भविष्य की योजनाओं का प्रारूप तैयार किया जा सके। इस अभियान में संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों, संस्थाओं और सहयोगी संगठनों को भी जोड़ा गया है। इन आंकड़ों के आधार पर समाज में लैंगिक असमानता को दूर करने की जाग्रति तो लायी जायेगी। साथ ही महिलाओं की विशिष्टता के प्रति भी ध्यानाकर्षण किया जायेगा।

वृद्धजनों की सुरक्षा और सम्मान के लिये राष्ट्रीय योजनाएं

भारत में वृद्धजनों की स्थिति में उतनी गिरावट नहीं है जितनी पश्चिमी देशों में है। फिर भी वहां दोनों प्रकार के आंकड़े बढ़ रहे हैं। वृद्धजनों की संख्या और उनके साथ अपमानजनक व्यवहार के भी 2001 के अनुसार भारत में वृद्धजनों की कुल जनसंख्या 7.7 करोड़ थी। इनमें 3.8 करोड़ पुरुष और 3.9 करोड़ महिलाएं थीं। दोनों की यह संख्या लगभग 7 प्रतिशत थी जो अब बढ़कर 11 प्रतिशत हो गई है। इसमें चार प्रतिशत वृद्धजन अकेलेपन के शिकार हैं। इनमें वह संख्या भी है जिन्हें आर्थिक समस्या नहीं है पर अकेलेपन की है। फिर भी दो करोड़ वृद्धजन ऐसे हैं, जिन्हें स्वास्थ्य और अकेलेपन के साथ आर्थिक समस्या भी है। इनके लिये भारत सरकार ने तीन प्रकार के कदम उठाये हैं। एक शेल्टर होम तैयार किये, दूसरा स्वास्थ्य योजना लागू की और तीसरा मासिक पेंशन देना भी आरंभ किया।

पेंशन की यह योजना 1992 में शुरू हुई थी जिसमें 1997 में सुधार हुआ और 2017 में इसे बहुउद्देशीय बनाया गया। भारत सरकार की योजना वृद्धजनों को सीधे सहायता करने की भी है और उन संस्थाओं को भी आर्थिक सहायता दी जाती है जो वृद्धजनों की सेवा सुरक्षा में लगी हैं। भारत सरकार ने 'राष्ट्रीय वृद्धजन परिषद' का भी गठन किया है। इसकी स्थापना 1999 में की गई थी। भारत सरकार ने चिकित्सा सहायता के साथ गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले वृद्धजनों को वृद्धावस्था 600 रुपये प्रतिमाह पेंशन आरंभ की है। और वरिष्ठजनों को यात्रा के लिये रेलवे के किराये में रियायत का प्रावधान है।

मध्यप्रदेश सरकार की योजनाएं

वृद्धजनों की सेवा सहायता और सुरक्षा के कदम उठाने में मध्यप्रदेश सरकार अन्य राज्यों की तुलना में अपेक्षाकृत आगे है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने पुलिस और जिला प्रशासन को निर्देश दिये हैं कि वे वरिष्ठ नागरिकों की शिकायत आने पर प्राथमिकता से संज्ञान लें। इसके साथ वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना आरंभ की गई है। यह योजना 2012 में आरंभ हुई थी तब इसे आरंभ करने वाला मध्यप्रदेश पहला राज्य था। बाद में अन्य राज्यों ने भी इस योजना का अनुसरण किया। इस योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश के निवासी 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को एक बार प्रदेश के बाहर के निर्धारित तीर्थ-स्थानों में से किसी एक स्थान की यात्रा के लिए भेजा जाता है। इसका पूरा व्यय राज्य सरकार उठाती है। यह यात्रा भारतीय रेलवे पर्यटन निगम (आई.आर.सी.टी.सी.) के पैकेज के अनुसार होती है। यह योजना 3 सितम्बर, 2012 को रामेश्वरम् की यात्रा के साथ प्रारंभ हुई। अब इसमें हवाई जहाज से तीर्थ यात्रा भी शामिल की गई है।

मध्यप्रदेश शासन, सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग के अंतर्गत दीनदयाल अन्त्योदय मिशन प्रदेश के निःशक्त, निर्धन और कमजोर परिवारों की सहायता के लिये आरंभ किया गया। इसके अंतर्गत निराश्रित, निर्धन कन्या, विधवा अथवा परित्यक्ता के सामूहिक विवाह हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह योजना वर्ष 2006 में लागू हुई थी। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के नाम से प्रारम्भ इस योजना का उद्देश्य यह है कि आर्थिक रूप से कमजोर वरिष्ठ नागरिक अपनी आर्थिक कमजोरी के चलते बेटी को बोझ न समझें क्योंकि विवाह का सारा खर्चा सरकार उठाती है। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना लागू करने वाला भी मध्यप्रदेश पहला प्रांत है।

मध्यप्रदेश सरकार की एक योजना वृद्धजनों को पेंशन देने की है। यह योजना भारत शासन से अलग है जो पेंशन 600 रुपये थी उसे मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बढ़ाकर एक हजार रुपये मासिक करने की घोषणा की है। मध्यप्रदेश सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों की सेवा सहायता और सम्मान के लिये बनाई गई इन योजनाओं के अतिरिक्त दो दिशाओं में और काम आरंभ किया है। एक तो प्रत्येक जिले में कम से कम ऐसा शेल्टर होम जिसमें जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिक सम्मान सहित रह सकें और दूसरा उन संस्थाओं को प्रोत्साहन जो इस दिशा में काम कर रही हैं। इन संस्थाओं के माध्यम से सरकार समाज में एक जागरूकता का भी अभियान चलाना चाहती है, जिससे परिवार जन अपने घर के वरिष्ठजनों का अपमान न करें। आखिर उनकी श्रम साधना से ही तो आज की पीढ़ी इतनी योग्य बनी है कि वह धरती से आसमान तक अपनी सफलता के परचम लहरा रही है। इसलिए आवश्यक है कि आधुनिक पीढ़ी उनका सम्मान करे और उनके अनुभवों का लाभ लेकर सफलता के साथ अपना जीवन निरापद बना सके।

रमेश शर्मा

(लेखक : वरिष्ठ पत्रकार और स्तम्भकार हैं।)

कार्यालय मुख्य अभियंता (भोपाल परिक्षेत्र)
लोक निर्माण विभाग, भू-तल, निर्माण भवन, अेरा हिल्स, भोपाल

विशेष अभियान के तहत नि:शक्तजन (अस्थि बाधित) सहायक ग्रेड-3 की भर्ती हेतु विज्ञापन

म.प्र. शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल के पत्र क्र.-एफ 8-2/2023/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 05.01.2023 के प्रावधान अनुसार विशेष अभियान के तहत नि:शक्तजन (अस्थि बाधित) के लिये सहायक ग्रेड-3 के पद की पूर्ति वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से की जाना है। आवेदन पत्र इस पद हेतु निर्धारित योग्यता एवं अर्हता रखते हुये नीचे दर्शाये गये विहित प्रारूप में विज्ञापन जारी होने की तिथि से **दिनांक 06.10.2023 तक** कार्यालयीन समय 5:30 सायंकाल (अवकाश के दिनों को छोड़कर) कार्यालय मुख्य अभियंता (भोपाल परिक्षेत्र) लोक निर्माण विभाग भू-तल, निर्माण भवन, अेरा हिल्स, भोपाल पिनकोड नं. - 462027 के नाम से संबोधित कर प्रेषित करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा। डाक से हुए विलम्ब के लिये विभाग उत्तरदायी नहीं होगा। रिक्त पदों का विवरण, वेतनमान, निर्धारित योग्यता एवं वॉक-इन-इंटरव्यू के लिये निर्धारित तिथि की जानकारी निम्नानुसार है।

क्र.	पदनाम	पद की श्रेणी	वेतनमान	नि:शक्तजनों के लिये आरक्षित रिक्तियों व प्रवर्ग एवं श्रेणीवार विवरण			निर्धारित योग्यता	वॉक-इन-इंटरव्यू हेतु निर्धारित तिथि
				प्रवर्ग	अस्थि बाधित	योग		
1	सहायक ग्रेड-3	तृतीय श्रेणी	19500-62000 समय-समय पर देय अन्य भत्ते	पिछड़ा वर्ग	01	01	1. हायर सेकेंडरी (10+12) परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य। 2. निम्नलिखित मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय/संस्था से न्यूनतम एक वर्षीय कम्प्यूटर डिप्लोमा/सर्टिफिकेट परीक्षा उत्तीर्ण अनिवार्य। (1) यू.जी.सी. द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी विश्वविद्यालय से डिप्लोमा। (2) यू.जी.सी. द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी मुक्त विश्वविद्यालय से डिप्लोमा। (3) डी.ओ.ई.ए.सी.सी. से डिप्लोमा स्तर की परीक्षा। (4) शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज से मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट कोर्स। (5) शासकीय आई.टी.आई. द्वारा एक वर्षीय ''कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्रामिंग असिस्टेंट'' (COPA) प्रमाण-पत्र। 3. म.प्र. शासन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित कम्प्यूटर प्रमाणीकरण दक्षता परीक्षा (CPCT) हिन्दी भाषा में 50 प्रतिशत स्कोर कार्ड अथवा उससे अधिक में उत्तीर्ण होना अनिवार्य।	दिनांक 19.10.2023 एवं 20.10. 2023 को समय 11:00 बजे से साक्षात्कार हेतु अपने मूल दस्तावेज के साथ उपस्थित होवें।

अन्य शर्तें :-

1. आवेदक का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है।
2. समस्त प्रमाण पत्र सक्षम अधिकारी द्वारा अथवा स्वयं सत्यापित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3. आवेदक की आयु न्यूनतम 18 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष, आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को नियमानुसार 05 वर्ष की छूट का प्रावधान है।
4. आवेदक का म.प्र. में किसी भी रोजगार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।
5. विभाग में कार्यरत आवेदक कर्मचारी नियोजक के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।
6. साक्षात्कार के समय सभी प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियां दिखाना अनिवार्य है।
7. नि:शक्तता का डिजिटल प्रमाण-पत्र संबंधित जिले के शासकीय जिला चिकित्सालय में मेडिकल बोर्ड के द्वारा जारी किया गया ही मान्य होगा।
8. पिछड़ा वर्ग का डिजिटल जाति प्रमाण-पत्र सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया गया ही मान्य होगा।
9. कोई भी उम्मीदवार जिसने विवाह के लिये निर्धारित की गई न्यूनतम आयु से पूर्व विवाह कर लिया हो, इस पद पर नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।
10. जिस आवेदक को 02 से अधिक संतान है उनमें से एक का जन्म दिये 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात हुआ हो तब ऐसा आवेदक नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगा।
11. नियुक्ति से संबंधित सभी अधिकार मुख्य अभियंता (भोपाल परिक्षेत्र) लोक निर्माण विभाग भोपाल के पास सुरक्षित होंगे।

मुख्य अभियंता (भो.परि.)
लोक निर्माण विभाग, भोपाल

आवेदन पत्र का प्रारूप

प्रति
मुख्य अभियंता (भोपाल परिक्षेत्र)
लोक निर्माण विभाग
भू-तल, निर्माण भवन, अेरा हिल्स, भोपाल
पिनकोड - 462027

नवीनतम रंगीन फोटो

1. आवेदित पद का नाम : .....
2. आवेदक/आवेदिका का पूरा नाम : .....
3. आवेदक/आवेदिका के पिता/पति का पूरा नाम : .....
4. जन्म तिथि (10+2 के प्रमाण पत्र के आधार पर) : वर्ष ..... माह ..... दिन .....
5. जाति : .....
6. यदि आवेदक विवाहित हो तो विवाह के प्रमाण पत्र के अनुसार दिनांक : .....
7. जीवित बच्चों का विवरण : .....
8. वर्तमान डाक का पता : .....
9. स्थाई पता : .....
10. दिनांक 01.10.2023 को आयु : वर्ष ..... माह ..... दिन .....
11. रोज़गार कार्यालय का जीवित पंजीयन क्रमांक एवं रोज़गार कार्यालय का नाम : .....
12. शैक्षणिक योग्यता (कम्प्यूटर डिप्लोमा एवं हिन्दी सी.पी.सी.टी. स्कोर कार्ड की जानकारी सहित)

क्र.	परीक्षा का नाम	संस्था/बोर्ड/विश्वविद्यालय का नाम	विषय	प्राप्तांक	श्रेणी

राज्य शिक्षा केन्द्र
पुस्तक भवन, बी-विंग, अेरा हिल्स, भोपाल - 462 011

दूरभाष :(0755) 2768390, 91, 92, 94, 95 फैक्स : 2552363, 2760561
क्रमांक/राशिके/स्था./2023/6933 **भोपाल, दिनांक : 15.09.2023**

विज्ञापन

समग्र शिक्षा अभियान मिशन अंतर्गत 16 जिलों में रिक्त जिला परियोजना समन्वयक के पद पर प्रतिनियुक्ति पर आने के इच्छुक स्कूल शिक्षा विभाग के सहायक संचालक/प्राचार्य, उ.मा.वि./ हाईस्कूल संवर्ग/व्याख्याताओं के आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। जिला परियोजना समन्वयक के पद पर पदस्थापना म.प्र. के किसी भी जिले में की जा सकती है। उपरोक्त अधिकारियों को अपना आवेदन पत्र राज्य शिक्षा केन्द्र में प्रस्तुत करना होगा। आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि 25.09.2023** निर्धारित है। निर्धारित समयसीमा के पश्चात प्राप्त आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा।

जिला परियोजना समन्वयक पद के लिए निर्धारित अर्हता :-

(अ) स्कूल शिक्षा विभाग के सहायक संचालक/प्राचार्य, उ.मा.वि./ हाईस्कूल संवर्ग/व्याख्याता
(ब) बी.ए.ड. होना अनिवार्य होगा।
(स) आयु सीमा :- 01.07.2023 को 56 वर्ष से अधिक न हो।

सामान्य शर्तें :-

- विज्ञप्ति पदों की संख्या में कमी/वृद्धि हो सकती है।
- आवेदक के विरुद्ध किसी प्रकार का आपराधिक/न्यायालयीन प्रकरण लंबित न हो/विभागीय जांच संस्थित न हो एवं किसी प्रकार की शास्ति प्रभाव में न हो।
- प्रतिनियुक्ति पर आने वाले अधिकारी को कार्य के प्रति लगनशील एवं ईमानदार होने के साथ-साथ व्यापक भ्रमण और जनसम्पर्क की क्षमता होना चाहिए।
- प्रतिनियुक्ति अवधि में मध्यप्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा प्रतिनियुक्ति के संबंध में जारी निर्देश लागू रहेंगे। प्रतिनियुक्ति अवधि में कोई परियोजना भत्ता अथवा प्रतिनियुक्ति भत्ता देय नहीं होगा। प्रतिनियुक्ति अवधि में सेवायें समान वेतनमान एवं समान सामर्थ्य में ली जावेंगी।
- जिला परियोजना समन्वयक के पद में प्रतिनियुक्ति पर आने के इच्छुक अभ्यर्थियों के प्राप्त आवेदनों की स्क्रूटनी दिनांक 25.09.2023 तक की जावेंगी। स्क्रूटनी के उपरांत पात्र अभ्यर्थियों की राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा लिखित परीक्षा दिनांक 03.10.2023 को प्रातः 10 से 12 बजे तक शा. सुभाष उत्कृष्ट उ.मा.वि. शिवाजी नगर भोपाल में आयोजित होगी। लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों का साक्षात्कार दिनांक 03.10.2023 को अपराह्न 02 बजे से राज्य शिक्षा केन्द्र में लिया जाएगा।
- लिखित परीक्षा 75 अंकों पर तथा साक्षात्कार 25 अंकों पर आधारित होगी। लिखित परीक्षा में अभ्यर्थियों को 75 अंक में से न्यूनतम 40 अंक लाना अनिवार्य होगा। लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में अभ्यर्थियों को न्यूनतम प्राप्तांक 65 अंक लाना अनिवार्य होगा।
- मेरिट सूची अनुसार लोक शिक्षण संचालनालय से इन अधिकारियों के विरुद्ध किसी प्रकार की विभागीय जांच, न्यायालयीन प्रकरण तथा आपराधिक प्रकरण न होने संबंधी जानकारी एवं अनापत्ति प्राप्त किये जाने के साथ ही इनकी विगत पांच वर्षों की ए.सी.आर. की ग्रेडिंग प्राप्त की जावेगी। जिन अधिकारियों के विरुद्ध किसी प्रकार की विभागीय जांच न्यायालयीन प्रकरण तथा आपराधिक प्रकरण होंगे वे जिला परियोजना समन्वयक के पद हेतु पात्र नहीं होंगे।
- मेरिट सूची की वैद्यता अधिकतम तीन वर्ष रहेगी। मेरिट सूची की वैद्यता समाप्ति के पूर्व यदि किसी जिले में जिला परियोजना समन्वयक का पद रिक्त होगा तो इसी प्रतीक्षा सूची से जिला परियोजना समन्वयक के पद की पूर्ति की जावेगी।
- किसी भी अधिकारी को लिखित एवं साक्षात्कार में आने हेतु यात्रा-व्यय का भुगतान देय नहीं होगा।
- आवेदन पत्र में जानकारी असत्य/त्रुटिपूर्ण होने की दशा में आवेदन पत्र/प्रतिनियुक्ति आदेश निरस्त किया जावेगा।
- आवेदन पत्र संचालक, राज्य शिक्षा केन्द्र, बी, विंग पुस्तक भवन, अेरा हिल्स, भोपाल 462011 के कार्यालय को निर्धारित तिथि तक प्राप्त हो जाना चाहिए। लिफाफे के ऊपर स्पष्ट शब्दों में जिस पद के लिए आवेदन किया गया है, उसका उल्लेख होना चाहिए।
- विस्तृत जानकारी एवं आवेदन का प्रारूप **वेबसाइट www.educationportal.mp.gov.in** पर उपलब्ध है।

जी-19808/49087/2023 **संचालक, राज्य शिक्षा केन्द्र**

कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल - ceproc.encwrd.bpl@nic.in, फोन - 0755-2767635, फैक्स - 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1025/2023-24/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 09.09.2023**

निम्न कार्यों हेतु निविदा **वेबसाइट https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 27.09.2023 को 17:30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

सं. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2023_WRD_306152	अटल भूजल योजना अंतर्गत पड़रिया, खैरों एवं रक्शापुरवा तालाब में अर्ध वर्क, लाइनिंग एवं व्ही.आर.बी. का निर्माण कार्य।	छतरपुर	158.64
2.	2023_WRD_306158	रूंज मध्यम सिंचाई बांध पर नवीन विद्युतीकरण (33 के.व्ही. विद्युत लाइन का विस्तार) एवं 315 के.व्ही.ए. ट्रांसफारमर 33/0.433 के प्रदाय-स्थापना सहित विद्युत उपकेन्द्र व स्विचयार्ड के निर्माण का कार्य समस्त सामग्री एवं मजदूरी सहित कार्यस्थल पर 'जी' शेड्यूल के अनुसार इंचार्ज यंत्री के निर्देशानुसार।	पन्ना	130.43
3.	2023_WRD_306161	परकुल मध्यम परियोजना के अंतर्गत ब्लॉक जैसीनगर में स्पिल चैनल आर.डी. 1710 मीटर पर ब्रिज निर्माण कार्य।	सागर	72.90
4.	2023_WRD_306168	विशेष मरम्मत अंतर्गत गांगुलपारा जलाशय (आर.डी. 0 से 15930 मी.) एवं बालाघाट डोंगरबोडी लघु जलाशय में (आर.डी. 4280 मी. से 6770 मी.) लाइनिंग कार्य तथा मठ एवं शेवरी नं. 2 लघु जलाशय के बांध, स्लूस एवं वेस्टवियर का कार्य।	517.89	

जी-19779/49089/2023 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

13. अतिरिक्त विशेष योग्यता/अनुभव यदि हो तो : .....
14. कार्यरत विभाग का नाम : .....
15. उपरोक्त विवरण के संबंध में सभी प्रमाण पत्र की छायाप्रतियां अभिप्रमाणित कर प्रस्तुत करें।

सहपत्र :- प्रमाण पत्र 1. 2. 3. 4. 5.

आवेदक के हस्ताक्षर एवं पूरा पता

घोषणा पत्र

मैं घोषणा करता हूं/करती हूं कि उपरोक्त सभी जानकारी जो मेरे द्वारा दी गई है। वह मेरे विवेक एवं ज्ञान से पूर्णत: सत्य है। जानकारी असत्य पाई जाने पर मेरा आवेदन पत्र निरस्त माना जावेगा।

दिनांक : -
स्थान : -

जी-19844/49088/2023 **आवेदक के हस्ताक्षर एवं पूरा पता**

OFFICE OF THE MANAGING DIRECTOR
MADHYA PRADESH MADHYA KSHETRA VIDYUT VITARAN COMPANY LIMITED
(Government of M.P. Undertaking)
Bijli Nagar Colony, Nishtha Parisar, Govindpura, Bhopal-462023
Phone : Office : 0755-2602033, Fax : 2589821, Website : portal.mpcz.in (CIN : U40109MP2002SGC015119)

No.MD/MK/Rec./2023/2400 Bhopal, Dated : 22.09.2023

ADVERTISEMENT FOR RECRUITMENT OF ASSISTANT ENGINEER (ELECTRICAL/IT) BATCH-2023 ON CONTRACT BASIS

The Madhya Pradesh Madhya Kshetra Vidyut Vitaran Co. Ltd. (MPMKVVCL), a wholly owned Power Company of GoMP engaged in the field of Trading and Distribution of electricity in the State of M.P., invites online applications for selection and appointment against the post of Assistant Engineer (Electrical/IT) on Contract basis, based on Valid Gate Score. The details of vacancy are given hereunder :-

S. No.	Post Name	No. of Vacant Post						Post Reserved for Women (33%) (Horizontal Reservation for Domicile of M.P. only)					Post Reserved for Specially Abled (PWD) (Horizontal Reservation for Domicile of M.P. only)			
		UR	SC	ST	OBC	EWS	TOTAL	UR	SC	ST	OBC	EWS	VI	HI	LD	MD
1.	Assistant Engineer/Manager (Electrical) on Contract Basis	6	3	4	6	2	21	2	1	1	2	1	0	0	1	0
2.	Assistant Engineer/Manager (IT) on Contract Basis	6	3	3	4	1	17	2	1	1	1	0	0	0	1	0

Note :-

1. The posts of Horizontal Reservation are included in the Open Vacancies.
2. The Company reserves the right to fill or not to fill any or all of the vacancies.
3. The start date for filling online application form is **26.09.2023** and the last date for submission of online application is **10.10.2023.**
4. The above posts may vary as per requirement. The details regarding category wise vacancies, minimum qualification, age limit, application fees and other terms and conditions are given in detailed advertisement available on company's **website : portal.mpcz.in or https://recruitment.mpcz.in/.** Applicants may visit the link provided on the homepage of MPMKVVCL website to submit the online application form on or before the last date given above.

M.P. Madhyam/112188/2023 R-49113/2023 **CHIEF GENERAL MANAGER (HR & A)**

मध्यप्रदेश मत्स्य महासंघ (सहकारी) मर्यादित
मदभदा मत्स्य प्रक्षेत्र, मदभदा रोड, भोपाल (म.प्र.)
दूरभाष : 0755-2765026, 2774467, 2771403, फैक्स : 0755-2771549
GSTIN : 23AAAAM0348JIZW

क्रमांक/2112 दिनांक : 20.09.2023

अल्पकालीन निविदा सूचना
मत्स्य महासंघ के इंदिरासागर जलाशय से आखेटित मछली के विक्रय हेतु

म.प्र. मत्स्य महासंघ के अधीन इंदिरासागर जलाशय से आखेटित मछली के विक्रय हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** में **M.P. Fisheries Federation** पर देखा जाकर, तदानुसार राशि भुगतान (सर्विस प्रोवाइडर द्वारा निर्धारित शुल्क अतिरिक्त) कर क्रय/डाऊनलोड की जा सकती है। निविदा संबंधी संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	जलाशय का नाम	जिला	धरोहर राशि (रु. लाख)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	दर अपलोड करने एवं धरोहर राशि ऑनलाइन जमा करने की तिथि/समय	निविदा खोलने की तिथि/समय
1	इंदिरासागर (7 वर्ष की अवधि हेतु)	खण्डवा देवास एवं हरदा	201.60	रु. 15,000 एवं प्रोसेसिंग फीस	दि. 21.09.2023 को दोपहर 02.00 बजे से दि. 26.09.2023 को दोपहर 3.00 बजे तक	दि. 27.09.2023 को दोपहर 3.30 बजे से

निविदा में वही व्यक्ति/फर्म/संस्था/मत्स्य समिति/कम्पनी भाग ले सकती है जिनका पंजीयन, उक्त वेबसाइट पर हो तथा जिनके पास प्रचलित डिजिटल सर्टिफिकेट क्लास-3 हो।

म.प्र. माध्यम/112135/2023 R-49109/2023 **मुख्य महाप्रबंधक**

केन्द्रीय पेट्रोसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट)
कौशल एवं तकनीकी सहायता केंद्र (सीपसटीएस) भोपाल
सायन और पेट्रोसायन विभाग, सायन और उर्वरक मंत्रालय (भारत सरकार)
जी-सेक्टर, गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र,पुरिया, जे.के. रोड, भोपाल - 462023 (म.प्र.)
फोन नंबर 0755 - 4028616, 639, 613, 602;
ई-मेल :admin_bhopal@cipet.gov.in; वेबसाइट: www.cipet.gov.in

विज्ञापन संख्या: CIPET/BPL/ADMIN/CIPET_Contr./16 दिनांक : 16.09.2023

विज्ञापन भोपाल
व्यावस्थाताओं की सिपेट भोपाल में अनुबंध पर सीमित या निश्चित अवधि के लिए नियुक्ति हेतु

सिपेट जिसे पहले लेदर इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सिपेट) के नाम से जाना जाता था) पॉलिमर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान है। जिसका मुख्य उद्देश्य प्लास्टिक प्रौद्योगिकी, मोल्ड प्रौद्योगिकी, कैड/कैम मोल्ड डिजाइन, प्लास्टिक परीक्षण और परीक्षण के क्षेत्र में AICTE द्वारा अनुमोदित डिप्लोमा, पोस्ट डिप्लोमा और पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा कार्यक्रम भी प्रदान करता है।

सिपेट: सीपसटीएस, भोपाल शैक्षणिक और कौशल प्रशिक्षण के क्षेत्र में अनुबंध के आधार पर निम्नानुसार परिणामोन्मुख सक्रिय व्यावस्थाओं की नियुक्ति करना चाहता है:-

क्र. सं.	पद	प्रति माह देय परिश्रमिक	पदों की संख्या
1.	व्यावस्थाता (यांत्रिक)	रू. 30000/- से रू. 35000/-	01
2.	व्यावस्थाता (रसायन विज्ञान)	रू. 30000/- से रू. 35000/-	01
3.	व्यावस्थाता (गणित)	रू. 30000/- से रू. 35000/-	01
4.	व्यावस्थाता (प्लास्टिक / पॉलिमर)	रू. 30000/- से रू. 35000/-	01
5.	व्यावस्थाता (अंग्रेजी)	रू. 30000/- से रू. 35000/-	01

आवेदन हेतु पात्रता मानदंड, शैक्षिक योग्यता और अनुभव, सामान्य नियम और शर्तें और आवेदन पत्र आदि की विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट :www.cipet.gov.in पर जाएं।

आवेदनकर्ता द्वारा आवश्यक अनुलग्नकों के साथ निर्धारित प्रपत्र में आवेदन एक सीलबंद लिफाफे में प्रधान निदेशक एवं प्रमुख, सिपेट: सीएसटीएस, जी-सेक्टर, गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र जे.के. रोड, भोपाल – 462023 को पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा भेजे जाने चाहिए। आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि 07.10.2023 है। उम्मीदवार को लिफाफे के ऊपर बड़े अक्षरों में स्पष्ट रूप से विज्ञापन संख्या: CIPET/BPL/ADMIN/CIPET_Contr-/16" और पद का नाम का उल्लेख करना चाहिए।

R-49103/2023 **प्रधान निदेशक एवं प्रमुख**

ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान एप्रूवल सिस्टम 3.0 को मिली स्वीकृति

भोपाल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई केबिनेट में एबीपीएएस 2.0 पोर्टल के माध्यम से दी जा रही सेवाओं और विभागीय कार्यों को डिजिटल माध्यम से जारी रखने के उद्देश्य से ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान एप्रूवल सिस्टम 3.0 पोर्टल के विकास की स्वीकृति दी गई है। इसका क्रियान्वयन एवं संचालन नई तकनीक एवं उपकरणों के अनुसार किया जावेगा। इस निर्णय से नागरिकों को त्वरित सेवाएं मिलेंगी साथ ही विभागीय कार्यों को पारदर्शी एवं बेहतर प्रबंधन के साथ किया जा सकेगा।

श्री सिंह ने बताया है कि नवीन परियोजना की कुल समयावधि 7 वर्ष होगी, जिसमें पोर्टल के विकास के लिए 1 वर्ष का समय अनुमानित है। विकास कार्य पूर्ण होने के बाद 6 वर्ष ऑपरेशन एंड मेंटनेंस के लिए होंगे। एबीपीएएस 3.0 परियोजना में कॉलोनी विकास से संबंधित प्रक्रियाओं जैसे कॉलोनाइजर रजिस्ट्रेशन, कॉलोनी विकास अनुज्ञा एवं कॉलोनी पूर्णता प्रमाण-पत्र प्रदान करने आदि की व्यवस्था ऑनलाइन लागू किया जाना भी शामिल है। समस्त संभागीय स्तर तथा निकाय स्तरों पर तकनीकी सहायता के लिए मानव संसाधन भी उपलब्ध कराये जायेंगे। विभिन्न विभाग जैसे राजस्व, नगर तथा ग्राम निवेश, राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण आदि के साथ इंटीग्रेशन की कार्यवाही करना भी प्रस्तावित है।

नवीन परियोजना में जीआईएस टेक्नोलॉजी का उपयोग भी सामयिक रूप से किया जा सकेगा। नवीन परियोजना में प्री-स्क्रूटनी की सुविधा भी आवेदक को दी जायेगी। इससे आवेदक द्वारा भवन नक्शे की जांच स्वयं अपने स्तर पर भी की जा सकेगी। एबीपीएएस 3.0 पोर्टल के संचालन पर अनुमानित व्यय 51 करोड़ 18 लाख रुपये है।

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र. 02
डी-16, कचनार सिटी, विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.)-482002
E-mail : mpphcjabalpur2@gmail.com

निविदा-विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्र.-02 के अंतर्गत निविदा क्रमांक 19/2023-24 (1) निर्माण कार्य बाउण्ड्रीवॉल थाना कोतवाली, जिला-कटनी, ऑनलाइन निविदा क्र. (2023_MPPHC _ 309842) (2) निर्माण कार्य बाउण्ड्रीवॉल थाना खितौला, जिला-जबलपुर, ऑनलाइन, निविदा क्र. (2023_MPPHC _ 309845), (3) निर्माण कार्य बाउण्ड्रीवॉल थाना ग्वारीघाट, जिला-जबलपुर, ऑनलाइन निविदा क्र. (2023_MPPHC _ 309848) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 03.10.2023 तक खरीदकर सायं 06:00 बजे तक** सबमिट किये जा सकते हैं जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/112130/2023 R-49108/2023 **परियोजना यंत्री**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal M.P.-462 011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./14806/22/D-12/NIT-Maint./2023 Bhopal, Dated : 18.09.2023

NOTICE INVITING TENDER No. 253/MTN/2023 (CBMS)

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :-

1. Table No. 1 :- Name of Work - Post 5 Year (CBMS)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Balaghat	1	10366014.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **20.09.2023 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/112120/2023 R-49107/2023 **(TENDER)**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, BHOPAL M.P.-462 011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./14642/22/D-12/NIT-Maint./2023 Bhopal, Dated : 18.09.2023

NOTICE INVITING TENDER No. 252/MTN/2023

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :-

- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments upto issue date of NIT.

1. Name of Work :- Repair/Maintenance of The Rural Roads For Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 5 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Narsinghpur	1	10696532.00
2.	Shajapur	1	5989685.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website **from 20.09.2023 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/112086/2023 R-49105/2023 **(TENDER)**

म.प्र. पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड
कार्यालय परियोजना यंत्री, डी-5/2, एम.आय.जी.
महाश्वेता नगर, इस्कॉन मंदिर के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
E-mail : mpphcl_ujjain@yahoo.in
फोन नं. : 0734-2527715, मोबा. : 9406808103

क्र. 1220/पय/मप्पुहाइडेकालि/23/उज्जैन दिनांक : 21.09.2023

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 15/2023-24

मध्यप्रदेश पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, संभाग उज्जैन के अंतर्गत निविदा क्रमांक 15/2023-24 दिनांक 21.09.2023 के अंतर्गत आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ इकाई उज्जैन हेतु पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं अधिकारी/कर्मचारियों के आवास गृहों का निर्माण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2023_MPPHC_309891 आमंत्रित की गई है।

निविदा प्रपत्र ऑनलाइन दिनांक 03.10.2023 17.00 बजे तक प्रस्तुत किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/112144/2023 R-49110/2023 **परियोजना यंत्री**

IPS Academy, Institute of Business Management and Research, Sanwer, Indore
AICTE Approved and Affiliated to DAVV, Indore & RGPV, Bhopal
REQUIRES
(Under College Code 28 & 30)
Professor/ Associate Professor / Assistant Professor for
MBA & MCA
(Eligibility & Pay scale as per Norms)
Apply within 7 days with complete CV to ipsahr.sanwer@ipsacademy.org
Knowledge Village, Barodiya Khan, Indore Ujjain Road, Sanwer, (MP) M.No. 62626 14161
Registrar-IPSA
Adcom

IPS Academy
College of Law, Sanwer, Indore
Approved by Bar Council of India, Govt. of MP & affiliated to DAVV, Indore
REQUIRES (Under College Code 28)
Principal/ Professor/ Associate Professor/ Assistant Professor for
BA.LLB (Hons.) & LLB (Hons.)
(Eligibility & Pay scale as per Norms)
Apply within 7 days with complete CV to ipsahr.sanwer@ipsacademy.org
Knowledge Village, Barodiya Khan, Indore Ujjain Road, Sanwer, (MP) M.No. 62626 04161
Registrar-IPSA
Adcom

R-49100/2023

ILVA COMMERCE AND SCIENCE COLLEGE
Approved by M.P. Higher Education & Affiliated to DAVV Indore
Sch. No. 31, Sneh Nagar, Indore. Ph. : 0731-4094686, E-mail : collegeilva@gmail.com
REQUIRES
PRINCIPAL (1)
PROFESSOR
• COMMERCE (2) • MANAGEMENT (1) • EDUCATION (2) • COMP. Sc. (1)
ASSOCIATE PROFESSOR
• COMMERCE (2) • MANAGEMENT (1) • EDUCATION (2) • COMP. Sc. (1)
ASSISTANT PROFESSOR
• COMMERCE (5) • MANAGEMENT (5) • COMP. Sc. (2) • PHYSICS (1)
• POLITICAL. Sc. (2) • HISTORY (2) • ECONOMICS (2) • SOCIOLOGY (2)
• HINDI (2) • ENGLISH (2) • YOGA (1)
• EDUCATION : • SCIENCE (2) • SOCIAL Sc. (2) • COMMERCE (1)
• HINDI (1) • ENGLISH (1) • PERFORMING ART TEACHER (1)
• MUSIC & DANCE TEACHER (1) • FINE ARTS TEACHER (1)
OFFICE INCHARGE (1) - PG Degree in any discipline & having knowledge of Hindi & English Typing.
ACCOUNTANT (1) - M.Com. having experience in Education Institute.
OFFICE ASSISTANT (1) - Having knowledge of Scholarship with Hindi & English Typing.
SPORTS OFFICER (1) - experienced.
Eligibility, Qualification & Salary according to U.G.C., & NCTE Norms/Code-28 of D.A.V.V. Norms.
Apply with biodata, all testimonials and two passport size photographs to the Chairman, Indore Loha Vyapari Parmarthik Trust at above e-mail and Hard Copy at above address within 15 days of advertisement.
Amarjeet Singh Chabra - Chairman, Sudhir Khandelwal - Secretary, Indore Loha Vyapari Parmarthik Trust
LETTER

R-49102/2023

कोटेश्वर सिंचाई तालाब से किसान परिवार लाभांवित

रतलाम, जिले की पहली फव्वारा पद्धति से बनी कोटेश्वर इमलीपाड़ा सिंचाई तालाब परियोजना से 2354 किसान परिवार लाभांवित हो रहे हैं। यह महत्वाकांक्षी सिंचाई परियोजना लगभग 22 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई का सशक्त माध्यम बनी है।

कोटेश्वर तालाब का निर्माण राज्य शासन द्वारा 69 करोड़ 63 लाख रुपये की लागत से कराया गया है। इस तालाब का लाभ रतलाम तहसील के ग्रामीण क्षेत्र के करीब 13 गांवों के लोगों को मिल रहा है। यह परियोजना इमलीपाड़ा गांव के अलावा मुख्य रूप से रावलिया, खेड़ा-खेड़ी, पीपलोदी, बावड़ीखेड़ा, पीपलखूंटा, उमरन, पिपलीपाड़ा, बसंतपुरा, कुण्डालपाड़ा एवं गुजरपाड़ा के 2354 किसान परिवारों के लिये वरदान बनी है।

तालाब निर्माण के पहले यहां के किसान परम्परागत खेती किया करते थे। तालाब बन जाने के बाद अब किसान परम्परागत फसलों के साथ-साथ अमरूद, नींबू और पपीता जैसी उद्यानिकी फसल लेने में सक्षम हो गये हैं।

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED
(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
REGIONAL OFFICE, INDORE
101, First Floor, ATULYA IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, INDORE-452007 (M.P.)
Phone : (0) 2970611, 2971311, 2974363, Fax No. : 0731-2972629
E-mail : ed.roind@mpidc.co.in Website : www.invest.mp.gov.in
GSTN : 23AACCM6080D2ZT, CIN : U45203MP1981SGC001850
No. MPIDC/R.O./IND/2023/10504 Date : 22.09.2023

NOTICE INVITING TENDER (Second call)

Tender for the following work have been proceeded on the e-procurement system– http:// www.mptenders.gov.in as mention below :

S.No.	Name of work	PAC (Rs. in Lacs)	Cost of Tender Form	EMD
1.	Upgradation & Rehabilitation of WWTP of Namkeen cluster, Indore i/c infrastructure of reuse & recycle Network.	Rs. 213.45 Lacs	Rs. 17700/- (i/c GST)	Rs. 213451/-

The Detailed NIT and tender documents can be viewed and purchased after publication in newspaper within 7 working days from Website : http://www.mptenders.gov.in
M.P. Madhyam/112167/2023 R-49112/2023 EXECUTIVE ENGINEER

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिज़र्व में विभिन्न क्षेत्र अधिसूचित

भोपाल, भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा वन्य-प्राणियों के संरक्षण एवं संवर्धन की दृष्टि से वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिज़र्व में विभिन्न क्षेत्रों को अधिसूचित किया गया है।

केन्द्र सरकार द्वारा केन-बेतवा लिंक परियोजना की प्रदाय की गई स्वीकृति में अधिरोपित की गई शर्त के पालन में जिला सागर, दमोह एवं नरसिंहपुर में पूर्व से अधिसूचित नौरादेही को वीरांगना दुर्गावती अभयारण्य के क्षेत्र को सम्मिलित किया है। वीरांगना दुर्गावती अभयारण्य मध्यप्रदेश का सातवां टाइगर रिज़र्व है। टाइगर रिज़र्व का 1414.00 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को कोर क्षेत्र तथा 925.120 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को बफर क्षेत्र के रूप में अधिसूचित किया गया है। अधिसूचित बफर क्षेत्र में नौरादेही एवं वीरांगना दुर्गावती अभयारण्यों का पूर्व से अधिसूचित ईको सेंसेटिव जोन एवं आस-पास के वनक्षेत्र को शामिल किया गया है।

देश में प्रथम स्थान पर मध्यप्रदेश टाइगर स्टेट, तेन्दुआ स्टेट और चीता स्टेट के साथ-साथ घड़ियाल स्टेट भी है। टाइगर रिज़र्व में अन्य कोई नया राजस्व क्षेत्र शामिल नहीं किये जाने के कारण टाइगर रिज़र्व के आस-पास के स्थानीय लोगों पर कोई अतिरिक्त प्रतिबंध नहीं लागू किये जायेंगे टाइगर रिज़र्व में पूर्व से ही अधिसूचित अभयारण्य क्षेत्र अथवा ईको सेंसेटिव क्षेत्र को शामिल किया गया है। मध्यप्रदेश का यह सातवां टाइगर रिज़र्व वन्य-प्राणियों के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रबंधन की दृष्टि से वन्य-प्राणियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। इस टाइगर रिज़र्व की स्थापना से इन वनों से प्राप्त होने वाली पारिस्थितिकीय सेवाओं (Eco-system Services) की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जो वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों के लिए पारिस्थितिकीय सुरक्षा प्रदान करेगी।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, BHOPAL M.P.-462 011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No./14639/22/D-12/NIT-Maint/2023 Bhopal, Dated : 18.09.2023

NOTICE INVITING TENDER No. 254/MTN/2023

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal https://mptenders.gov.in as detailed below :-

1. **Table No. 1 :- Name of Work–** Repair/Maintenance of The Rural Roads For Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 5 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Damoh	1	652841.00
2.	Datia	2	25308790.00
3.	Harda	4	22032827.00
4.	Katni	1	5866118.00
5.	Narsinghpur	1	4174476.00
6.	Raisen	1	4612532.00
7.	Vidisha	1	13252872.00

2. **Table No. 2 :- Name of Work–** Repair/Maintenance of The Rural Roads For Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 10 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Burhanpur	1	13066601.00
2.	Harda	1	14964924.00
3.	Narmadapuram	1	6852807.00
4.	Shajapur	1	4972208.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website **from 20.09.2023 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/112085/2023 (TENDER)

R-49104/2023

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग क्र.-03 भोपाल-462003
Mobile No. 9425601545, ई-मेल :- mpphidcbpl3@gmail.com
क्र.-मप्पपुआअविनि/870/पर्य/भोपाल-03/तहा/2023 भोपाल, दिनांक : 21.09.2023

प्रेस विज्ञप्ति

भोपाल संभाग-3 के अंतर्गत निर्माण कार्य रहटी खेल स्टेडियम जिला सीहोर एवं कार्य हेतु निविदा क्रमांक-12/2023-24 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक-310532, 310533) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 30.09.2023 सायं 5:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : **https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/112156/2023 R-49111/2023 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्रं.-02
डी-16, कचनार सिटी, विजय नगर, जबलपुर- 482002 (म.प्र.)
E-mail : mpphcjabalpur2@gmail.com

निविदा विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, जबलपुर संभाग क्रं.-02 के अंतर्गत निविदा क्रमांक 18/2023-24 (1) थाना करेंजिया में अस्थाई प्रीफाइल सीट युक्त 20 सीटर बैरिक बिल्डिंग निर्माण कार्य जिला-डिण्डौरी, ऑनलाइन निविदा क्रं. (2023_MPPHC_309041) (2) निर्माण कार्य महिला टायलेट डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेन्ट ऑफिस होमगार्ड जिला-डिण्डौरी, ऑनलाइन निविदा क्रं. (2023_MPPHC_309088) (3) निर्माण कार्य महिला बैरिक होमगार्ड जिला-सिवनी, ऑनलाइन निविदा क्रं. (2023_MPPHC_309090) (4) डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेन्ट कार्यालय होमगार्ड सिवनी में छत की वाटर प्रूफिंग एवं पेंटिंग का कार्य जिला-सिवनी, ऑनलाइन निविदा क्रं. (2023_MPPHC_309091) (5) मुख्यमंत्री आवास योजना अंतर्गत निर्माण कार्य (24+144) बहुमंजिला आवासगृह पुलिस लाइन छिंदवाड़ा, जिला छिंदवाड़ा में बाह्य विद्युतीकरण का कार्य, ऑनलाइन निविदा क्रं. (2023_MPPHC_309093) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 30.09.2023 तक खरीद कर सायं 06:00 बजे तक** सबमिट किये जा सकते हैं जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं एवं निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।
म.प्र. माध्यम/112102/2023 R-49106/2023 **परियोजना यंत्री**

तेंदुपत्ता संग्राहक परिवारों को मिली 10 करोड़ 11 लाख रुपये की बोनस राशि

खंडवा, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने खण्डवा जिले के हरसूद में खण्डवा, खरगोन, बुरहानपुर, एवं बड़वानी जिलों के 41 हजार 68 संग्राहक परिवारों को 10 करोड़ 11 लाख की बोनस राशि का वितरण किया। इन जिलों में वर्ष 2023 के कुल 29 हजार 520 तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों के 82 हजार 74 से अधिक सदस्य शामिल किए हैं। इन जिलों मे इस वर्ष 38 हजार मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सरकार नहीं परिवार चला रहे हैं। बहनों के जीवन में खुशियां लाने के लिए भरपूर कोशिश करूंगा। जनता की सेवा ही सच्चा धर्म है। सामाजिक क्रांति के माध्यम से जनता की जिंदगी में आयेगा बदलाव। अनेक विकास कार्य किए गए हैं। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से बहनों की घर-परिवार में इज्जत बढ़ी है। इस योजना में मिल रही राशि बहनों का सम्मान है। अब एक हजार रुपये से बढ़ाकर बारह सौ पचास रुपये कर दिए गए हैं। जो अविवाहित बहनें इस योजना से छूट गई हैं उन्हें शामिल किया जाएगा।

श्री चौहान ने कहा कि तेंदूपत्ता तोड़ने वाली बहनों को चप्पल, पीने के पानी की कुप्पी, साड़ी भी दे रहे हैं। उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है। रोज़गार के अवसर बढ़ाए जा रहे हैं। आने वाले पांच साल में प्रदेश की तस्वीर और तकदीर बदल दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रहने के लिए जमीन का पट्टा देने की योजना बनाई गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना में छूटे गरीबों के लिए मुख्यमंत्री जन आवास योजना का लाभ मिलेगा। किसानों को बिजली की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

श्री चौहान ने कहा कि बेटा-बेटियों को नि:शुल्क साइकिल, लैपटॉप की राशि दी जा रही है। बारहवीं कक्षा में अपने गांव की शाला में टॉप करने वाले एक-एक छात्र-छात्राओं को स्कूटी दी जा रही है। आगे चलकर तीन-तीन छात्र-छात्राओं को स्कूटी मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेडिकल एवं इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिन्दी में भी करवाई जाएगी। मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज की फीस राज्य सरकार भरवाएगी।

तेन्दूपत्ता संग्राहकों के लिये चरण पादुका योजना

चरण पादुका योजना में तेंदुपत्ता संग्राहकों की छोटी-छोटी जरूरतों का ध्यान रख रहे हैं। इसमें परिवार के एक पुरुष सदस्य को एक जोड़ी जूता, परिवार की एक महिला सदस्य को एक जोड़ी चप्पल, परिवार की सभी महिला सदस्यों को एक-एक साड़ी तथा प्रत्येक परिवार को पानी की बाटल उपलब्ध करायी जा रही है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बालाघाट
ई-टेंडरिंग निविदा आमंत्रण

बालाघाट जिले के विकासखण्डों के ग्रामों में 200 एम.एम. डाया के साधारण नलकूप खनन कार्य की मुहरबंद निविदा प्रपत्र ''अ 2.10'' (प्रतिशत दर) में एम.पी. टेण्डर्स पद्धति के माध्यम से लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है जो कि एम.पी. टेण्डर्स सिस्टम पोर्टल के **http://mptenders.gov.in** द्वारा निर्धारित शेड्यूल के अनुसार निविदा प्रक्रिया की जावेंगी।

निविदा का विवरण निम्नानुसार है :–

ई-टेण्डरिंग पद्धति क्रमांक	निविदा क्रमांक/ आमंत्रित क्रमांक	कार्य की अनुमानित लागत (रु. लाख में)	धरोहर राशि (अर्नेस्ट मनी) रु. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	निविदा प्रपत्र क्रय करने की एवं दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	ऑनलाइन खुलने की तिथि	पंजीकृत ठेकेदार की श्रेणी
2023_ PHED_ 307954_1	82/ 14.09.2023	40.90	80980/-	5000/-	2 माह	29.09.2023	03.10.2023	लोक निर्माण विभाग में नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन
2023_ PHED_ 307955_1	83/ 14.09.2023	40.90	80980/-	5000/-	2 माह	29.09.2023	03.10.2023	
2023_ PHED_ 307957_1	84/ 14.09.2023	40.90	80980/-	5000/-	2 माह	29.09.2023	03.10.2023	
2023_ PHED_ 307958_1	85/ 14.09.2023	40.90	80980/-	5000/-	2 माह	29.09.2023	03.10.2023	
2023_ PHED_ 307959_1	86/ 14.09.2023	40.90	80980/-	5000/-	2 माह	29.09.2023	03.10.2023	
2023_ PHED_ 307961_1	87/ 14.09.2023	40.90	80980/-	5000/-	2 माह	29.09.2023	03.10.2023	
2023_ PHED_ 307962_1	88/ 14.09.2023	40.90	80980/-	5000/-	2 माह	29.09.2023	03.10.2023	
2023_ PHED_ 307963_1	89/ 14.09.2023	40.90	80980/-	5000/-	2 माह	29.09.2023	03.10.2023	
2023_ PHED_ 307964_1	90/ 14.09.2023	40.90	80980/-	5000/-	2 माह	29.09.2023	03.10.2023	

निविदा आमंत्रण सूचना, विस्तृत विवरण एवं Key dates की जानकारी वेबसाइट **http://www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है।

नोट :–

1. सभी इच्छुक ठेकेदार ई-टेंडरिंग पोर्टल **(http://mptenders.gov.in)** में पंजीयन करायें।
2. ''निविदा में भविष्य में किये जाने वाले समस्त संशोधनों को समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा। यह संशोधन केवल **http://mptenders.gov.in** पर ही प्रकाशित किये जायेंगे'' निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क क्रेडिट कार्ड, ए.टी. एम. कम डेबिट कार्ड अथवा इंटरनेट बैंकिंग एकाउण्ट के माध्यम से उपरोक्त वेबसाइट पर भुगतान कर केवल ऑनलाइन पर ही क्रय किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त उल्लेखित वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री

जी-19857/49090/2023 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, बालाघाट म.प्र. (07632-241131)**

कार्यालय मुख्य अभियंता (भोपाल परिक्षेत्र)
लोक निर्माण विभाग, भोपाल (म.प्र.)

ईमेल :– cepwdcapital@mp.nic.in दूरभाष/फैक्स क्रमांक :– 0755-2551403

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र. 44/सा/01/विविध/2019 (वर्ष 2023) **भोपाल, दिनांक : 12.09.2023**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	रिमार्क
1.	2023_ PWDRB_ 304127_1	हरदा	प्लान	शोभापुर खेड़ी से सोनपुरा फाटा मार्ग लं. 4.95 कि.मी. निर्माण।	द्वितीय	589.46	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
2.	2023_ PWDRB_ 304128_1	हरदा	प्लान	अहलवाड़ा से सन्यासा व्हाया गोंदागांव मार्ग लंबाई 11.50 कि.मी.।	चतुर्थ	1395.16	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
3.	2023_ PWDRB_ 304129_1	भोपाल (राजधानी स.क्र.-2 भोपाल)	प्लान	सतपुड़ा भवन एवं विंध्याचल भवन का पुर्नविकास एवं उन्नयन कार्य।	प्रथम	13789.00	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
4.	2023_ PWDRB_ 304131_1	भोपाल (राजधानी स.क्र.-2 भोपाल)	प्लान	एम.जी.एम. मार्ग खजुरीकलां से भोपाल बायपास मार्ग तक मास्टर प्लान मार्ग।	प्रथम	796.23	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
				योग -		**16569.85**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 27.09.2023 (17.30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता

जी-19905/49092/2023 **लोक निर्माण विभाग, भोपाल परिक्षेत्र भोपाल**

कार्यालय मुख्य अभियंता (भोपाल परिक्षेत्र)
लोक निर्माण विभाग, भोपाल (म.प्र.)

ईमेल :– cepwdcapital@mp.nic.in, दूरभाष/फैक्स क्रमांक :– 0755-2551403

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र. 45/सा/01/विविध/2019 (वर्ष 2023) **भोपाल, दिनांक : 14.09.2023**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	रिमार्क
1.	2023_ PWDRB_ 304132_1	हरदा	प्लान	ग्राम सारंगपुर से ग्राम खरड़ होते हुये धनवाड़ा मार्ग 4.60 कि.मी.।	चतुर्थ	629.26	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
2.	2023_ PWDRB_ 304133_1	हरदा	प्लान	सेलगांव से खामपड़वा धुरगाड़ा मार्ग लं. 9.64 कि.मी. निर्माण।	द्वितीय	1631.09	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
3.	2023_ PWDRB_ 304134_1	हरदा	प्लान	हरदा मगरधा मार्ग का निर्माण कार्य लं. 8.00 कि.मी.।	द्वितीय	1081.63	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
				योग -		**3341.98**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 27.09.2023 (17.30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता

जी-19874/49091/2023 **लोक निर्माण विभाग, भोपाल परिक्षेत्र भोपाल**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग शिवपुरी (म.प्र.) पिन 473551

Email : eeresshivpuri@mp.gov.in

क्रमांक/3835/ग्रायांसे/ई-निविदा/2023 **शिवपुरी, दिनांक : 14.05.2023**

संक्षिप्त ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक - 21/EERESSHIV/2023-24

निम्नलिखित कार्यों हेतु मध्यप्रदेश सरकार के केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत अथवा अन्य समकक्ष समतुल्य श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा की दर असूसूची दिनांक 11.04.2022 एवं निविदा आमंत्रण दिनांक तक संशोधित प्रतिशत दर पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र.	ग्रायांसेवा संभागीय कार्यालय	कार्यों का संक्षिप्त नाम/प्रकार	सिस्टम टेण्डर नंबर	कार्यों की अनु. लागत (रु. लाख में)
1.	शिवपुरी	वाटर हार्वेस्टिंग टैंक का सुरक्षा कार्य सर्वे क्र. 300 विखं शिवपुरी पिन-473551	2023_RES_ 307867	11.52
2.	शिवपुरी	वाटर हार्वेस्टिंग टैंक का सुरक्षा कार्य सर्वे क्र. 301 विखं शिवपुरी पिन-473551	2023_RES_ 307868	17.28
3.	शिवपुरी	चैकडेम निर्माण मझेरा ग्रा.पं. मझेरा सर्वे नं. 3007 विखं शिवपुरी पिन-473551	2023_RES_ 307870	08.84
4.	शिवपुरी	सामुदायिक भवन निर्माण कार्य ग्राम दुल्हई विखं पिछोर पिन-473995	2023_RES_ 308275	10.72
		कुल योग -		**48.36**

1. विस्तृत निविदा सूचना विवरण वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। 2. निविदा प्रपत्र दि. 20.09.2023 समय 10.30 AM से **दि. 29.09.2023** समय 5.30 PM तक केवल ऑनलाइन क्रय एवं सबमिट किए जा सकेंगे। 3. यदि निविदा में कोई संशोधन किया जाता है तो सिर्फ **https://www.mptenders.gov.in** पर ही Publish किया जावेगा, समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-19915/49093/2023 **ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग शिवपुरी**

कार्यालय अधीक्षण यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
भोपाल मंडल भोपाल पुराना सचिवालय भोपाल

दूरभाष 0755-2738774, E-Mail ID - scresbhopal@mp.gov.in

निविदा विज्ञप्ति क्र. - 07/2023-24

क्रमांक 1884 **दिनांक : 15.09.2023**

मंडल अंतर्गत निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	ग्रायांसे संभागीय कार्यालय	सिस्टम टेण्डर नंबर	आमंत्रण का क्रम	कार्य का नाम	निर्माण कार्यों की अनु. लागत (लाख में)
01	भोपाल	2023_RES_ 307911_1	प्रथम	ई.टी.सी. परिसर बरखेड़ीकला भोपाल से मेस निर्माण कार्य।	37.32
02	भोपाल	2023_RES_ 307914_1	प्रथम	मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजनांतर्गत स्लेव कल्वर्ट निर्माण कार्य नजीराबाद मेन रोड से खेजड़ाघाट एवं 04 व्ही.सी.डब्ल्यू. निर्माण कार्य मेनरोड सूरजपुरा से उमरिया विकासखण्ड बैरसिया जिला भोपाल।	109.29
03	भोपाल	2023_RES_ 307916_1	प्रथम	ग्राम मेंडोरा जनपद पंचायत फंदा के अपशिष्ट जल (ग्रे वाटर) के व्यवस्थित निपटान हेतु 35 केएलडी डी-वाट्स संरचना निर्माण एवं 70 केएलडी डी-वाट्स संरचना निर्माण कार्य।	33.53

उपरोक्त निविदाओं के निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर ऑनलाइन भुगतानकर क्रय किये जा सकेंगे। ऑनलाइन निविदा प्रपत्र क्रय प्रारंभ करने की तिथि 20.09.2023 समय 18.00 बजे है। निविदा (बिड) प्रपत्र प्रस्तुत करने का **अंतिम दिनांक 30.09.2023** समय 18.00 बजे तक है। विस्तृत निविदा सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। संशोधन संबंधी सूचनाएं केवल वेबसाइट पर दी जावेंगी। पृथक से प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

अधीक्षण यंत्री

जी-19918/49094/2023 **ग्रामीण यांत्रिकी सेवा भोपाल मण्डल भोपाल**

संचालनालय आयुष, म.प्र.
(भू-तल "डी" विंग, सतपुड़ा भवन, भोपाल-462004)

www.ayush.mp.gov.in, E-mail : jdayush@mp.gov.in
Office - (0755) 2552911, Fax - (0755) 2760225

दिनांक : 15.09.2023

विज्ञप्ति
स्नातक प्रथम चरण काउंसिलिंग कार्यक्रम (स्टेट कोटा)
बी.ए.एम.एस./बी.एच.एम.एस./बी.यू.एम.एस./बी.एन.वाय.एस.

म.प्र. आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं यूनानी स्नातक पाठ्यक्रम प्रवेश नियम-2023 तथा म.प्र. प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग स्नातक पाठ्यक्रम प्रवेश नियम-2023 के अनुक्रम में भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग/राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग/म.प्र. शासन, आयुष विभाग से प्रवेशानुमति प्राप्त शासकीय स्वशासी एवं निजी आयुर्वेद/होम्योपैथी/यूनानी/प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान महाविद्यालयों में प्रवेश की कार्यवाही एम.पी. ऑनलाइन के माध्यम से संपन्न कराई जावेगी।
प्रवेश काउंसिलिंग के अंतर्गत प्रथम चरण का कार्यक्रम निम्नानुसार है :-

क्र.	विवरण	दिनांक एवं समय
1.	पंजीयन	दिनांक 20.09.2023 से 26.09.2023 रात्रि 11.59 बजे तक
2.	अभिलेख सत्यापन	दिनांक 21.09.2023 से 27.09.2023 सायं 05 बजे तक
3.	रिक्त सीटों की स्थिति	दिनांक 27.09.2023
4.	मैरिट सूची का प्रकाशन	दिनांक 29.09.2023
5.	अभ्यर्थी द्वारा महाविद्यालयों की प्राथमिकता क्रम का निर्धारण (च्वाईस फीलिंग, लॉकिंग तथा रेडिट)	दिनांक 29.09.2023 से 02.10.2023 रात्रि 11.59 बजे तक
6.	सीट आवंटन	दिनांक 05.10.2023
7.	महाविद्यालय में औपचारिकताएं पूर्ण कर अस्थाई प्रवेश प्राप्त करने की तिथि	दिनांक 06.10.2023 से 09.10.2023 सायं 05 बजे तक
8.	प्रवेश निरस्तीकरण	दिनांक 06.10.2023 से 09.10.2023 सायं 06 बजे तक

नोट :– 1. प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थी उक्त प्रकाशित ऑनलाइन काउंसिलिंग कार्यक्रम अनुसार ऑनलाइन प्रवेश का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। 2. पंजीयन उपरान्त अभ्यर्थियों को प्रदेश के शासकीय स्वशासी आयुर्वेद/होम्योपैथी/यूनानी महाविद्यालय में अपने अभिलेखों का सत्यापन कराना अनिवार्य होगा। 3. उपरोक्त काउंसिलिंग प्रक्रिया अंतर्गत भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग/राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग, नई दिल्ली/म.प्र. शासन, आयुष विभाग से प्रवेशानुमति प्राप्त शासकीय स्वशासी एवं निजी आयुर्वेद/होम्योपैथी/यूनानी/प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान महाविद्यालयों को सम्मिलित किया जायेगा। 4. भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग/राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग, नई दिल्ली/म.प्र. शासन, आयुष विभा से प्रवेशानुमति हेतु लंबित शासकीय स्वशासी/निजी आयुष महाविद्यालयों को प्रवेशानुमति प्राप्त होने के उपरान्त ही प्रवेश काउंसिलिंग प्रक्रिय में सम्मिलित किया जायेगा। 5. नियम/निर्देशों हेतु विभागीय वेबसाइट **www.ayush.mp.gov.in** एवं एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल **www.ayush.mponline.gov.in** का सतत अवलोकन करते रहें।

प्र. संयुक्त संचालक
संचालनालय आयुष म.प्र.

जी-19944/49096/2023

कार्यालय मध्यप्रदेश कार्य गुणवत्ता परिषद
(सामान्य प्रशासन विभाग)
41, प्रशासनिक परिक्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल, मध्यप्रदेश 462011

फोन - 2554330/2920285, Email - mpwqc2022gmail.com

क्र. 144/भण्डार/नि.आ.क्र.03/मप्रकागुप/2023/1159 भोपाल, दिनांक : 20.09.2023

निविदा आमंत्रण

कार्यालय मध्यप्रदेश कार्य गुणवत्ता परिषद 41, शिल्प भवन, अरेरा हिल्स, मध्यप्रदेश भोपाल हेतु निर्माण कार्यों के निरीक्षण, जांच एवं कार्यालयीन शासकीय कार्य हेतु नियमानुसार पंजीकृत फर्मों/सेवा प्रदाताओं से क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में टैक्सी कोटे में रजिस्टर्ड वातानुकूलित वाहन, मासिक दर के आधार पर किराए से लिये जाने हेतु मुहरबंद निविदाएं निर्धारित प्रपत्र में आमंत्रित की जाती हैं। निविदा आमंत्रण में समस्त दरें वाहन किराया में ईंधन सहित/रहित तथा चालक का वेतन, वाहन का संधारण एवं अन्य समस्त शासकीय करों को सम्मिलित कर प्रत्येक श्रेणी हेतु पृथक-पृथक दरें प्राप्त की जावें। विवरण निम्नानुसार है :-

स. क्र.	वाहन का प्रकार	वाहन संख्या	कार्य की अनुमानित लागत (वार्षिक) रु.	निविदा प्रतिभूति राशि रु.	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	अनुबंध अवधि	वाहन मुख्यालय	रिमार्क
1.	इनोवा क्रिस्टा/ समकक्ष वाहन मूल्य 15-25 लाख वातानुकूलित	02	48,00,000/- (अड़तालीस लाख)	1,44,000/- (एक लाख चवालीस हजार)	2000/- (दो हजार)	अनुबंध दिनांक से एक वर्ष तक	कार्यालय मध्यप्रदेश कार्य गुणवत्ता परिषद 41 शिल्प भवन, अरेरा हिल्स भोपाल	वाहनों की संख्या एवं प्रकार (varient) में आवश्यकतानुसार परिवर्तन किया जा सकेगा, किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी।
2.	स्कार्पियो/समकक्ष वाहन मूल्य 09-15 लाख वातानुकूलित	03						
3.	स्विफ्ट डिजायर/ समकक्ष वाहन मूल्य 06-09 लाख वातानुकूलित	06						

1. निविदा प्रपत्र **दिनांक 20.09.2023 से 03.10.2023 तक** विक्रय के लिए एम.पी. टेण्डर्स के ई-पोर्टल पर उपलब्ध रहेंगे।
2. ऑनलाइन निविदायें दिनांक 03.10.2023 को अपरान्ह 03.00 बजे तक ऑनलाइन जमा की जा सकेगी एवं दिनांक **04.10.2023** को अपरान्ह 03.30 बजे इस कार्यालय में कार्यालयीन निविदा मूल्यांकन समिति एवं उपस्थित निविदाकारों के समक्ष मध्यप्रदेश कार्य गुणवत्ता परिषद के कार्यालय में खोली जावेंगी। प्रत्येक निविदाकार का एक प्रतिनिधि ही उपस्थित हो सकेंगे।
3. सीमित निविदायें प्राप्त होने पर, समान न्यूनतम दर प्राप्त होना अथवा उचित दर वाली निविदा प्राप्त नहीं होने की दशा में पुनः निविदायें आमंत्रित किया जाना अथवा आमंत्रित नहीं किये जाने संबंधित समस्त अधिकारी महानिदेशक, मध्यप्रदेश कार्य गुणवत्ता परिषद भोपाल के पास सुरक्षित होंगे।
4. निविदा वाहन का पंजीयन एवं वाहन का टैक्सी कोटे में पंजीयन इनोवा क्रिस्टा/समकक्ष वाहन/मूल्य 15-25 लाख, स्कार्पियो/समकक्ष वाहन/मूल्य 09-15 लाख एवं स्विफ्ट डिजायर/समकक्ष वाहन/मूल्य 06-09 लाख वाहन दिनांक 01.04.2021 या इसके पश्चात का ही मान्य होगा।
5. अन्य निविदा शर्तें निविदा पत्र के साथ संलग्न होगी।

मुख्य महाप्रबंधक
कार्यालय मध्यप्रदेश कार्य गुणवत्ता परिषद भोपाल

जी-19985/49099/2023

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग हरदा, (म.प्र.)

क्रमांक 1236/व.ले.लि./2023-24 दिनांक : 15.09.2023

निविदा सूचना

म.प्र. राज्यपाल की ओर से पंजीकृत ट्रेवल एजेन्ट्स/निवेशकर्ताओं से कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग, हरदा के अंतर्गत निम्न प्रकार के वाहन शासकीय निर्माण कार्यों के निरीक्षण हेतु मासिक दर पर लेने हेतु मुहरबंद निविदा दिनांक 26.09.2023 को सायं 5.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है।
निविदा के साथ रु. 25000/- की अमानत राशि कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग हरदा के नाम से देय होगी। विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	वाहन का प्रकार	धरोहर राशि	मॉडल वर्ष	वाहन जहां उपयोग में लिया जाना है।
1.	स्कार्पियों वाहन 01 नग	25000/- प्रति वाहन	11/2020 या इसके पश्चात	संभाग
2.	बोलेरो वाहन 01 नग	20000/- प्रति वाहन		उपसंभाग

जिन ट्रेवल एजेंट्स/निवेशकर्ता के पास उपरोक्तानुसार वाहन टैक्सी कोटे में रजिस्ट्रेशन हो। जो ट्रेवल एजेंट्स/निवेशकर्ता पन्द्रह दिन में रजिस्ट्रेशन का एफिडेविट प्रस्तुत कर देंगे वे आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।
निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालयीन समय में दि. 25.09.2023 तक आवश्यक दस्तावेज के परीक्षण कराने के उपरांत रु. 1000/- नगद जमा कर प्राप्त किए जा सकते हैं। डाक से निविदा प्राप्त करने हेतु रु. 200/- अतिरिक्त देय होंगे। डाक द्वारा विलम्ब से निविदा प्राप्त होने की जवाबदारी विभाग की नहीं होगी।
निविदा **दिनांक 27.09.2023** को 3.00 बजे इच्छुक निविदाकारों के समक्ष खोली जावेगी।
निविदा संबंधी विस्तृत विवरण व शर्तें किसी भी कार्यालयीन दिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं।

कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग हरदा

जी-19929/49095/2023

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग संभाग मुरैना
सूबात रोड, मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक 3404-05/निविदा/नि.सू.क. 18/2023-24 मुरैना, दिनांक : 14.09.2023

निविदा विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदारों से मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु सड़क एवं पुल कार्यों की दर अनुसूची प्रभावशील दिनांक 25.03.2022 पर निविदा आमंत्रण सूचना जारी होने के दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित ई-टेण्डरिंग पद्धति द्वारा ऑनलाइन निविदाएं ई.पी.सी. मोड कॉन्ट्रेक्ट में निहित शर्तों के अनुरूप आमंत्रित की जाती हैं, जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं कार्यों का विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती हैं। वेबसाइट पर होने वाली तकनीकी समस्याओं हेतु विभाग जिम्मेदार नहीं होगा।

टेण्डर आई.डी. क्र.	कार्य का नाम	अनुमा. लागत मय जी.एस.टी. (रुपयों में)	अर्नेस्ट मनी डिपोजिट (रुपयों में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
2023_PWDRB_308132	निर्माण कार्य सेमई मार्ग लंबाई 25.55 कि.मी. अंतर्गत विजयपुर (सी.आर.एफ. योजना ई.पी.सी. मोड कॉन्ट्रेक्ट)	481176000/- (अड़तालीस करोड़ ग्यारह लाख छिहत्तर हजार)	4811760/-	59000/- + Portal Charges	18 माह वर्षाकाल सहित
	योग - 01 कार्य	**481176000/- (अड़तालीस करोड़ ग्यारह लाख छिहत्तर हजार)**			

1. ऑनलाइन टेण्डर पब्लिश दिनांक - 15.09.2023 समय 10.30 बजे
2. निविदा प्रपत्र डाउनलोड/विक्रय प्रारंभ दिनांक - 15.09.2023 समय 10.30 बजे से
3. निविदा प्रपत्र डाउनलोड/विक्रय अंतिम दिनांक - **03.10.2023 समय 17.3 जे तक**
4. ऑनलाइन बिड सबमिशन का प्रारंभ दिनांक - 15.09.2023 समय 10.30 बजे तक
5. प्री-बिड मीटिंग - 29.09.2023 समय 15.30 बजे
6. ऑनलाइन बिड सबमिशन का अंतिम दिनांक - 03.10.2023 समय 17.30 बजे तक
7. बिड ओपनिंग दिनांक - 05.10.2023 समय 10.30 बजे

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे। निविदा के दस्तावेज ऑनलाइन वेबसाइट पर ही जमा होंगे, विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभा संभाग मुरैना
फोन नं. : 07532-226361

जी-20056/49115/2023

जनसम्पर्क मंत्री ने हायर सेकण्डरी स्कूल करहिया के नवीन भवन का लोकार्पण किया

रीवा, जनम्पर्क एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा के करहिया नम्बर-1 में हायर सेकण्डरी स्कूल के एक करोड़ रुपये के नवीन भवन का लोकार्पण किया। जनसंपर्क मंत्री ने कहा कि नवीन भवन से विद्यार्थियों को शिक्षा की बेहतर सुविधा मिलेगी। करहिया में जल जीवन मिशन में 4 करोड़ की लागत की नल-जल योजना का कार्य लगभग पूरा हो गया है। श्री शुक्ल ने विभागीय शेष कार्य 10 दिनों में पूर्ण कर हर घर में जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जनसंपर्क मंत्री ने कहा कि जल-जीवन मिशन से रीवा जिले के 1800 गांवों में पेयजल की सुविधा देने के लिए बाणसागर-दो समूह नल-जल योजना तथा टमस समूह नल-जल योजना का कार्य तेजी से किया जा रहा है। दोनों योजनाओं के पूर्ण होते ही पूरे क्षेत्र में मीठा पानी उपलब्ध होगा।

श्री शुक्ल ने कहा कि सरकार ने हमेशा गरीबों के कल्याण की चिंता की है। शासन की योजनाओं का लाभ लेकर लाखों परिवारों का जीवन बेहतर हुआ है। लाड़ली लक्ष्मी, लाड़ली बहना तथा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना ने महिला सशक्तिकरण की नई इबारत लिखी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उड़ान योजना से गरीबों का हवाई जहाज से यात्रा का सपना साकार किया है। रीवा में हवाई अड्डे का तेजी से निर्माण किया जा रहा है।

कार्यक्रम में श्री शुक्ल ने लाड़ली बहना तथा उज्ज्वला योजना की पाँच हितग्राही बहनों को गैस कनेक्शन के फार्म भरवाए। कार्यक्रम में ग्राम करहिया नम्बर-1 की निवासी श्रीमती उमा साकेत, श्रीमती वेनीता कुशवाहा, श्रीमती अर्चना साकेत, श्रीमती काजल कुशवाहा तथा महिमा साकेत के लाड़ली बहना योजना फार्म भरवाए गए।

जल प्रदाय योजना से जुड़े कार्यों का समय में किया जाए क्रियान्वयन

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी के संचालक मंडल की बैठक हुई। बैठक में खनिज साधन एवं श्रम मंत्री श्री बृजेंद्र प्रताप सिंह, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के विभिन्न प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई।

मुख्यमंत्री ने कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विभिन्न नगरीय निकायों में संचालित जल प्रदाय योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। स्वच्छता के क्षेत्र में प्रदेश की अग्रणी स्थिति के लिए उन्होंने विभाग के अधिकारियों को बधाई दी। बैठक में बताया गया कि आगामी 27 सितंबर को इंदौर में पुरस्कार कार्यक्रम प्रस्तावित है। बैठक में मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना, मऊगंज जलप्रदाय परियोजना, पेटलावद जलप्रदाय परियोजना, खरगोन जलप्रदाय परियोजना, मिनी स्मार्ट सिटी परियोजना, सीधी सहित अन्य विषयों पर चर्चा हुई।

धरमपुरी में शत-प्रतिशत नल कनेक्शन

बैठक में बताया गया कि धरमपुरी की नल-जल योजना को पुरस्कार मिला है। धरमपुरी में शत-प्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन हो चुके हैं। धरमपुरी की संपूर्ण आबादी लाभान्वित हो रही है।

मध्यप्रदेश में प्रारंभिक शिक्षा के लिए संचालित छात्रावासों की रैंकिंग में सीहोर जिला अव्वल

भोपाल, राज्य शिक्षा केंद्र, स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा यूट्यूब लाइव कार्यक्रम में प्रदेश में प्रारंभिक शिक्षा के लिए संचालित छात्रावासों की सत्र 2022-23 की रैंकिंग जारी की गई। जिसमें सीहोर जिले ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, वहीं अलीराजपुर जिले के ग्राम जोहट का कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, छात्रावास प्रथम स्थान पर है।

संचालक, राज्य शिक्षा केंद्र श्री धनराजू एस ने बताया कि छात्रावासों के शैक्षिक प्रदर्शन को बेहतर बनाना शासन की प्राथमिकता है। इस रैंकिंग प्रणाली को विकसित करने का मुख्य उद्देश्य रहवासी सुविधाओं के साथ छात्रावासों में अध्ययन-अध्यापन की बेहतर व्यवस्थाओं हेतु स्वस्थ प्रतिस्पर्धा जागृत करना है।

श्री धनराजू ने बताया कि छात्रावासों के प्रदर्शन एवं कार्यक्षमता के मानकों पर रैंकिंग जारी की गई है। रैंकिंग में स्वीकृत छात्रावासों की कार्यक्षमता के लिए 20 अंक, स्वीकृत सीटों पर नामांकन के लिए 20 अंक, छात्रावासी बच्चों के राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति में प्रदर्शन के लिए 20 अंक, ओलिंपियाड में प्रदर्शन के लिए 20 अंक एवं वार्षिक परीक्षा परिणाम के लिए 20 अंक निर्धारित किए गए हैं।

कार्यक्षमता एवं प्रदर्शन के आधार पर जारी रैंकिंग के अनुसार सीहोर जिले ने प्रदेश भर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, वहीं रायसेन, देवास, डिंडोरी, मंडला, छिंदवाड़ा, अलीराजपुर, बड़वानी, इंदौर एवं धार शीर्ष दस जिलों में हैं।

जनजातीय मंत्री ने वितरित की हितग्राहियों को सामग्री

उमरिया, जनजातीय कार्य मंत्री सुश्री मीना सिंह ने उमरिया जिले के नगर परिषद मानपुर में हितग्राहियों को सामग्री और स्वीकृति-पत्र वितरित किए। उन्होंने मुख्यमंत्री भू-आवासीय योजना के अंतर्गत 220 आवासीय पट्टे, मुख्यमंत्री चरण पादुका योजना में तेंदूपत्ता संग्राहकों को जूते-चप्पल, साड़ी और पानी की बोतल वितरित कीं।

सुश्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिलाओं के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। महिलाओं को जीवन सुखमय हो गया है।

प्रदेश की विभूतियों को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार

नई दिल्ली, उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने मध्यप्रदेश की तीन विभूतियों को प्रदर्शन कला के क्षेत्र में आजीवन योगदान के लिए संगीत नाटक अकादमी अमृत पुरस्कार प्रदान किया। विज्ञान भवन में आयोजित अलंकरण समारोह में श्री किरण सदाशिव देशपांडे को वाद्य संगीत के क्षेत्र में, श्री चुन्नीलाल रैकवार को लोक संगीत के क्षेत्र में और श्री भगवतीलाल राजपुरोहित को प्रदर्शन कला में विद्वत्ता के लिए सम्मानित किया गया। उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ ने विजेताओं को ताम्र-पत्र देकर सम्मानित किया।

श्री किरण सदाशिव देशपांडे को हिंदुस्तानी वाद्य संगीत श्रेणी में तबला वादन में विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इनका संबंध दिल्ली, फरुखाबाद और अजराड़ा घराने से है। श्री देशपांडे ने जबलपुर के भातखंडे संगीत महाविद्यालय में तबला शिक्षक और व्याख्याता के रूप में काम किया है।

श्री चुन्नीलाल रैकवार को बुंदेली लोक संगीत में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इन्होंने गायक और संगीतकार के रूप में अपने रचनात्मक प्रयास से बुंदेलखंड क्षेत्र की ढिमरयाई परंपरा को आगे बढ़ाया है।

श्री भगवतीलाल राजपुरोहित को भारतीय रंगमंच में विद्वत्ता के लिए सम्मानित किया गया। इन्होंने 'मालवी संस्कृति और साहित्य' सहित 100 से अधिक पुस्तकों और 50 से अधिक नाटकों की रचना की है। इनके नाटक 'कालिदास चरित्रम' का संस्कृत, हिंदी और मालवी में मंचन हुआ है।

श्री हीरा सिंह बोरलिया को मालवी लोक संगीत में योगदान के लिए पुरस्कार प्राप्त हुआ है। वे उज्जैन के माधव संगीत महाविद्यालय में संगीत शिक्षक और आकाशवाणी में कलाकार और ऑडिशन समिति के सदस्य रहे हैं।

पीएम विश्वकर्मा योजना का शुभारंभ

शिल्पकारों, कारीगरों और कामगारों के हुनर को मिलेगा प्रोत्साहन - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान पीएम विश्वकर्मा योजना के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में पीएम विश्वकर्मा योजना के शुभारंभ अवसर पर मध्यप्रदेश की कुम्हार श्रीमती अनीता प्रजापति का सम्मान किया। प्रधानमंत्री ने इंटरनेशनल एग्जीबिशन सेंटर यशोभूमि का लोकार्पण भी किया। प्रधानमंत्री ने पीएम विश्वकर्मा योजना की टैग लाइन, प्रतीक-चिन्ह और पोर्टल को लॉन्च किया तथा कारीगरी की 18 विधाओं पर केंद्रित 18 डाक टिकटों और टूल-किट बुकलेट का विमोचन किया। प्रधानमंत्री के जन्म-दिवस पर हुए इस भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल से वर्चुअली शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के सभी कारीगर भाई हमारे लिए आधुनिक विश्वकर्मा हैं। कारीगर भाइयों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का क्रियान्वयन आरंभ किया है। योजना से देश के कौशल तंत्र को राष्ट्र के कारीगरों की जरूरत के अनुरूप ढालने का काम चल रहा है। इस योजना से हमारे कारीगर अपनी स्किल को स्केल कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के आईटीआई विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे भी आधुनिक विश्वकर्मा हैं।

- **प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत शिल्पकारों और कारीगरों का कौशल सत्यापन कर प्रशिक्षण दिया जायेगा।**
- **इन शिल्पकारों और कारीगरों को स्वरोज़गार के लिए ऋण उपलब्ध कराया जायेगा।**

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना

इस योजना से देश के कौशल-तंत्र को राष्ट्र के कारीगरों की जरूरतों के अनुरूप ढाला जा रहा है। योजना का लाभ उठाकर परंपरागत कारीगर अपनी स्किल को स्केल दे पाएंगे। योजना से हर जिले के कुशल कारीगरों और कामगारों को प्रशिक्षण एवं आर्थिक सहायता देकर, उनके हुनर, कला और प्रतिभा को राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया जायेगा। योजना में जिला स्तर पर बढ़ई, लोहार, सुनार जैसे शिल्पकारों और कारीगरों का कौशल सत्यापन किया जाएगा। आवश्यकतानुरूप इन्हें प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। प्रशिक्षण में हर दिन 500 रुपये का स्टाइपेंड मिलेगा। प्रशिक्षण एवं कौशल सत्यापन के बाद इन्हें पीएम विश्वकर्मा प्रमाण-पत्र दिया जाएगा।

अमरपाटन और रामनगर में बनेंगे किसान भवन

सतना, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री श्री रामखेलावन पटेल ने कहा कि रामनगर और अमरपाटन में जल्द ही किसान भवन बनेंगे। इन भवनों में किसान एक साथ बैठकर चर्चा कर सकेंगे। श्री पटेल ने सतना जिले के अमरपाटन में एक करोड़ रुपये से अधिक लागत से बनने वाले कृषि गोदाम का भूमिपूजन किया। श्री पटेल ने कहा कि अमरपाटन क्षेत्र में बांधों और सिंचाई परियोजना के कार्यों से अमरपाटन और रामनगर क्षेत्र के हर खेत में पानी पहुंचेगा। राज्य सरकार पूरी प्राथमिकता के साथ किसानों के हितों में कार्य कर रही है।

किसानों की फसल क्षति का सर्वे करवाकर नुकसान की भरपाई की जाएगी - मुख्यमंत्री

सीहोर, जिन किसानों की फसल क्षति हुई है, उनका सर्वे कराकर बीमा कम्पनी और सरकार नुकसान की भरपाई करेगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सीहोर जिले के अमलाहा में एक कार्यक्रम में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान भाई चिंता न करें। उन्होंने कहा कि पहले पानी की कमी से किसानों की फसल खराब हो जाती थी और किसानों की लागत तक नहीं निकल पाती थी। गांव-गांव में पाइप-लाइन के माध्यम से नर्मदा का पानी पहुंचाया जा रहा है, जिससे किसान पर्याप्त मात्रा में खेतों में सिंचाई कर सकें और फसल का उत्पादन अच्छा हो सके।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान अमलाहा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए

श्री चौहान ने कहा कि बहनों के जीवन में लाड़ली बहना योजना उजियारा बनकर आई है। आज मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना से बहनें अपने साथ-साथ अपने बच्चों और परिवार की छोटी-छोटी आवश्यकताओं को पूरा कर रही हैं।

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश को अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाकर खड़ा किया है।

मालवा और निमाड़ क्षेत्र में सौर ऊर्जा बनाने वालों की संख्या 9200 के पार

भोपाल, मालवा क्षेत्र में नवकरणीय ऊर्जा में रूफ टॉप सोलर नेट मीटर को अपनाने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। मालवा में 8500 से ज्यादा स्थानों पर सूरज की किरणों से पैनल्स के जरिये और निमाड़ में करीब 700 परिसरों में सौर ऊर्जा से बिजली बन रही है इस तरह 9200 से ज्यादा स्थानों पर अभी सूरज की किरणों से बिजली बन रही है और रोज ही सूरज से बिजली बनाने वालों की संख्या बढ़ रही है।

पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर ने बताया कि निम्न दाब कनेक्शन वाले 8850 एवं उच्च दाब वाले 350 से ज्यादा परिसरों में पैनल लगाकर सूरज की किरणों से बिजली बनायी जा रही है। जुलाई एवं अगस्त में बारिश के दिनों में भी इन सभी स्थानों पर बिजली बनी है। इस तरह ये सौर पैनल वर्षभर बिजली दे रहे हैं। इंदौर जिले में कुल 5900 स्थानों पर सूरज से बिजली बन रही है। सबसे ज्यादा पैनल इंदौर शहर एवं शहर से लगे सुपर कारिडोर, बायपास में लगे हैं। उज्जैन जिले में करीब 1200 स्थानों पर, रतलाम जिले में 395, खरगोन जिले में 310, धार में 290 और नीमच जिले में 225 स्थानों पर नेट मीटर लगे हैं।

सोलर पैनल लगाने वाले पात्र उपभोक्ताओं को केंद्र सरकार की ओर से सब्सिडी भी दी जाती है। नेशनल पोर्टल से यह सब्सिडी सीधे ही पैनल लगाने वाले मौजूदा बिजली उपभोक्ता के बैंक खाते में पहुंचती है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह का बलिदान है अविस्मरणीय - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जबलपुर में जनजातीय नायकों के बलिदान दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

जबलपुर, अमर क्रांतिकारी राजा शंकर शाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह ने अंग्रेजों की गुलामी को स्वीकार नहीं किया और उनके खिलाफ संघर्ष का बिगुल फूंका। उनके इसी शौर्य एवं पराक्रम से भयभीत होकर अंग्रेजों ने उन्हें तोप के मुंह के सामने रखकर उड़ा दिया। राजा शंकर शाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदानों को भुलाया नहीं जा सकता। ये वीर सदैव हमारे लिये प्रेरणा का स्रोत रहेंगे। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जबलपुर प्रवास के दौरान वेटनरी ग्राउंड में आयोजित 1857 की क्रान्ति के जनजातीय नायक राजा शंकर शाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस पर संबोधित करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 5 अक्टूबर को रानी दुर्गावती के 500वें जन्मदिवस पर मदन महल की जमीन पर

- **प्रदेश में आदिवासी समाज को मुख्य धारा में लाकर उनका सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण किया जा रहा है।**
- **पेसा अधिनियम के जरिए 89 जनजातीय विकासखंडों को दिये गए जल, जंगल, जमीन पर सशक्त अधिकार।**

100 करोड़ रुपये की लागत से भव्य स्मारक का भूमिपूजन किया जायेगा। यह भव्य स्मारक रानी दुर्गावती के शौर्य, वीरता, सेवा, सुशासन एवं गौरव का प्रतीक होगा तथा युगों-युगों तक रानी की स्मृति को जीवन्त रखेगा।

श्री चौहान ने कहा कि जनजातीय नायकों के बलिदानों को स्मरण करने के लिये प्रतिवर्ष प्रदेश शासन द्वारा 18 सितम्बर को शहीद दिवस का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पूर्व वर्ष में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के आतिथ्य में जबलपुर में ही आयोजित हुए शहीद दिवस कार्यक्रम में गरीब आदिवासी वर्ग के लिये की गई सभी 14 घोषणायें पूर्ण कर ली गई हैं। इन घोषणाओं के पूर्ण हो जाने से प्रदेश के आदिवासी भाई-बहन समाज की मुख्य धारा से जुड़ रहे हैं तथा इनका सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने गोंड साम्राज्य की शासिका वीरांगना रानी दुर्गावती की शौर्य गाथा का उल्लेख करते हुए बताया कि रानी दुर्गावती ने अपने शौर्य और सामर्थ्य से एक विशाल साम्राज्य की स्थापना की थी, जिसमें मदन-महल, गढ़ा मंडला, सिंग्रामपुर शामिल है। उन्होंने मुगल शासक अकबर से भी वीरतापूर्वक लड़ाई लड़ी और अपने प्राणों की आहुति दी, पर मुगलों की अधीनता स्वीकार नहीं की।

सागर जिले के सुरखी में महाविद्यालय प्रारंभ किया जायेगा

सागर, सागर जिले के सुरखी में शासकीय महाविद्यालय प्रारंभ किया जाएगा। मध्यप्रदेश सरकार किसानों, गृहणियों और विद्यार्थियों के हित में निरंतर कार्य कर रही है। जहां किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण सुविधा और किसान सम्मान निधि का लाभ दिलवाया जा रहा है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सागर जिले के सुरखी में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हायर सेकेण्डरी में सबसे अधिक अंक लाने वाले एक बेटे और एक बेटी को स्कूटी प्रदान करने, 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप की राशि और 6वीं और 9वीं में सायकिल के लिए 4 हजार 500 रुपये की राशि उपलब्ध करवाई जा रही है। गरीब परिवारों के हित में निःशुल्क राशन और आयुष्मान कार्ड के माध्यम से उपचार की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। प्रधानमंत्री ने निर्धनों के कल्याण के लिए कोई कसर बाकी नहीं रखी है। मध्यप्रदेश सरकार जनहित में सभी बुनियादी आवश्यकताओं की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है।

श्री चौहान ने कहा कि जिन परिवारों का विस्तार हुआ है और उन्हें रहने के लिए अपनी भूमि नहीं है, उन्हें नई आवास योजना से लाभान्वित किया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना और आवास प्लस का लाभ लेने से शेष रह गए परिवारों को नई योजना का लाभ मिलेगा। प्रत्येक परिवार को अपना भू-खंड मिलेगा। मुख्यमंत्री भू-आवासीय अधिकार योजना के द्वारा हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया है।

ग्रामीण आजीविका मिशन की मदद से मजदूरी करने वाली सविता सफल व्यवसायी बनीं

रतलाम, रतलाम जिले की सविता चौहान राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मदद से सफल व्यवसायी बन गई हैं। उनकी इस सफलता से अब क्षेत्र की अन्य महिलाएं भी प्रेरणा ले रही हैं।

रतलाम से 20 किलोमीटर दूर कलोरीखुर्द गांव की रहने वाली सविता चौहान पहले मजदूरी करती थीं। ग्रामीण आजीविका मिशन के महिला स्व-सहायता समूह की जानकारी मिलने पर वे भी समूह की महिलाओं के साथ जुड़ गईं शुरुआत में सविता ने छोटी बचत करना शुरू की। इसके बाद सविता और उनके समूह की महिलाओं को अचार बनाने की ट्रेनिंग दिलाई गई। सविता ने एक लाख रुपये का लोन लिया और अचार बनाने का काम शुरू किया। इस वर्ष उनके समूह को 50 किलोग्राम अचार बनाने का ऑर्डर मिला है। पिछले वर्ष सविता ने 2 क्विंटल आम, 50 किलोग्राम लहसुन, 10 किलोग्राम नींबू और 5 किलोग्राम मिर्च का अचार विक्रय किया। उनका समूह लगातार प्रगति कर रहा है। कक्षा आठवीं तक पढ़ी सविता चौहान आगे भी पढ़ने की इच्छा रखती हैं। उनके 2 बच्चे अच्छे स्कूल में पढ़ाई कर रहे हैं। सविता ने अचार व्यवसाय के लिये मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का सहारा लेकर अब 2 लाख रुपये का व्यक्तिगत ऋण भी प्राप्त कर घर पर ही किराना की छोटी दुकान भी खोल रखी है। उनके पति जो पहले मजदूरी किया करते थे, उनका भी भवन निर्माण में सेंटरिंग का काम शुरू हो गया है।

मंत्रिपरिषद के निर्णय

मुख्यमंत्री कृषक मित्र योजना का किया गया अनुमोदन

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक मुख्यमंत्री निवास 'समत्व भवन' में सम्पन्न हुई। मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य में कृषक/कृषकों के समूह को 3 हार्सपावर या अधिक क्षमता के स्थायी कृषि पंप कनेक्शन प्रदान करने के लिये 'मुख्यमंत्री कृषक मित्र योजना' का अनुमोदन किया गया है। यह योजना लागू होने की तिथि से 2 वर्षों तक प्रभावशील रहेगी। प्रथम वर्ष में योजना अंतर्गत 10000 पंपों का लक्ष्य रखा गया है। योजना में कृषक/कृषकों के समूह को 3 हार्सपावर या अधिक क्षमता के स्थायी पंप कनेक्शन हेतु वितरण कंपनी द्वारा अधिकतम 200 मीटर दूरी तक 11 केव्ही लाइन का विस्तार एवं वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित किया जायेगा एवं लाइन का विस्तार केवल के माध्यम से किया जायेगा। विद्युत अधोसंरचना विकास लागत की केवल 50 प्रतिशत राशि का वहन संबंधित कृषक/कृषकों के समूह द्वारा किया जाएगा तथा शेष 40 प्रतिशत राशि का वहन राज्य शासन एवं 10 प्रतिशत राशि का वहन विद्युत वितरण कंपनी द्वारा किया जायेगा। मंत्रिपरिषद द्वारा लिए गये अन्य निर्णय इस प्रकार हैं :-

- मंत्रिपरिषद द्वारा ओंकारेश्वर में 'एकात्म धाम परियोजना' अंतर्गत आचार्य शंकर संग्रहालय 'अद्वैत लोक' एवं मांधाता पार्किंग के निर्माण के लिये राशि 1535 करोड़ 79 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। EPC-1 के लिये प्रयुक्त FIDIC डाक्यूमेंट आधारित निविदा प्रपत्र को एकात्म धाम परियोजना के अन्य चरणों में परियोजना घटकानुसार परिवर्तन कर 'Quality and Cost' आधार पर EPC मोड में निविदा आमंत्रित करने की अनुमति प्रदान की गयी।
- आदि शंकाचार्य संग्रहालय 'अद्वैत लोक' अंतर्गत निर्माण एवं संचालित की जाने वाली गतिविधियों यथा कला एवं प्रादर्शों का प्रदर्शन, नौका विहार, सृष्टि गैलरी, हाई स्क्रीन थिएटर, लाइट एवं साउंड शो इत्यादि के डिजाइन का कार्य पूर्ण होने के उपरांत इनका आयटम रेट अथवा अन्य प्रचलित मान्य पद्धति से निविदा आमंत्रित कर EPC-2 के अनुबंध में नोवेट करने की अनुमति प्रदान की गयी।
- मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदेश में आंगनवाड़ी सहायिकाओं के मासिक मानदेय की राशि 5 हजार 750 रुपये से बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये एवं मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के मासिक मानदेय को 6 हजार 500 रुपये से बढ़ाकर 7 हजार 250 रुपये किया गया है। साथ ही राज्य मंत्रिपरिषद् द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जारी विभागीय आदेश क्रमांक 2204/1462724/2023/50-2 दिनांक 10.09.2023 का अनुसमर्थन किया गया है।
- मंत्रिपरिषद द्वारा उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में स्वीकृत प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापक/क्रीड़ा अधिकारी/ग्रंथपाल के रिक्त पदों पर अध्यापन कार्य के लिये अतिथि विद्वानों की मानदेय वृद्धि को मंजूरी दी गई।
- मंत्रिपरिषद द्वारा मुरैना जिले में 100 एम.बी.बी.एस. सीट प्रवेश क्षमता के नवीन चिकित्सा महाविद्यालय स्थापित किये जाने की सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई है। चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना से क्षेत्र की जनता को तृतीयक स्तर की चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध होने के साथ-साथ प्रदेश के छात्रों के लिये चिकित्सा क्षेत्र की 100 एम.बी.बी.एस. सीट की वृद्धि होगी।
- मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदेश स्तर पर लागू ABPAS (ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान एप्रूवल सिस्टम) परियोजना अंतर्गत एबीपीएएस पोर्टल के माध्यम से दी जा रही समस्त नागरिक सेवाओं और विभागीय कार्यों को डिजिटल माध्यम से रखे जाने एवं भविष्य के लिए आवश्यकताओं के अनुरूप विस्तार करने के उद्देश्य से एबीपीएएस 3.0 के लिए पोर्टल का विकास, क्रियान्वयन एवं संचालन हेतु मंत्रिपरिषद द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है।
- प्रधानमंत्री द्वारा COP-26 में लिए गए संकल्प अनुसार वर्ष 2030 तक देश में नवकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ाकर 500 गीगावॉट करना लक्षित किया गया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में प्रदेश की सहभागिता हेतु सौर परियोजनाओं की क्षमता वृद्धि आवश्यक है।
- प्रदेश में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार की सौर ऊर्जा पार्क योजना के अंतर्गत अल्ट्रा मेगा रिन्यूएबल एनर्जी पावर पार्क मोड में स्वीकृत 1400 मेगावॉट मुरैना एनर्जी स्टोरेज आधारित हाइब्रिड पार्क के लिए रम्स सौर पार्क परियोजना विकसित किये जाने हेतु मंत्रिपरिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।
- मुरैना एनर्जी स्टोरेज आधारित हाइब्रिड परियोजना से मुरैना क्षेत्र में सामाजिक तथा आर्थिक रूप से प्रगति के अतिरिक्त राज्य को कई प्रकार के लाभ होंगे।
- ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा। मुरैना हाइब्रिड परियोजना से राज्य की डिस्कॉम को विद्युत की आपूर्ति तापीय विद्युत परियोजनाओं के समकक्ष की जा सकेगी।
- परियोजना से उत्पादित 400MW RE RTC बिजली MPPMCL द्वारा क्रय की जाएगी। परियोजना विकास के लिए 'सोलर एनर्जी कार्पोरेशन ऑफ इंडिया एवं राज्य शासन की मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम की संयुक्त कंपनी 'रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड' (रम्स) को मंत्रिपरिषद द्वारा अधिकृत किया गया।
- मंत्रिपरिषद द्वारा जनजातीय कार्य विभाग में सी.एम. राइज योजना के अंतर्गत 10 सी.एम. राइज विद्यालय भवनों के निर्माण एवं अन्य कार्य के लिये राशि 323 करोड़ 13 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की।
- मंत्रिपरिषद द्वारा मध्यप्रदेश में जैव प्रौद्योगिकी उद्योगों के विकास के उद्देश्य से भारत सरकार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) द्वारा संचालित नेशनल बायोटेक्नोलॉजी पार्क स्कीम के तहत प्रदेश में जैव विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान प्रयोगशालाओं, अकादमिक उत्कृष्टता केंद्र उद्योग उन्मुख सार्वजनिक क्षेत्र की स्थापना कर संस्थागत मजबूती, क्षमता निर्माण और समग्र पारिस्थितिकी तंत्र बनाने एवं जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निवेश प्रोत्साहित कर राज्य में युवा उद्यमियों के लिये रोजगार के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश के नीमच जिले की तहसील जावद में बायोटेक्नोलॉजी पार्क की स्थापना किये जाने का निर्णय लिया गया।
- मंत्रिपरिषद द्वारा जनजातीय कार्य विभाग अन्तर्गत तकनीकी पदों के पुनर्गठन का निर्णय लिया गया।
- मंत्रिपरिषद द्वारा जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र भवनों का निर्माण एवं आधुनिकीकरण योजना में 27 करोड़ रुपये का व्यय अनुमानित करते हुए योजना का क्रियान्वयन आगामी तीन वर्षों तक निरंतर किये जाने का निर्णय लिया गया है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

अब शहरों में भी आवास बनाने की नई योजना होगी लागू - मुख्यमंत्री

इंदौर, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अब शहरों में भी आवास बनाने की नई योजना लागू की जाएगी। इस योजना में नागरिक अपने प्लाट पर राज्य शासन की सहायता से मकान बना सकेंगे।

श्री चौहान ने कहा कि बहनों और अन्य नागरिकों के जीवन में बदलाव लाने के लिए अनेक योजनाएं सफलतापूर्वक चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना योजना मात्र पैसा देने की योजना नहीं है, यह महिलाओं के मान-सम्मान की योजना है। उन्होंने कहा कि मैं प्रदेश के सब नागरिकों के परिवार का सदस्य हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अब किसी भी महिला की आंखों में आंसू नहीं रहने देंगे। हम सरकार नहीं चलाते हैं, बल्कि परिवार की तरह हैं, मैं सब नागरिकों के परिवार का सदस्य हूं। मामा हूं, मामा हूं। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना योजना ने बहनों की जिंदगी बदल दी है। हमने पैसा नहीं मान-सम्मान दिया है। मेरा वचन है कि लाड़ली बहना योजना की राशि बढ़ाकर शनै:-शनै: तीन हजार रुपये कर दी जाएगी। पहले यह राशि प्रतिमाह एक हजार रुपये मिलती थी, अब 1250 रुपये मिलेगी। बहनों की आमदनी 10 हजार रुपये प्रतिमाह करना मेरा सपना एवं संकल्प है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार प्रतिभावान बालिकाओं को लैपटॉप और स्कूटी दे रही है। साथ ही उनके कॉलेज की फीस भी भर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भी जनकल्याण की अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। इसके भी सार्थक और बेहतर परिणाम मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना में हवाई जहाज से भी तीर्थ यात्रा कराई जा रही है। प्रदेश की अवैध कॉलोनियों को वैध किया जा रहा है।

लाड़ली बहना योजना से मध्यप्रदेश में हुई सामाजिक क्रांति - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सागर जिले के खुरई में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए

सागर, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सागर जिले के खुरई में आयोजित एक जनसभा में खुरई के 100 बिस्तर के सिविल अस्पताल का 150 बिस्तर के अस्पताल में उन्नयन, बरोदियां कला में एक शासकीय कॉलेज, बांदरी में शासकीय आईटीआई, बीना के भागगढ़ में शासकीय कॉलेज, खुरई के रजवांस में 132 केवी विद्युत सब स्टेशन स्वीकृत करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में क्रियान्वित की जा रही लाड़ली बहना योजना, केवल योजना नहीं बल्कि सामाजिक क्रांति है। यह महिलाओं को उनके अधिकार देने की योजना है। मुख्यमंत्री ने गर्व से कहा कि मैं 1.32 करोड़ लाड़ली बहनों का भाई हूं। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में बहनों को मिल रही राशि को धीरे-धीरे बढ़ाकर 3 हजार रुपये किया जाएगा। सरकार के पास धनराशि की कोई कमी नहीं है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बीना रिफाइनरी परिसर में 50 हजार करोड़ से पेट्रोकेमिकल काम्पलेक्स की आधार शिला रखी गई। इसके पूरा होने से बीना, खुरई, विदिशा, सागर की तस्वीर बदलेगी। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का लाभ उठाकर अपना उद्योग स्थापित करें, मध्यप्रदेश सरकार उनकी मदद करेगी।

- **खुरई विधानसभा क्षेत्र के लिये 216 करोड़ 46 लाख रुपये के विकास कार्यों का किया गया लोकार्पण।**
- **भोपाल-बीना-खुरई सागर मार्ग को इंडस्ट्रियल हब के रूप में किया जायेगा विकसित।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर धामी ने कम समय में अपने प्रदेश को ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। खुरई विधानसभा क्षेत्र में विकास के नए सोपान स्थापित हुए हैं। नगरीय विकास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने प्रदेश के नगरों के विकास की दिशा में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। खुरई की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जितना प्यार और दुलार इस क्षेत्र की जनता ने दिया, हमने भी विकास कार्यों की सौगात खुरई को दी है। मैं सरकार नहीं परिवार चलाता हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने लैपटॉप, साइकिल, वितरण, संबल और मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना सहित कई योजनाएं बंद कर दी थीं, जिन्हें इस सरकार ने पुन: शुरू किया। मध्यप्रदेश की धरती पर मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई अब हिन्दी भाषा में हो रही है। सरकारी स्कूल के जो विद्यार्थी नीट की परीक्षा पास करेंगे, उनके लिए मेडिकल में प्रवेश हेतु 5 प्रतिशत आरक्षण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाने का निर्णय लिया गया है।

श्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि उत्तराखंड यदि देवभूमि है तो बुंदेलखंड वीरों की भूमि है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का दिल हमेशा जनता के लिए धड़कता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक ताकत बढ़ी है। प्रधानमंत्री भारत को विश्व का सिरमौर और शक्तिशाली बनाने का कार्य कर रहे हैं। वर्ष 2003 की तुलना में आज का मध्यप्रदेश विकसित और समृद्ध है।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय का नवीन भवन परिसर विंध्य क्षेत्र के लिए सौगात

रीवा, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के रीवा परिसर के नवीन भवन का भोपाल से वर्चुअली लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मीडिया लोकतंत्र का आधार स्तंभ है, इसको आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। पिछले दिनों पत्रकार मित्रों के कल्याण के लिए कई फैसले किए गए हैं। जल्द ही भोपाल में स्टेट मीडिया सेंटर का भूमिपूजन किया जाएगा। माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय ने कुशल संचालन से प्रदेश ही नहीं अपितु राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपना नाम स्थापित किया है। यहां के विद्यार्थी प्रतिष्ठित समाचार-पत्रों और चैनलों में काम कर रहे हैं। जनसंपर्क मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल की पहल पर रीवा में आरंभ हो रहा विश्वविद्यालय का नवीन भवन और परिसर, विंध्य क्षेत्र के लिए सौगात है।

इस अवसर पर जनसम्पर्क मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की दृढ़ इच्छाशक्ति और विन्ध्य के प्रति विशेष लगाव के कारण क्षेत्र को अनेक सौगातें मिली हैं। माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, रीवा को नवीन भवन का उपहार मिला है। मुख्यमंत्री जी ने 45 करोड़ रुपये की कार्य-योजना को पुन: मंजूरी दी।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एकात्मता की प्रतिमा.....

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वर्ष 2016 में सिंहस्थ महाकुम्भ के दौरान नर्मदा सेवा यात्रा की प्रेरणा मिली। नर्मदा सेवा यात्रा के माध्यम से ही ओंकारेश्वर में शंकराचार्य जी की प्रतिमा स्थापना का विचार मन में आया, जिसे साकार करने के लिये एकात्म यात्रा निकाली गई और घर-घर से मिट्टी के कलश लाये गये थे। इस अवसर पर जूना पीठाधीश्वर के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज, मित्रानंद महाराज, गुरु मां आनंदमूर्ति, पद्मश्री श्री वी.आर. गौरीशंकर सहित 13 प्रमुख अखाड़ों के प्रतिनिधि और देश के विभिन्न सम्प्रदायों के प्रतिनिधि भी उपस्थित हुए। कार्यक्रम में ब्रह्मोत्सव में विभिन्न पीठों के जगत्गुरु शंकराचार्य ने भी लाइव संदेश से एकात्म धाम के लिये शुभकामना संदेश दिया। शारदा पीठ और श्रृंगेरी श्री विधुशेखर भारती महास्वामी, शारदापीठ द्वारिका सदानंद सरस्वती जी, कांची कामकोटि पीठ, कांचीपुरम स्वामी विजयेन्द्र सरस्वती जी ने विचार रखे। इस अवसर पर पद्मभूषण डॉ. पद्मा सुब्रमण्यम ने भरतनाट्यम शैली में शिवोहम नृत्य नाटिका में आचार्य शंकर के स्रोतों पर केंद्रित समवेत नृत्य की प्रस्तुति दी। वहीं, सांस्कृतिक नृत्य-दलों के कलाकारों ने शैव परंपरा के नृत्यों की प्रस्तुति दी गई। सनातन संस्कृति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक नृत्यों ने कार्यक्रम स्थल को आध्यात्मिक भाव से सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम में अद्वैत युवा जागरण शिविर और श्री विजय मनोहर तिवारी की लिखी पुस्तक एकात्म धाम और स्वप्न से शिल्प तक पुस्तकों का विमोचन हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने फिल्म शंकर के निर्माण की घोषणा की। इस फिल्म का निर्देशन श्री आशुतोष गोवारीकर करेंगे।

किसानों की मेहनत .....

स्थाई पंप कनेक्शन की स्थापना-

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि योजना में 3 एचपी या अधिक क्षमता के स्थाई पंप कनेक्शन के लिए 200 मीटर तक की दूरी की 11 के.वी. लाइन के विस्तार, वितरण ट्रांसफार्मर की स्थापना और निम्न दाब लाइन केबल विस्तार कार्य शामिल हैं। सामग्री सहित विस्तार कार्य और इसका संधारण विद्युत वितरण कंपनी द्वारा किया जाएगा। इस कार्य का 50 प्रतिशत व्यय शासन द्वारा और 50 प्रतिशत कृषक या कृषक समूह द्वारा वहन किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने हरदा जिले के ग्राम जिनवानिया की श्रीमती नमिता रनवे और भैरूंदा सीहोर के श्री प्रेमनारायण पंवार के आवेदन भरवाकर योजना में नामांकन की प्रक्रिया आरंभ की।

उपलब्ध करवायेंगे सहायता-

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने किसानों के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण के साथ-साथ पर्याप्त बिजली और सिंचाई की व्यवस्था की है। हर किसान को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराना हमारा संकल्प है। केन बेतवा लिंक परियोजना को स्वीकृति प्राप्त हो गई है। हमारी सरकार किसान कल्याण में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वे किसानों से नई सौगातों के संबंध में जल्दी मिलेंगे। मैं शीघ्र ही पुन: किसानों से मिलने वाला हूं, उनके खातों में मुख्यमंत्री किसान निधि से दो-दो हजार रुपये जारी करना हैं, बीमा की राशि जारी करनी है, इसके साथ ही किसानों को और भी सौगातें देना है।

29 हजार से अधिक मेगावॉट उत्पादन

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा पहले प्रदेश में बिजली उत्पादन मात्र 2900 मेगावॉट था। अब प्रदेश में 29 हजार मेगावॉट से अधिक बिजली का उत्पादन हो रहा है। सिंचाई क्षमता 7 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 47 लाख हेक्टेयर हो चुकी है।

रोटी के बाद मकान .....

गांव में जिनके पास रहने की जमीन नहीं है, उन्हें पट्टे उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में हर गरीब के पास रहने की जमीन का टुकड़ा होगा। कई स्थानों पर माफिया से छुड़ाई गई भूमि पर गरीबों को बसाया जा रहा है। शहरों में यदि जमीन की कमी हुई तो बहुमंजिला मकान बनाकर दिए जाएंगे। श्री चौहान ने कहा कि यह योजना बहनों के सुख और सम्मान के लिए उठाया गया बड़ा कदम है। इसमें प्रधानमंत्री आवास, आवास प्लस में शामिल नहीं हुए परिवारों को आवास उपलब्ध करवाया जाएगा। इस नयी आवास योजना का लाभ 4 लाख 75 हजार से अधिक हितग्राहियों को मिलेगा। विभिन्न आवास योजना के लाभ से वंचित परिवारों के लिये बनायी गई इस योजना का लाभ सभी वर्गों के आवासहीन पात्र परिवारों को मिलेगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेंद्र सिंह सिसौदिया ने कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना मुख्यमंत्री श्री चौहान के गरीब परिवारों के दुख-दर्द दूर करने की प्रतिबद्धता का परिणाम है।

हरित, औद्योगिक एवं पर्यटन की क्रांति से रीवा जिले में हुई अभूतपूर्व प्रगति - जनसंपर्क मंत्री

रीवा, जनसम्पर्क एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा में 15 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। जनसम्पर्क मंत्री ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में सर्वहारा वर्ग की चिंता करने वाली सरकार है। जो हर क्षेत्र में कार्य कर प्रदेश को उत्कृष्ट प्रदेश बनाने के लिए प्रयत्नशील है। हरित, औद्योगिक एवं पर्यटन क्षेत्र में क्रांति से रीवा के विकास में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

जनसम्पर्क मंत्री ने पुनर्धनत्वीकरण योजना में 4 करोड़ रुपये की लागत से रीवा सिरमौर चौराहा में बनाई गई 84 दुकानों का लोकार्पण किया तथा दुकानदारों को दुकानें सौंपी। श्री शुक्ल ने कहा कि पुनर्धनत्वीकरण योजना में रीवा के विकास की चर्चा प्रदेश स्तर पर हो रही है। रीवा के धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों का पुनरुद्धार किया गया।

श्री शुक्ल ने रीवा के लोही से लक्ष्मणपुर 9 किलोमीटर लंबाई की 6 करोड़ 82 लाख रुपये से लागत की सड़क का भूमिपूजन किया। जनसम्पर्क मंत्री ने कहा कि रीवा में स्कूलों के उन्नयन से जहां स्कूल शिक्षा का विकास हुआ है वहीं महाविद्यालयीन शिक्षा के लिए कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई है। सड़कों का जाल बिछाकर गांव-गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ा गया है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल गरीबों के लिए वरदान बन रहा है, जहाँ आयुष्मान कार्ड से उनके गंभीर रोगों का निःशुल्क इलाज हो रहा है।

जनसम्पर्क मंत्री श्री शुक्ल ने रीवा के सगरा में एक करोड़ रुपये की लागत के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने सगरा से पहड़िया तक 4.40 किलोमीटर लंबाई, 3 करोड़ 64 लाख 95 हजार रुपये लागत की सड़क का भूमिपूजन किया।

एक्यूफर प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित

भोपाल, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा पर्यावरण परिसर में एक्यूफर प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित की गई। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री भरत यादव ने कहा कि कार्यशाला का लक्ष्य है कि प्रथम चरण में एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहरों में एक्यूफर प्रबंधन प्लान तैयार कर ग्राउण्ड वाटर के स्टोरेज में वृद्धि करना है, ताकि भारत सरकार के मन्तव्य अनुसार शहरों में पानी की पर्याप्त उपलब्धता को सुनिश्चित किया जा सके।

कार्यशाला में, एक लाख से अधिक आबादी वाले 33 अमृत शहरों में एक्यूफर मैनेजमेंट प्लान, नगरीय क्षेत्रों में वाटर रिसोर्स, वेलइन्वेन्ट्री और सोर्स सस्टेनेबिलिटी ऑफ ग्राउण्ड वाटर रिसोर्स विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

रजनीश कुमार

मास्टरकार्ड इंडिया के चेयरमैन बने

मास्टरकार्ड इंडिया ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के पूर्व प्रमुख रजनीश कुमार को अपना गैर-कार्यकारी चेयरमैन नियुक्त करने की घोषणा की कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार कुमार मास्टरकार्ड की दक्षिण एशियाई कार्यकारी नेतृत्व टीम का मार्गदर्शन करेंगे।

डॉग जिउस

दुनिया के सबसे लंबे डॉग का निधन

विश्व का सबसे लंबा कुत्ता जिउस अब इस दुनिया में नहीं रहा। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने इसकी जानकारी दी है। जिउस कैंसर से पीड़ित था। 12 सितंबर 2023 की सुबह उसका निधन हो गया। ग्रेट डेन ब्रीड के जिउस की लंबाई 3 फीट 5.8 इंच थी और उसे गिनीज बुक ऑफ रिकार्ड्स में भी लंबाई की वजह से स्थान मिला था।

फिनलैंड

पूर्व प्रधानमंत्री ने सांसद पद छोड़ा

फिनलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री सना मारिन ने गैर-लाभकारी संगठन टोनी ब्लेयर इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल चेंज में सलाहकार की भूमिका के लिए संसदीय सीट छोड़ने का फैसला किया है। मारिन ने कहा कि मैं इस भूमिका में देश की ज्यादा अच्छी सेवा कर सकती हूं।

नोबेल फाउंडेशन ने

राशि बढ़ाकर 1.1 करोड़ क्रोनर की

नोबेल फाउंडेशन ने कहा है कि वह इस साल (2023) के नोबेल पुरस्कारों के लिए पुरस्कार राशि को बढ़ाकर 1.1 करोड़ क्रोनर(9,86,270 अमेरिकी डॉलर) कर रहा है। इसके पीछे उन्होंने स्वीडिश मुद्रा में आई गिरावट को कारण बताया है।

तुर्की में

शोधार्थी को 9 दिन बाद ढूंढ निकाला

तुर्की की मोर्का गुफा में शोध करने के दौरान फंस गए अमरीका के शोधार्थी मार्क डिके मैप को तकरीबन 9 दिन बाद शोध स्थल से ढूंढ निकाला गया। 40 वर्षीय मार्क मैप बनाने के लिए तुर्की की तीसरी सबसे बड़ी गुफा में उतरे थे, लेकिन अचानक तबीयत बिगड़ने की वजह से गुफा की 3400 फीट की गहराई में फंस गए।

आयुष्मान खुराना

टाइम 100 इम्पैक्ट अवॉर्ड के लिए चुने गए

अभिनेता आयुष्मान खुराना को प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन द्वारा इस साल टाइम 100 इम्पैक्ट अवॉर्ड के लिए चुना गया है। आयुष्मान इस साल अवॉर्ड के लिए चुने जाने वाले एकमात्र भारतीय अभिनेता हैं। तीन साल में यह दूसरी बार है जब आयुष्मान को टाइम मैग्जीन के सुपर 100 में चुना गया है। यह अवॉर्ड सालभर में किए गए कार्यों का लेखा-जोखा और लोकप्रियता के पैमाने के आधार पर व्यक्तित्व का चयन करता है।

इरलेंड बोरे

मेटल डिटेक्टर से ढूंढ निकाला सोना

नॉर्वे के 51 साल के इरलेंड बोरे को डॉक्टर ने एक्सरसाइज के लिए कहा तो उन्होंने शौकिया तौर पर मेटल डिटेक्टर खरीद लिया। उस समय उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा, जब इसकी मदद से वे 1500 साल पुराना खजाना खोजने में सफल रहे। इसमें सोने के 9 पैंडेंट, 3 अंगूठियां और 10 सोने के मोती हैं।

जैच स्वोप

एक साल में 777 फिल्में देखने का रिकॉर्ड बनाया

अमेरिका के 32 वर्षीय जैच स्वोप ने एक वर्ष में 777 फिल्में देखकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। स्वोप ने जुलाई 2022 में मिनियंस : राइज ऑफ ग्रू की स्क्रीनिंग के साथ अपना प्रयास शुरू किया और एक साल बाद इंडियाना जोंस और डायल ऑफ डेस्टिनी के प्रदर्शन के साथ अपना रिकॉर्ड पूरा किया। उन्होंने 2018 में फ्रेंच सिनेप्रेमी विसेंट क्रोहन द्वारा बनाए गए 715 के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

युगांडा

लोगों ने बनाया ताली बजाने का रिकॉर्ड

एक एनजीओ ने संगठन की 9वीं सालगिरह पर ताली बजाने का नया रिकॉर्ड बनाया है। इसके लिए संगठन के 926 लोग इकट्ठा हुए और 3 घंटे 16 मिनट तक ताली बजाते रहे। इस दौरान ताली बजाने वाले लोगों को कहीं जाने या खुद पानी पीने की भी अनुमति नहीं थी, जिन्हें प्यास लगी उन्हें उनके दोस्तों ने बोतल से पानी पिला कर मदद की। रिकॉर्ड बनाने के दौरान औसत साउंड लेवल 88.5 डेसिबल रहा।

इंद्रधनुषी सिक्का

जर्मनी में मिला 2 हजार साल पुराना सिक्का

जर्मनी की एक नदी के पास दो हजार वर्ष पुराने दुर्लभ इंद्रधनुषी सिक्के मिले हैं। पहली-दूसरी ईसा पूर्व ढाले गए इन सोने के सिक्कों में एकतरफ चार नक्षत्र वाले तारे का डिजाइन है। सिक्के में 77 प्रतिशत सोना, 18 प्रतिशत चांदी और 5 प्रतिशत तांबे का मिश्रण है। खोजकर्ताओं के अनुसार सिक्कों का हैड वाला भाग 13 मिलीमीटर चौड़ा है। सिक्कों के खोजकर्ताओं ने इन्हें म्यूनिख में बवेरियन स्टेट ऑर्कियोलॉजिकल कलेक्शन को दान कर दिया।

ग्रीनलैंड में

यात्रियों से भरा क्रूज आर्कटिक महासागर में फंसा

लक्जरी क्रूज पर सवार 206 यात्री आर्कटिक महासागर में फंस गए। ऑरोरा एक्सपीडिशन का 104 मीटर लंबा समुद्री एक्सप्लोरर जहाज ग्रीनलैंड के एक सुदूर इलाके में फंस गया। इसने लंबे समय तक इंतजार किया उसके बाद सरकार ने इस क्रूज को आगे निकालने की प्रक्रिया के लिए आपदा राहत अधिकारियों की टीम भेजी।

फारुक ओजर

तुर्की के शख्स को 11 हजार साल की सजा

तुर्की क्रिप्टो एक्सचेंज थोडेक्स के संस्थापक फारुक फातिह ओजर, उनकी बहन सेराप ओजर और उनके भाई गुवेन ओजर को 11, 196 साल, 10 महीने और 15 दिन की जेल की सजा सुनाई गई है। साथ ही उनके खिलाफ 50 लाख डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया है। ज्ञात रहे कि अप्रैल 2021 में अचानक ऑफलाइन होने और ओजर के लापता होने से पहले थोडेक्स तुर्की का सबसे बड़ा क्रिप्टो एक्सचेंज था। उसने करीब 400,000 से अधिक लोगों के साथ धन संबंधी गड़बड़ी की थी।

फ्रैंक रूबियो

सर्वाधिक दिन आईएसएस में बिताने का रिकॉर्ड बनाया

अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा के अंतरिक्ष यात्री फ्रैंक रूबियो ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर सर्वाधिक दिन (355 दिन) बिताने का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने एकल अंतरिक्ष उड़ान रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जिसे नासा के अंतरिक्ष यात्री मार्क वंदे हेई ने 30 मार्च 2022 को बनाया था। नासा ने कहा कि रूबियो 27 सितंबर को अंतरिक्ष में 371 दिन बिताने के बाद वापस पृथ्वी पर लौटेंगे। रूबियो ने अभी तक 3 स्पेस वॉक में भाग लिया है और रोबोटिक्स, अंतरिक्ष भौतिकी और जीव विज्ञान से जुड़े विषयों पर काम किया है।

द क्राउन कॉइन

दुनिया का सबसे महंगा सिक्का

ईस्ट इंडिया कंपनी ने क्वीन एलिजाबेथ 2 की पहली डेथ एनीवर्सरी पर एक सिक्का जारी किया है। इसकी कीमत 192 करोड़ रुपये है। इसे 4 किलोग्राम सोने से बनाया गया है। इसमें 6 हजार 400 हीरे भी जड़े हुए हैं। इसे द क्राउन कॉइन नाम दिया गया है। इसे अब तक का सबसे महंगा सिक्का बताया जा रहा है। इसके पहले डबल ईगल नाम के सिक्के को दुनिया का सबसे महंगा सिक्का माना जाता था। इस डबल ईगल की कीमत 163 करोड़ रुपये थी।

इंडोनेशिया में

अमेरिका ने सहयोगी राष्ट्रों के साथ किया युद्धाभ्यास

संयुक्त राज्य अमेरिका, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और अन्य सहयोगी राष्ट्रों की सेना के हजारों सैनिकों ने क्षेत्र में बढ़ती चीन की आक्रामकता के बीच इंडोनेशियाई द्वीप जावा पर युद्धाभ्यास में अपनी कवच क्षमता का प्रदर्शन किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन का प्रशासन विवादित दक्षिण चीन सागर में अपने सहयोगियों को आश्वस्त करने के लिए इंडो - पैसिफिक में सैन्य गठबंधन को मजबूत कर रहा है।

निहार मालवीय

पेंगुइन रैंडम हाउस के सीईओ बने

भारतवंशी निहार मालवीय को न्यूयॉर्क स्थित अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन समूह पेंगुइन रैंडम हाउस का स्थायी मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नामित किया गया है। मालवीय को इससे नौ महीने पहले अंतरिम मुख्य कार्यकारी नियुक्त किया गया था। उन्होंने 1 जनवरी, 2023 को पेंगुइन रैंडम हाउस के अंतरिम सीईओ की भूमिका संभाली थी। मालवीय से पहले मार्कस डोहले इस प्रकाशन समूह के सीईओ थे। पेंगुइन रैंडम हाउस की मूल कंपनी बर्टेल्समैन के अध्यक्ष और सीईओ थॉमस राबे ने कहा, निहार मालवीय के रूप में उचित समय पर एक सही नेता पेंगुइन रैंडम हाउस के शीर्ष पर है।

लुधियाना में

देश का तीसरा डॉग पार्क खुला

कुत्तों के लिए उत्तर भारत का पहला विशेष पार्क पंजाब के औद्योगिक केंद्र लुधियाना में बनाया गया, जहां लोग अपने कुत्तों को टहलाने, व्यायाम और प्रशिक्षण के लिए ला सकेंगे। लुधियाना नगर निगम द्वारा कुत्तों के लिए विशेष रूप से बनाया गया यह पार्क हैदराबाद और मुंबई के बाद इस तरह का देश में तीसरा पार्क है। एक एकड़ में फैले इस पार्क में कुत्तों को अपने कौशल विकसित करने और मानसिक एवं शारीरिक रूप से सक्रिय रहने में मदद करने के लिए अवरोधकों और सुरंगों के अलावा कई झूले भी हैं। पार्क में स्वीमिंग पूल के साथ पेट केफे क्लिनिक और सौंदर्य केंद्र भी है।

स्मृति शेष

फिल्म अभिनेता रियो कपाड़िया का निधन

सुपरहिट फिल्में 'दिल चाहता है' और 'चक दे इंडिया' में नजर आने वाले चरित्र अभिनेता रियो कपाड़िया का 66 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने हैप्पी न्यू ईयर और मर्दानी, खुदा हाफिज, द बिग बुल, एजेंट विनोद जैसी फिल्मों में काम किया।

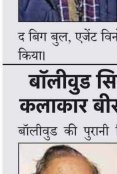

बॉलीवुड सिनेमा के हास्य कलाकार बीरबल का निधन

बॉलीवुड की पुरानी हिन्दी फिल्मों के हास्य कलाकार बीरबल का 85 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे। उनका असली नाम सतिंदर कुमार खोसला था। उन्होंने चार दशक के फिल्मी कैरियर में 500 से अधिक फिल्मों में हास्य अभिनय किया था।

बॉलीवुड फिल्मों के निर्माता मुकेश उदेशी का निधन

गो गोआ गॉन, द विलेज के वरिष्ठ निर्माता मुकेश उदेशी का निधन हो गया। वे पिछले 37 वर्षों से फिल्म निर्माण और विदेशों में शूटिंग का शानदार अनुभव रखते थे। मुकेश ने बॉलीवुड की कई फिल्मों को प्रोड्यूस भी किया है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

कार्यालय मुख्य अभियंता (भोपाल परिक्षेत्र)
लोक निर्माण विभाग, भोपाल (म.प्र.)

ईमेल : cepwdcapital@mp.nic.in, दूरभाष/फैक्स क्रमांक : 0755-2551403

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र. 46/सा/01/विविध/2019 (वर्ष 2023) **भोपाल, दिनांक : 15.09.2023**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	रिमार्क
1.	2023_ PWDRB_ 304135_1	हरदा	प्लान	आमलपुर से गोगिया व्हाया सन्यासा मार्ग लं. 4.50 कि.मी. निर्माण	तृतीय	591.23	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
2.	2023_ PWDRB_ 307325_1	हरदा	प्लान	आदमपुर से अवगांवकला से भैरोपुर मार्ग लं. 3.00 कि.मी.	तृतीय	542.40	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
3.	2023_ PWDRB_ 307326_1	हरदा	प्लान	लोलांगरा से राहतकला मार्ग लं. 4.10 कि.मी. का निर्माण	तृतीय	628.79	ईएमडी/समस्त दस्तावेज केवल ऑनलाइन प्रस्तुत किये जाने हैं।
				योग		1762.42	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 27.09.2023** (17.30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता

जी-19958/49097/2023 **लोक निर्माण विभाग, भोपाल परिक्षेत्र भोपाल**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग गुना (म.प्र.) पिन - 473001

ईमेल : eeresguna@mp.gov.in

क्रमांक/2092/ग्रा.यां.से./ई-निविदा/2023 **गुना, दिनांक : 14.09.2023**

विस्तृत ई-निविदा आमंत्रण सूचना
क्रमांक - 03/EERESGUNA/2023-24

निम्नलिखित कार्यों हेतु म.प्र. सरकार के केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत अथवा अन्य समकक्ष/समतुल्य श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रतिशत दर पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है -

क्र.	टेण्डर आईडी क्र.	कार्य का नाम/स्थान	जिले का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु. लाख में)	अमानत राशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	समयावधि (वर्षाकाल सहित)	निविदा आमंत्रण का क्रम
1	2023_RES _307701	आंगनवाड़ी भवन निर्माण पैकेज 01 वि.ख. राघौगढ़	गुना	17.86	35720	2000	180 दिवस	प्रथम
2	2023_RES _307702	आंगनवाड़ी भवन एवं किचिन सेड सह डाईनिंग हॉल निर्माण कार्य - 02 वि.ख. राघौगढ़	गुना	13.07	26141	2000	180 दिवस	प्रथम
3	2023_RES _307703	आंगनवाड़ी भवन एवं किचिन सेड सह डाईनिंग हॉल निर्माण कार्य - 03 वि.ख. राघौगढ़	गुना	17.21	34425	2000	180 दिवस	प्रथम
4	2023_RES _307704	आंगनवाड़ी भवन एवं किचिन सेड सह डाईनिंग हॉल निर्माण कार्य - 04 वि.ख. राघौगढ़	गुना	17.21	34425	2000	180 दिवस	प्रथम
5	2023_RES _307705	आंगनवाड़ी भवन निर्माण पैकेज - 05 वि.ख. राघौगढ़	गुना	8.93	17920	2000	180 दिवस	प्रथम
6	2023_RES _307706	आंगनवाड़ी भवन एवं किचिन सेड सह डाईनिंग हॉल निर्माण कार्य - 06 वि.ख. राघौगढ़	गुना	13.07	26140	2000	180 दिवस	प्रथम
7	2023_RES _307707	आंगनवाड़ी भवन निर्माण पैकेज - 07 वि.ख. राघौगढ़	गुना	8.93	17920	2000	180 दिवस	प्रथम
8	2023_RES _307708	आंगनवाड़ी भवन निर्माण पैकेज - 01 वि.ख. गुना	गुना	18.02	36040	2000	180 दिवस	प्रथम
9	2023_RES _307710	आंगनवाड़ी भवन एवं किचिन सेड सह डाईनिंग हॉल निर्माण कार्य - 02 वि.ख. गुना	गुना	17.39	34780	2000	180 दिवस	प्रथम
10	2023_RES _307711	किचिन सेड सह डाईनिंग हॉल निर्माण कार्य - 03 वि.ख. गुना	गुना	12.42	24840	2000	180 दिवस	प्रथम
11	2023_RES _307712	आंगनवाड़ी भवन एवं किचिन सेड सह डाईनिंग हॉल निर्माण कार्य - 04 वि.ख. गुना	गुना	17.39	34780	2000	180 दिवस	प्रथम
12	2023_RES _307713	आंगनवाड़ी भवन एवं किचिन सेड सह डाईनिंग हॉल निर्माण कार्य - 05 वि.ख. गुना	गुना	13.25	26500	2000	180 दिवस	प्रथम
13	2023_RES _307714	आंगनवाड़ी भवन एवं किचिन सेड सह डाईनिंग हॉल निर्माण कार्य - 06 वि.ख. गुना	गुना	12.42	24840	2000	180 दिवस	प्रथम
14	2023_RES _307715	किचिन सेड सह डाईनिंग हॉल निर्माण कार्य - 06 वि.ख. गुना	गुना	8.28	16560	2000	180 दिवस	प्रथम
15	2023_RES _307716	04 अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य रेगेडियल क्लास रूम कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास पनवाडीहाट के प्रथम तल पर वि.ख. आरोन	गुना	19.00	38000	2000	270 दिवस	तृतीय

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग संभाग क्र.-1 ग्वालियर

फोन - 0751-2371231, Email : eepwd1gwl@mp.nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 34 **ग्वालियर, दिनांक : 08.09.2023**

मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से म.प्र. की ओर से निम्नांकित कार्यों हेतु भवन/सड़क कार्यों की दर अनुसूची दिनांक 15.09.22/25.03.22 तथा निविदा सूचना जारी होने तक उसमें किये गये संशोधन सहित मोहरबंद निविदायें नवीन निविदा फार्म 2.10 में आमंत्रित की जाती है, प्रपत्र में दर्शाये गये कार्यालय में निविदायें डाक अथवा स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्राप्त की जावेगी। पोस्टल विलंब के लिये विभाग उत्तरदायी नहीं होगा।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. विधानसभा-18 भितरवार ग्वालियर के ग्राम पंचायत ककरघा में बाबूसिंह किरार के घर से शासकीय सेवा सहकारी संस्था मर्यादित की ओर पंचायत भितरवार में सी.सी. फ्लोरिंग का निर्माण कार्य। (विधायक निधि)

निविदा प्रपत्र की राशि एवं फार्म	1. ठेके की अनुमानित लागत (लाख में) 2. अमानत राशि	3. कोरे निविदा प्रपत्र विक्रय का समय एवं दिनांक	4. निविदा प्राप्ति का दिनांक 5. कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोनिवि सं.क्र.-1 ग्वा.	6. निविदा खोलने का दिनांक 7. कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोनिवि सं.क्र.-1 ग्वा.	8. कार्य पूर्ण करने की अवधि 9. ठेकेदार की श्रेणी 10. आमंत्रण क्र.
2000/- ''अ''	9.92 लाख 20000/-	25.09.2023	26.09.2023	27.09.2023	01 माह केंद्रीयकृत प्रथम आमंत्रण

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. विधानसभा-18 भितरवार ग्वालियर के ग्राम पंचायत ककरघा में पटवारी भवन के प्रांगण में जनपद पंचायत भितरवार में सी.सी. फ्लोरिंग का निर्माण कार्य। (विधायक निधि)

2000/- ''अ''	9.39 लाख 20000/-	25.09.2023	26.09.2023	27.09.2023	01 माह केंद्रीयकृत प्रथम आमंत्रण

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. विधानसभा-18 भितरवार ग्वालियर के ग्राम पंचायत ककरघा में शासकीय सार्वजनिक शौचालय की ओर वाले रास्ते में जनपद पंचायत भितरवार में सी.सी. फ्लोरिंग का निर्माण कार्य। (विधायक निधि)

2000/- ''अ''	6.86 लाख 14000/-	25.09.2023	26.09.2023	27.09.2023	01 माह केंद्रीयकृत प्रथम आमंत्रण

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. विधानसभा-17 ग्वालियर दक्षिण के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 37 नेहरू पेट्रोल पंप के सामने मेहराव साहब की तलैया कब्रिस्तान की बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण कार्य। (विधायक निधि)

2000/- ''अ''	7.56 लाख 16000/-	25.09.2023	26.09.2023	27.09.2023	01 माह केंद्रीयकृत प्रथम आमंत्रण

कार्य की अधिकतम अनुमानित लागत - 9.92 लाख

कुल कार्य संख्या - 04

कार्यपालन यंत्री

जी-19997/49098/2023 **लोक निर्माण विभाग संभाग क्र.-1 ग्वालियर**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण संभाग इंदौर (म.प्र.)

निविदा सूचना क्रमांक - 11/निविदा/इंदौर/2023-24 **इंदौर, दिनांक : 13.09.2023**

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर आईडी क्र.	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित संपूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु
1	2023_PWDRB _307532_1	इंदौर	सेतु कार्य	इंदौर जिले के अंतर्गत मह विधानसभा क्षेत्र के सेन्डल मैंडल गांव के समीप सुकड़ी नदी पर जलमग्नीय पुल के निर्माण कार्य।	प्रथम	401.89	केवल ऑनलाइन
2	2023_PWDRB _307533_1	खरगौन	सेतु कार्य	खरगोन जिले के अंतर्गत सेल्दा पिपर्ल मार्ग पर रूपरेल नदी पर जलमग्नीय पुल के निर्माण कार्य।	प्रथम	278.05	केवल ऑनलाइन
3	2023_PWDRB _307534_1	झाबुआ	सेतु कार्य	झाबुआ जिले के अंतर्गत तेजाजी मंदिर से फूटा मंदिर (भूतेश्वर मंदिर) के बीच पेटलावद शहर में पंपावती नदी पर जलमग्नीय पुल के निर्माण कार्य।	प्रथम	400.61	केवल ऑनलाइन
4	2023_PWDRB _307537_1	इंदौर	सेतु कार्य	इंदौर जिले के अंतर्गत मह विधानसभा के किशनगंज - सांतेर मार्ग में नवधा नाले पर जलमग्नीय पुल के निर्माण कार्य।	प्रथम	279.76	केवल ऑनलाइन
5	2023_PWDRB _307538_1	खण्डवा	सेतु कार्य	खण्डवा जिले के अंतर्गत छैगांव देवी से गोलजोशी मार्ग के किमी 1/2 में वाना नदी पर जलमग्नीय पुल के निर्माण कार्य।	प्रथम	354.47	केवल ऑनलाइन

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम दिनांक 27.09.2023 सायं 17:30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-19802/49085/2023 **लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग इंदौर**

Critical Dates

Publish Date	**18.09.2023**	**10:30 AM**	Bid Opening Date	**06.10.2023**	**11:00 Am**
Document Download/ Sale Start Date	18.09.2023	10:30 AM	Document Download/ Sale End Date	**04.10.2023**	**05:30 PM**
Bid Submission Start Date	18.09.2023	10:30 AM	Bid Submission End Date	04.10.2023	05:30 PM

कार्यपालन यंत्री

जी-19807/49086/2023 **ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग - गुना (म.प्र.)**

जॉब अलर्ट

सतलुज जल विद्युत निगम

पद का नाम - जूनियर इंजीनियर और अन्य
पदों की संख्या - 155
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 11 अक्टूबर, 2023
वेबसाइट - www.sjvn.nic.in

भारतीय जनसंचार संस्थान

पद का नाम - असिस्टेंट एडिटर
योग्यता - जर्नलिज्म/कम्युनिकेशन में मास्टर्स डिग्री, आवेदक की आयु 35 वर्ष से अधिक न हो।
अंतिम तिथि - 20 अक्टूबर, 2023
वेबसाइट - www.iimc.nic.in

आईडीबीआई बैंक

पद का नाम - जूनियर असिस्टेंट मैनेजर
पद संख्या - 600
योग्यता - मान्यता प्राप्त संस्थान से स्नातक
अंतिम तिथि - 30 सितंबर, 2023
वेबसाइट - www.idbibank.in

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर (एचपी)

पद का नाम - वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी
पद संख्या - 62
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 04 अक्टूबर, 2023
वेबसाइट - www.pgimer.edu.in

पूर्वोत्तर आयुर्वेद एवं होम्योपैथी संस्थान

पद का नाम - शिक्षण और गैर शिक्षण पद
पदों की संख्या - 48
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 24 अक्टूबर, 2023
वेबसाइट - www.neiah.nic.in

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय

पद का नाम - डीन, असिस्टेंट प्रोफेसर, प्रोफेसर, डायरेक्टर और अन्य पद
पद संख्या - 32
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 8 अक्टूबर, 2023
वेबसाइट - www.raubikaner.org

आरबीआई

पद का नाम - असिस्टेंट
पद संख्या - 450
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 30 सितंबर, 2023
वेबसाइट - www.rbi.org.in

एडमिशन अलर्ट

आईआईटी, गुवाहाटी

पाठ्यक्रम का नाम - बीएससी इन डेटा साइंस एंड एआई
योग्यता - जेईई एडवांस में शामिल छात्र प्रवेश के लिए पात्र होंगे
अंतिम तिथि - 30 सितंबर, 2023
वेबसाइट - www.iitg.ac.in

बीआईटीएस पिलानी और आरएमआईटी

पाठ्यक्रम का नाम - पीएचडी प्रोग्राम
योग्यता - पाठ्यक्रमानुसार
अंतिम तिथि - 26 सितंबर, 2023
जनवरी 24 सत्र के लिए
वेबसाइट - www.bitspilani.ac.in

नवोदय विद्यालय

पाठ्यक्रम का नाम - नवोदय विद्यालयों में वर्ष 2024-25 में कक्षा 9वीं और 11वीं के दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है।
योग्यता - स्टूडेंट्स का चयन नवोदय विद्यालय समिति की ओर से आयोजित 'जवाहर नवोदय विद्यालय सेलेक्शन टेस्ट (जेएनवीएसटी)' के माध्यम से होगा।
अंतिम तिथि - 31 अक्टूबर, 2023
वेबसाइट - www.navodaya.gov.in

स्कॉलरशिप/इंटर्नशिप/ पुरस्कार अलर्ट

यूके - इंडिया टीओईएफएल स्कॉलरशिप - 2023

संस्था का नाम - एनआईएसएयू और ईटीएस टीओईएफएल की साझेदारी के तहत ब्रिटेन की किसी भी यूनिवर्सिटी में ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन।
योग्यता - आवेदक टीओईएफएल टेस्ट में 120 में से 75 स्कोर प्राप्त हो। साथ ही आवेदक के पास यूके के किसी भी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी का ऑफर लेटर होना चाहिए।
स्कॉलरशिप राशि - चयनित अभ्यर्थियों को एकमुश्त 3,000 यूएसडी की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।
अंतिम तिथि - 31 अक्टूबर, 2023
वेबसाइट - www.toefltest.in/scholarship/

एच.डी.एफ.सी. परिवर्तन स्कॉलरशिप - 2023

संस्था का नाम - एच.डी.एफ.सी. बैंक
किसके लिए - कक्षा 1 से पोस्ट ग्रेजुएशन तक अध्ययनरत छात्र जो कि आर्थिक तौर पर कमजोर हैं और वित्तीय सहायता के इच्छुक हैं।
योग्यता - पिछली कक्षा में कम से कम 55 प्रतिशत अंक प्राप्त हों। पारिवारिक वार्षिक आमदनी 2.5 लाख से अधिक न हो।
स्कॉलरशिप राशि - चयनित अभ्यर्थियों को एकमुश्त 75 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।
अंतिम तिथि - 30 सितंबर, 2023
वेबसाइट - www.hdfcbank.com

टीच फॉर इंडिया फैलोशिप-2024

संस्था का नाम - टीच फॉर इंडिया (एक गैर लाभकारी संगठन)
किसके लिए - इसके तहत युवा ग्रेजुएट्स को वंचित समुदायों के बच्चों को पढ़ाने के लिए पुल टाइम शिक्षक के रूप में सेवा करने का मौका मिलेगा।
योग्यता - आवेदक का जून/जुलाई 2024 तक ग्रेजुएशन पूरी करना जरूरी है। चयन टीचिंग सैंपल, क्रिटिकल थिंकिंग, ग्रुप एक्टिविटी और इंटरव्यू के बाद किया जाएगा।
स्कॉलरशिप राशि - 23043 रुपये का प्रतिमाह स्टायपेंड और अन्य लाभ
अंतिम तिथि - 15 अक्टूबर, 2023
वेबसाइट - www.teachforindia.org

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना

लाड़ली बहनों को मिलेगी अपने आवास की सौगात

हर किसी का सपना होता है कि उसका खुद का घर हो। अपना घर सुरक्षा का भाव निर्मित करता है और व्यक्ति भयमुक्त जीवन जीता है। भय रहित होने से जीवनयापन सहज होता है। परिवार के लोगों की बेहतर परवरिश हो सकती है। केन्द्र और राज्य सरकार का लक्ष्य है हर एक के पास अपना घर हो। इसीलिए जिनके पास खुद का घर नहीं है, उन्हें पक्का मकान देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने विभिन्न आवास योजनाएं शुरू की हैं। ऐसी ही एक योजना है मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना। हाल ही में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा इस योजना का शुभारंभ किया गया है।

योजना का उद्देश्य

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना का उद्देश्य ऐसे लोगों को खुद का घर उपलब्ध कराना है, जिन्हें विभिन्न आवास योजनाओं में आवास सुविधा का लाभ नहीं मिल सका है।

किन्हें मिलेगा योजना का लाभ

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना का लाभ बहनों के उन परिवारों को मिलेगा, जो प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में आवास प्लस एप पोर्टल पर पंजीकृत हैं और जिनके आवेदन भारत सरकार के एमआईएस पोर्टल पर स्वतः रिजेक्ट हो गये हैं। प्रदेश में ऐसे परिवारों की संख्या 3 लाख 78 हजार 662 है।

- एमआईएस पोर्टल पर दर्ज होने से छूटे एवं चिन्हित 97 हजार परिवार को भी योजना का लाभ मिलेगा।
- लाड़ली बहना आवास योजना में उन परिवारों को भी लाभ मिलेगा, जो सामाजिक, आर्थिक एवं जातिगत जनगणना 2011 एवं आवास प्लस की सूची में शामिल नहीं हैं और जिन्हें केन्द्र या राज्य की किसी भी आवास योजना का लाभ नहीं मिला है।
- योजना में वे परिवार शामिल होंगे जिनके पास पक्की छत वाले मकान नहीं हैं या दो से कम कमरों वाले कच्चे मकानों में निवास कर रहे हैं।
- ऐसे परिवार जिनके पास मोटर युक्त चौपहिया वाहन नहीं है या जिनके परिवार का कोई सदस्य सरकारी नौकरी में नहीं है और उसकी मासिक आय 12 हजार या कम है।
- परिवार का कोई भी सदस्य आयकरदाता नहीं है और 2.5 एकड़ या इससे कम सिंचित भूमि है या 5 एकड़ से कम असिंचित कृषि भूमि है।

आवेदन के दौरान कौन से दस्तावेज लगेंगे

आवेदन पत्र के साथ समग्र आईडी, आधार नम्बर, बैंक खाता क्रमांक, अगर जॉब कार्ड है तो जॉब कार्ड, लाड़ली बहना का पंजीयन क्रमांक आदि। आपको आवेदन पत्र के साथ इन दस्तावेजों की स्वयं के द्वारा सत्यापित प्रति जमा करना होगी।

कब से भरे जाएंगे फॉर्म

पात्रता रखने वाले हितग्राही 17 सितम्बर से 5 अक्टूबर 2023 तक योजना का आवेदन पत्र भरकर जमा कर सकते हैं।

कहां जमा होंगे फॉर्म

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना में निर्धारित पात्रता रखने वाले हितग्राहियों को ग्राम पंचायत से आवेदन पत्र प्राप्त करके इसमें सभी जानकारी अच्छे से भरकर फॉर्म ग्राम पंचायत में ही जमा कराना होगा। सचिव या ग्राम रोजगार सहायक द्वारा उन्हें आवेदन की पावती भी दी जाएगी।

कब तक और कैसे स्वीकृत होंगे आवास

ग्राम पंचायत में प्राप्त होने वाले सभी आवेदन पत्रों की सूची प्रतिदिन जनपद पंचायत को भेजी जाएगी। जनपद पंचायत द्वारा ग्राम पंचायतों से प्राप्त होने वाले सभी आवेदन पत्रों को **pmayg.nic.in** पोर्टल पर लॉगिन कर "मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना" में हितग्राहियों को पंजीकृत किया जायेगा। उसके बाद आवेदन पत्र प्राप्त किये जाने की अंतिम तारीख के एक सप्ताह में सीईओ जनपद पंचायत द्वारा प्राप्त आवेदन पत्रों की पंचायतवार सूची मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को भेजी जाएगी।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, पंचायतवार प्राप्त सूची का परीक्षण कराएंगे। परीक्षण के बाद पात्र हितग्राहियों की ग्राम पंचायत या जनपद पंचायतवार जानकारी (सूची) राज्य शासन को प्रेषित करेंगे एवं राज्य शासन का अनुमोदन प्राप्त होने पर हितग्राहियों के आवास स्वीकृति की कार्यवाही मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा की जाएगी।

जरूरी सवाल

- **मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना के फॉर्म कहां से मिलेंगे?**

उत्तर - ग्राम पंचायत

- **मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना के फॉर्म कहां जमा करना होंगे?**

उत्तर - ग्राम पंचायत

- **मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना के फॉर्म कब तक भरे जाएंगे?**

उत्तर - 17 सितंबर से 5 अक्टूबर 2023 तक

- **क्या मुख्यमंत्री लाड़ली बहना आवास योजना और मुख्यमंत्री लाड़नी बहना योजना एक ही हैं?**

उत्तर - नहीं, यह दोनों योजनाएं अलग-अलग हैं और इनमें मिलने वाले लाभ भी अलग हैं। प्रदेश में बहनों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना लागू की गई है। इस योजना को लाड़ली बहनों को प्रतिमाह 1000 रुपए देकर शुरू किया गया था। वर्तमान में इस राशि को 250 रुपए बढ़ाकर 1250 रुपए प्रतिमाह कर दिया गया है। इसके बाद इस राशि को बढ़ाकर 1500 रुपये, फिर 2000 और इसके बाद 2250 रुपये, 2500 रुपये और फिर 2750 रुपये करते हुए राशि को 3 हजार रुपये तक बढ़ाया जाएगा। 21 वर्ष की विवाहित पात्र बहन से लेकर 60 वर्ष तक की विवाहित बहनें लाड़ली बहना योजना में पात्र हैं। यदि किसी परिवार की 60 वर्ष से अधिक आयु की महिला को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना या अन्य किसी योजना में लाड़ली बहना योजना में मिलने वाली राशि से कम राशि प्राप्त हो रही हो, तो अतिरिक्त राशि योजना में स्वीकृत की जाएगी। इस तरह दोनों योजनाओं का लाभ लेकर आप खुद का पक्का मकान और अपने दैनिक उपयोग की चीजों के लिए मासिक आर्थिक सहायता प्राप्त कर सकती हैं।

- **लाड़ली बहना सेना क्या है?**

उत्तर - प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान महिलाओं की आर्थिक समानता, आर्थिक आजादी, सशक्तिकरण के साथ-साथ उनकी सुरक्षा और निडरता पर भी ध्यान दे रहे हैं। इसलिए अन्याय और शोषण के खिलाफ लड़ने के लिए लाड़ली बहना सेनाएं बनाई गई हैं। लाड़ली बहना सेना अन्याय और शोषण के खिलाफ लड़ेंगीं और महिलाओं को उनके कल्याण की योजनाओं का लाभ दिलाने में भी मदद करेगी। प्रदेश के ऐसे ग्राम जिसकी आबादी 1500 से कम है, उनमें 11 सदस्य एवं ऐसे ग्राम जिनकी आबादी 1500 से अधिक है, उनमें 21 सदस्य की लाड़ली बहना सेना का गठन किया गया है। लाड़ली बहना सेना में गांव की इच्छुक 23 से 60 आयु वर्ग की महिलाओं को सदस्य बनाया गया है। प्रत्येक लाड़ली बहना सेना में सर्व-सम्मति से लाड़ली बहना सेना प्रभारी एवं लाड़ली बहना सेना सह प्रभारी मनोनीत किया गया है, जो एक वर्ष तक अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगी।

- निशा त्यागी
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं और समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

क्लस्टर विकास योजना

प्रदेश में समान आर्थिक विकास के लिये हर जिले में होगा क्लस्टर निर्माण

औद्योगिक विकास के बदलते परिदृश्य में मध्यप्रदेश के हर जिले, हर क्षेत्र में उद्योगों के विस्तार के लिए क्लस्टर निर्माण की कल्पना की गयी, ताकि समान आर्थिक विकास हो सके। मूलत: हर क्षेत्र की अपनी विशेषता, अपनी क्षमता, अपनी आवश्यकता और अपनी मेधा होती है। यदि स्थानीय आधार पर उद्योगों को स्थापित किया जाये तो उस स्थान का औद्योगिक विकास तो होता ही है साथ ही स्थानीय लोगों को रोज़गार मिलता है। क्लस्टर विकास योजना से क्षेत्र विशेष के उत्पाद को राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिलेगी तथा स्थानीय उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

बदल रहा है मध्यप्रदेश का औद्योगिक परिदृश्य

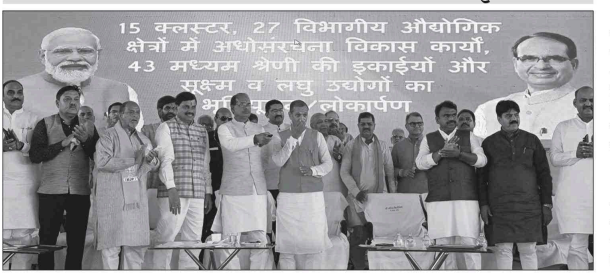

एक लाख से अधिक युवाओं को मिलेगा रोज़गार

प्रक्रियाधीन एवं चिन्हांकित 45 क्लस्टरों की स्थापना से लगभग 1 लाख 8 हजार 300 व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त होगा और 8 हजार करोड़ से अधिक का निवेश प्राप्त होगा। इस प्रकार वर्तमान में स्वीकृत एवं प्रक्रियाधीन क्लस्टरों के मूर्त रूप लेने पर 1 लाख 70 हजार 631 व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त हो सकेगा।

इन जिलों में हो रही है स्थापना

13 इंदौर में, 1 उज्जैन, 1 खंडवा, 1 धार, 4 नीमच, 2 बुरहानपुर, 1 बैतूल, 2 भोपाल, 1 मुरैना, 1 राजगढ़, 1 रायसेन, 1 शिवपुरी, 1 सीहोर और 1 हरदा में स्वीकृत हैं।

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की समृद्धि समग्र विकास से ही संभव है। समग्र विकास यानि हर क्षेत्र का विकास हो। इसके लिए मध्यप्रदेश में उद्योग विभाग के एमएसएमई सेक्टर द्वारा विशेष कार्य किये जा रहे हैं। जिसमें रोज़गार और स्वरोज़गार की विभिन्न संभावनाएं निर्मित की गई हैं। विभाग द्वारा एमएसएमई के लिए किये जा रहे प्रयासों में निवेश, अनुकूल नीतियां, प्रोत्साहन और सुविधाएं, बेहतर औद्योगिक अधोसंरचना का विकास एवं स्टार्टअप नीति आदि शामिल है। इस तरह विभिन्न स्तर पर उद्योगों के विकास के लिए कार्य किया जा रहा है। औद्योगिक विकास की इसी कड़ी में मध्यप्रदेश के हर जिले, हर क्षेत्र में उद्योगों के विस्तार के लिए क्लस्टर निर्माण की कल्पना की गयी, ताकि समान आर्थिक विकास हो सके। मूलत: हर क्षेत्र की अपनी विशेषता, अपनी क्षमता, अपनी आवश्यकता और अपनी मेधा होती है। यदि स्थानीय आधार पर उद्योगों को स्थापित किया जाये तो उस स्थान का औद्योगिक विकास तो होता ही है साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता है। क्लस्टर विकास योजना से क्षेत्र विशेष के उत्पाद को राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिलेगी तथा स्थानीय उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। इससे मुख्यमंत्री जी की मंशा अनुसार शहर-शहर और गांव-गांव उद्योगों का जाल बिछेगा।

इस योजना के संबंध में सूक्ष्म, लघु एवं उद्यम विभाग मध्यप्रदेश के सचिव सह उद्योग आयुक्त श्री पी. नरहरि ने बताया कि पहली बार किसी प्रदेश में एसपीवी (स्पेशल परस्पर व्हीकल) के मध्यम से लघु, सूक्ष्म उद्योगों का जाल फैलाया जा रहा है। सामान्यत: शासन के द्वारा ही औद्योगिक क्षेत्रों का विकास किया जाता है। पहली बार जन भागीदारी पद्धति के माध्यम से औद्योगिक क्लस्टरों का विकास किया जा रहा है।

प्रदेश के सभी जिलों में एक समान औद्योगिक परिदृश्य स्थापित करने के लिए क्लस्टर विकास योजना का क्रियान्वयन किया गया। इस तरह प्रदेश के हर जिले में एक क्लस्टर निर्माण की आयोजना है। क्लस्टर विकास योजना में उद्योग स्थापना से लेकर मार्केटिंग तक सहयोग प्रदान किया जायेगा। प्रत्येक क्लस्टर में उत्कृष्ट अधोसंरचना का निर्माण किया जायेगा। जिसमें सड़क, बिजली, पानी की समुचित व्यवस्था होगी। योजना में कार्यरत उद्यमियों, कार्य और कुशल कारीगरों को चिन्हित किया जायेगा। आवश्यकता अनुसार जमीन, साधन-संसाधन प्रदान किये जायेंगे। परस्पर सहयोग और लोगों की सहभागिता के साथ उद्योग को स्थापित करने की यह पहली और अनूठी पहल है। यह योजना उद्यमियों की कठिनाइयों को दूर करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

क्लस्टर निर्माण से गतिविधियों पर फोकस

विगत दो दशकों में मध्यप्रदेश में क्लस्टर आधारित उद्योगों की स्थापना में तेजी आई है। क्लस्टर आधारित उद्योगों का सुनियोजित विकास किया जा रहा है। क्लस्टर आधारित उद्योग की स्थापना का उद्देश्य प्रदेश में अधिक से अधिक अलग-अलग तरह के उद्योग लगाना है, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को रोज़गार के अवसर प्राप्त हों। इसके लिये प्रदेश सरकार द्वारा सस्ती जमीन और अन्य सुविधाओं का लाभ नई इकाईयों की स्थापना के लिये दिया जाता है।

एमएसएमई को प्रोत्साहन

रोज़गार सृजन की दृष्टि से एमएसएमई सेक्टर का एक विशिष्ट योगदान है। यदि अन्य सेक्टरों की रोज़गार सृजन क्षमता से तुलना की जायें तो एमएसएमई सेक्टर द्वारा सबसे अधिक रोज़गार सृजित किये जाते हैं। यही कारण है कि विभाग एमएसएमई को प्रोत्साहन देने के लिये लगातार कार्य कर रहा है। यहां निवेश अनुकूल नितियां, प्रोत्साहन एवं सुविधाएं, बेहतर औद्योगिक अधोसंरचना का विकास एवं स्टार्टअप नीति आदि को लागू करना शामिल है।

100 क्लस्टर बनाने का है लक्ष्य

मध्यप्रदेश में इंडस्ट्री सेक्टर में क्षेत्रीय असंतुलन दूर करने और हजारों की संख्या में रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए मध्यप्रदेश सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग 100 एमएसएमई क्लस्टर विकसित करने की योजना पर काम कर रहा है। हर जिले में कम से कम एक क्लस्टर प्रस्तावित है, जिसमें एक ही तरह के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग शामिल हैं। वर्तमान में 31 राज्य क्लस्टर स्वीकृत किये गये हैं। 27 क्लस्टर स्वीकृति हेतु प्रक्रियाधीन है एवं 18 अन्य क्लस्टरों के लिये भूमि का चिन्हांकन किया जा चुका है। 31 स्वीकृत क्लस्टरों में 1625 विनिर्माण इकाईयां स्थापित होंगी, जिनमें लगभग रुपये 6 हजार 243 करोड़ से अधिक का निवेश प्राप्त होगा तथा 62 हजार 331 व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त हो सकेगा।

इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 100 करोड़ से अधिक का बजट

प्रदेश में अब तक औद्योगिक विकास चुनिंदा क्षेत्रों जैसे इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, देवास, पीथमपुर के आसपास होता रहा है, जिससे क्षेत्रीय असंतुलन रहा है। नए क्लस्टर खुलने से दूरदराज और छोटे शहरों, ब्लॉक तथा तहसील तक उद्योगों का विकास होगा। विभाग के पास एमएसएमई अधोसंरचना के लिए 129 करोड़ रुपये का बजट उपलब्ध है।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

क्लस्टर विकास योजना अंतर्गत स्वीकृत क्लस्टर

क्र.	जिला	नाम	क्षेत्रफल (हेक्टेयर)
1.	इंदौर	मेसर्स एस.एस. इन्फ्रास्ट्रक्चर (बहु उत्पाद क्लस्टर) ग्राम असरावद बुजुर्ग	7.549 (निजी भूमि)
2.	इंदौर	मेसर्स एजिस लाइफस्टाइल, (बहु उत्पाद क्लस्टर) ग्राम भांगिया	5.509 (निजी भूमि)
3.	इंदौर	मेसर्स व्यंकटेश इंडस्ट्रियल क्रिएशन प्रा.लि.(गामा औद्योगिक पार्क), (बहु उत्पाद क्लस्टर) इंदौर-उज्जैन हाईवे	12 (निजी भूमि)
4.	इंदौर	फर्नीचर क्लस्टर, बेटमाखुर्द	190.345 (शा. भूमि)
5.	इंदौर	मेसर्स त्रिमूर्ति डेवलर्स, (बहु उत्पाद क्लस्टर) ग्राम भांगिया, तहसील मल्हारगंज, इंदौर	6.821 (निजी भूमि)
6.	इंदौर	टॉय क्लस्टर रंगवासा, इंदौर	3.65 (शा. भूमि)
7.	इंदौर	मालवा वनस्पति एवं केमिकल लिमिटेड (फ्लैटेड उद्योग) भागीरथपुरा	9.584 (निजी भूमि)
8.	इंदौर	श्री वैष्णव msme इंडस्ट्रियल पार्क ग्राम राजोदा, तहसील सांवेर	2.135 (निजी भूमि)
9.	इंदौर	मेसर्स एस. एस. इंफ्रास्ट्रक्चर (खाद्य प्रसंस्करण क्लस्टर) ग्राम सोनगुराडिया, खुडेल (phase 2)	12.814 (निजी भूमि)
10.	इंदौर	सिद्धांचल इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड सिंधीबरोडा खुड़ैल (बहु उत्पाद क्लस्टर)	8.465 (निजी भूमि)
11.	इंदौर	मेसर्स एस डी टेलीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड (बहु उत्पाद क्लस्टर) असरावद बुजुर्ग खुड़ैल	13.554 (निजी भूमि)
12.	इंदौर	शिवाय इंडस्ट्रियल पार्क (सैम इंडस्ट्रीज लिमिटेड) इंदौर	9.75 (निजी)
13.	इंदौर	मेसर्स Accrual Realities Pvt Ltd बहु उत्पाद क्लस्टर ग्राम बरदारी इंदौर	6.294 (निजी)
14.	उज्जैन	प्लास्टिक क्लस्टर, नीमनवासा	2.933 (शा. भूमि)
15.	खंडवा	ग्रीन क्लस्टर (बहु उत्पाद क्लस्टर) ग्राम जलकुआं	3.23 (निजी भूमि)
16.	धार	बहुत उत्पाद क्लस्टर ग्राम अमझेरा, सरदापुर, धार	6.07 (शा. भूमि)
17.	नीमच	बहु उत्पाद क्लस्टर केसरपुरा, नीमच	5.65 (शा.भूमि)
18.	नीमच	बहु उत्पाद क्लस्टर सगराना, नीमच	9.99 (शा. भूमि)
19.	नीमच	बहु-उत्पाद क्लस्टर, दारु	17.26 (शा. भूमि)
20.	नीमच	बहु उत्पाद क्लस्टर दुधवा मनासा, नीमच	15 (शा.भूमि)
21.	बुरहानपुर	फेयर-डील एक्स्पोर्टर्स को-ऑपरेटिव सोसाइटी टेक्सटाइल क्लस्टर	23.02 (निजी भूमि)
22.	बुरहानपुर	टेक्सटाइल क्लस्टर, सुखपुरी	63.06 (शा. भूमि)
23.	बैतूल	वुडेन फर्नीचर क्लस्टर, कढ़ाई	20 (शा.भूमि)
24.	भोपाल	बहुमंजिला मेडिकल डिवाइस क्लस्टर आदमपुर रायसेन रोड	0.096 (निजी भूमि)
25.	भोपाल	चित्रांश सेल्स कॉर्पोरेशन, खाद्य प्रसंस्करण क्लस्टर	2.504 (निजी भूमि)
26.	मुरैना	बहु उत्पाद क्लस्टर मल्खानपुरा बानमोर, मुरैना	20.07 (शा. भूमि)
27.	राजगढ़	मां शैलपुत्री इंडस्ट्रियल एरिया, पीलूखेड़ी (बहुमंजिला औद्योगिक परिसर) ग्राम गीलाखेड़ी	0.093 (निजी भूमि)
28.	रायसेन	मेसर्स हैडवे लाइफ साइन्स (फ़ार्मा क्लस्टर), ग्राम बारला	2.851 (निजी भूमि)
29.	शिवपुरी	विशालाक्षी डेवलपर्स कंपनी ग्राम तानपुरा	2.08 (निजी भूमि)
30.	सीहोर	टॉय क्लस्टर बुधनी, सीहोर	6 (शा. भूमि)
31.	हरदा	बहुमंजिला बहु उत्पाद क्लस्टर	0.097 (निजी भूमि)

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना

प्रदेश में 1.32 करोड़ बहनों के परिवारों को मिली राहत

विदिशा, मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना ने प्रदेश की 1.32 करोड़ बहनों के परिवारों को राहत दी है। परिवार की छोटी-छोटी जरूरतों के लिए बहनों को चिंता नहीं करनी पड़ती। इस योजना में क्रमश: राशि बढ़ती जाएगी। बहनों की आंखों में आंसू नहीं होंगे। उन्हें इस योजना के माध्यम से सम्मान देने का कार्य भी किया गया है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा जिले के गंजबसौदा में आम नागरिकों को संबोधित करते हुए कहीं। कार्यक्रम को गृह एवं जेल मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में वे परिवार जो प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ लेने से छूट गए हैं, उन्हें मुख्यमंत्री जन आवास (लाड़ली बहना जन आवास) योजना का लाभ दिलवाया जाएगा। परिवारों को मुख्यमंत्री भू-आवासीय अधिकार योजना में पट्टे भी प्राप्त होंगे। आवास योजना के लिए प्रपत्र भरवाने का कार्य शुरू किया गया है।

श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने जहाँ 200 रुपये की कमी कर रसोई गैस सिलेंडर के दाम घटाए हैं, वहीं प्रदेश सरकार ने सावन का उपहार देते हुए उज्ज्वला योजना की हितग्राही बहनों को 450 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर दिलवाने का कार्य किया है। यही नहीं बिजली के बढ़े हुए बिलों का भुगतान भी सरकार द्वारा किया जाएगा। इसके लिए एक किलोवॉट क्षमता का विद्युत उपयोग करने वाले निर्धन परिवार पात्र होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान वर्ग के लिए राज्य सरकार ने वे सभी योजनाएं पुन: प्रारंभ कीं, जो पूर्व सरकार ने वर्ष 2019 में बंद कर दी थीं। जहां किसान सम्मान निधि के अंतर्गत केन्द्र और राज्य सरकार की तरफ से किसान को वर्ष में 12 हजार रुपये की राशि प्राप्त हो रही है, वहीं अब किसानों के बेटा-बेटी भी सरकारी स्कूल में अध्ययन के बाद नीट के माध्यम से एमबीबीएस पाठ्यक्रम में चयन के लिए 5 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान का लाभ लेकर डॉक्टर बनेंगे। इसी तरह मेडिकल और इंजीनियरिंग की हिंदी में पढ़ाई का प्रबंध किया गया है।

विश्व पर्यटन दिवस

भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में पर्यटन उद्योग का महत्वपूर्ण योगदान

प्रति वर्ष 27 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है। विश्व पर्यटन दिवस का उद्देश्य लोगों में पर्यटन के लिए जागरूकता पैदा करना और उन्हें पर्यटन के लिए प्रेरित करना है। पर्यटन ही वो माध्यम है जिससे लोग एक दूसरे की संस्कृति, कला रहन-सहन, आचार-विचार और खान-पान से जुड़ते हैं, उन्हें करीब से जानते, पहचानते और महसूस करते हैं। एक परिभाषा के अनुसार "पर्यटन एक आधुनिक शब्द है जो अंतर्राष्ट्रीय और देशीय दोनों पर्यटकों के लिए उपयोगी होता है। पर्यटन ऐसे लोगों के लिए होता है जो अपने सामान्य जीवन से बाहर निकलकर अलग-अलग स्थानों की यात्रा करते हैं। ये लोग आनंद के लिए यात्रा करते हैं और एक से दूसरे स्थान पर जाते हैं या एक ही स्थान पर बार-बार जाते हैं। इसमें वे आर्थिक गतिविधियों का हिस्सा बनते हैं।" वी.एस. हरमन- ऑस्ट्रेलियाई अर्थशास्त्री का कहना है कि ''पर्यटन परिचालन का कुल योग है, मुख्य रूप से एक आर्थिक प्रकृति, जो सीधे एक निश्चित देश, शहर या क्षेत्र के अंदर और बाहर विदेशियों के प्रवेश, रहने और आंदोलन से संबंधित है।''

1980 में हुई थी शुरुआत

विश्व पर्यटन दिवस का मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन की भावना को जगाना है, दुनिया भर के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना है। 27 सितंबर को मनाये जाने वाले विश्व पर्यटन दिवस की शुरुआत वर्ष 1980 में संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) के द्वारा हुई। इस दिन के चुनाव का मुख्य कारण यह था कि सन् 1970 में संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन ने स्पेन में अपने तीसरे सत्र में इसे एक दिवस के रूप में मनाने का फैसला लिया था। यूएनडब्ल्यूटीओ ने सितंबर 1979 के अंत में विश्व पर्यटन दिवस शुरू करने का निर्णय लिया था। पहली बार इसे 27 सितंबर, 1980 को मनाया गया था। द लेट इग्नेशियस अमदुवा अतिगबी नामक एक नाइजीरिया राष्ट्र ने सबसे पहले यह सुझाव दिया था कि प्रत्येक वर्ष 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाए जिसे संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) द्वारा स्वीकार कर लिया गया। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है जो जिम्मेदार, टिकाऊ और सार्वभौमिक रूप से सुलभ पर्यटन को बढ़ावा देती है। इसका मुख्यालय मैड्रिड, स्पेन में है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन की भूमिका पर्यटन में शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना भी है। विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) के अनुसार, डिजिटल प्रगति और नवाचार ज्यादा टिकाऊ और जिम्मेदार पर्यटन स्थान के साथ लगातार विकास को पूरा करने की चुनौती के समाधान का एक हिस्सा है।

हर वर्ष एक देश की मेजबानी

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन में वर्तमान में विश्व के 160 देश शामिल हैं। शुरुआत में विश्व पर्यटन दिवस का सामरोह सदस्य देशों द्वारा ही किया जाता था लेकिन इस्तांबुल टर्की में अक्टूबर 1997 को बारहवीं संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन महासभा ने यह फैसला लिया कि हर साल संगठन के किसी एक देश को विश्व पर्यटन दिवस मनाने के लिए सहयोगी रखा जायेगा, तभी से सदस्य देशों में से कोई एक देश इसकी मेजबानी करता है। साल 2019 में भारत को विश्व पर्यटन दिवस की मेजबानी करने का मौका मिला था। हर साल एक अलग थीम के साथ इस दिन को पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। विश्व पर्यटन दिवस 2023 में इसकी थीम ''पर्यटन और हरित निवेश'' है। इस बार विश्व पर्यटन दिवस का मेजबान है सऊदी अरब है।

अतिथि देवो भवः की संस्कृति

21वीं सदी की शुरुआत तक, अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधियों में से एक बन गया था, और इसका प्रभाव आर्कटिक से अंटार्कटिका तक तेजी से स्पष्ट हो रहा था। इसलिए पर्यटन का इतिहास अत्यधिक रुचि और महत्व का है। यह इतिहास 18वीं शताब्दी के अंत में पर्यटक शब्द के प्रचलन से बहुत पहले शुरू होता है। बात यदि भारत की करें अतिथि देवो भवः की संस्कृति वाले भारत में वर्षों पहले से ही विश्व भर के देशों की रुचि रही है। सोने की चिड़िया माने जाने वाले हमारे देश की समृद्ध संस्कृति, विरासत, कला, विविधता और विभिन्नता ने हमेशा से ही लोगों को आकर्षित किया है। कभी हमारे देश की अकूत सम्पति को लूटने की नियत से विदेशी भारत आये, तो कभी हमारे देश की धार्मिक संस्कृति का आकर्षण उन्हें भारत तक खींच लाया।

ऋषि मुनियों और तीर्थस्थानों का स्थल

भारत ऋषि-मुनियों और तीर्थस्थानों का देश है। ऐसे में भारत के पास आध्यात्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं रही हैं। तीर्थ यात्रा को बढ़ावा विशेषकर तब मिला जब अशोक और हर्ष जैसे सम्राटों ने तीर्थयात्रियों के लिये विश्रामगृह का निर्माण कार्य शुरू किया उन्हें हर तरह की सुविधा मुहैया कराई। अर्थशास्त्र में राज्य के लिये पर्यटन क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के महत्त्व को बताया गया है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में ऐसे अनेक उदाहरण देखने को मिलते हैं जिससे पता चलता है कि भारत में पर्यटक और पर्यटन की परम्परा बहुत प्राचीन है।

पर्यटन से अर्थव्यवस्था को मजबूती

वर्तमान में भारत में पर्यटन की अपार सम्भावनाएं हैं। विश्व पर्यटन दिवस ने इसे और भी गति प्रदान की है। भारत के 40 स्थल, विश्व विरासत सूची में (32 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और 1 मिश्रित स्थल) शामिल हैं, इस मामले में विश्व में भारत छठें स्थान पर है। साल 2021 में विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद की रिपोर्ट में 178.0 अरब अमेरिकी डॉलर के योगदान के साथ भारत का पर्यटन क्षेत्र विश्व सकल घरेलू उत्पादन (GDP) में अपने योगदान में छठें स्थान पर है। विदेशी मुद्रा के मामले में भारत के पर्यटन क्षेत्र ने वर्ष 2020 में 6.96 बिलियन अमेरिकी डॉलर की कमाई की। भारत विश्व आर्थिक मंच के यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक 2021 में 54वें स्थान पर था। पर्यटन उद्योग से भारत को लगभग 30 बिलियन डॉलर की विदेशी मुद्रा भी प्राप्त होती है। भारत में कुल विदेशी पर्यटकों के 1.23 फीसदी पर्यटक भी पर्यटन के लिए आते हैं। भारत पर्यटन की क्षेत्र में नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। विश्व पटल में भारत लगातार सुर्खियों में बना है। जी-20 की मेजबानी जैसी गतिविधियां निश्चित ही पर्यटन और पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। भारत का पर्यटन उद्योग आज भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में बड़ा योगदान दे रहा है।

बढ़े रोज़गार के अवसर

पर्यटन देश की अर्थव्यवस्था को तो सुदृण करता ही है साथ ही रोज़गार के अवसर भी उपलब्ध कराता है। इस क्षेत्र से 80 मिलियन से अधिक लोगों को रोज़गार मिलता है। भारत के कुल रोज़गार में पर्यटन क्षेत्र का योगदान 8.78% है. 2027 तक भारत का पर्यटन बाजार 125 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। भारत सरकार ने 2030 तक पर्यटन उद्योग के जरिए 56 बिलियन डॉलर विदेशी मुद्रा अर्जित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके साथ पर्यटन में अगले 7 साल में करीब 14 करोड़ नौकरियां मुहैया करने का भी लक्ष्य है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए केंद्र सरकार खास तौर से क्रूज पर्यटन, पारितंत्र पर्यटन और साहसिक पर्यटन पर ध्यान केंद्रित कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय चिकित्सा पद्धति के विकास ने चिकित्सा और स्वास्थ्य पर्यटन को भी बढ़ाया है। भारत सरकार का मानना है कि पर्यटन उद्योग में युवाओं के लिए नौकरियों और उद्यमिता के बड़े अवसर हैं। इस बार के बजट में पर्यटन मंत्रालय को 2400 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए इस बार के बजट में एक ऐप की भी घोषणा की गई है। इस ऐप से पर्यटकों के अनुभव को बढ़ाने के लिए भौतिक कनेक्टिविटी, वर्चुअल कनेक्टिविटी, ट्रैवल गाइड, फूड स्ट्रीट और पर्यटकों की सुरक्षा जैसे पहलुओं की जानकारी मिलेगी। निश्चित ही इससे देशी विदेशी पर्यटक आकर्षित होंगे।

पर्यटन में कॅरियर

विश्व भर में जहां पर्यटन और पर्यटकों को बढ़ावा दिया जा रहा है वहीं अब युवा भी इसे कॅरियर के रूप में अपना रहे हैं। हमारे देश में बारहवीं कक्षा के बाद इस विषय पर डिप्लोमा, डिग्री कोर्स उपलब्ध है। विद्यार्थी इन कोर्सों का अध्ययन कर पर्यटन के क्षेत्र में आसानी से कॅरियर बना सकते हैं। ट्रैवल गाइड का कोर्स करने के पश्चात आप एक टूर ऑपेरटर्स की जॉब प्राप्त कर सकते हैं, इसमें आपको पर्यटन स्थलों में टूर का संचालन और उसे मैनेज करने का कार्य करना होता है। इसके अलावा देश भर के सभी राज्यों में पर्यटन विभाग होते हैं, जो समय-समय पर रोज़गार उपलब्ध कराते हैं। इसके साथ ही विश्व के अनेक विश्वविद्यालय भी पर्यटन के क्षेत्र में कोर्सेज चला रहे हैं। ये कोर्स कर आसानी से पर्यटन के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी कॅरियर बनाया जा सकता है। विश्व पर्यटन दिवस जैसे आयोजनों ने पूरी दुनिया को एक दूसरे से जोड़ दिया है, उन्हें एक दूसरे के करीब ला दिया है, इसलिए इस क्षेत्र में सम्भावनायें भी लगातर बढ़ रही हैं।

- वीणा सबलोक पाठक
(लेखिका, विभिन्न आर्थिक, सामाजिक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करती हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये सामान्य ज्ञान- खेल

1. किस बल्लेबाज के नाम टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक बनाने का रिकॉर्ड है?
(अ) वीरेंद्र सहवाग
(ब) ब्रैंडन मैक्कुलम
(स) क्रिस गेल
(द) मिस्बाह उल हक

2. वर्ल्ड एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय हैं?
(अ) अंजू बॉबी जॉर्ज
(ब) कृष्णा पूनिया
(स) पीटी उषा
(द) इनमें से कोई नहीं

3. इस वर्ष किस भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने मलेशिया मास्टर्स खिताब जीता है?
(अ) किदांबी श्रीकांत
(ब) एच.एस. प्रणय
(स) लक्ष्य सेन
(द) समीर वर्मा

4. आईसीसी ने जुलाई माह के किस खिलाड़ी को महिला वर्ग में प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है?
(अ) हरमनप्रीत कौर
(ब) ग्रेस स्क्रीवंस
(स) एश्ले गार्डनर
(द) सिद्रा अमीन

5. इनमें से किस क्लब ने इस वर्ष लीग्स कप का खिताब जीता है?
(अ) क्रूज एज्लु (ब) इंटर मियामी
(स) सिएटल साउंडर्स
(द) इनमें से कोई नहीं

6. टोक्यो ओलिंपिक-2020 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हैं?
(अ) हरमनप्रीत सिंह
(ब) एसवी सुनील
(स) मनप्रीत सिंह
(द) पी.आर. श्रीजेश

7. अमेरिका के दिग्गज खिलाड़ी टाइगर वुड्स किस खेल के खिलाड़ी हैं?
(अ) बॉस्केटबॉल (ब) एथेलेटिक्स
(स) मुक्केबाजी (द) गोल्फ

8. डेविस कप किस खेल से संबंधित एक वैश्विक प्रतियोगिता है?
(अ) टेनिस (ब) क्रिकेट
(स) बास्केटबॉल (द) बैडमिंटन

9. महान फुटबॉलर डिएगो मैराडोना किस देश के खिलाड़ी रहे हैं?
(अ) ब्राजील (ब) अर्जेंटीना
(स) मैक्सिको (द) इटली

10 वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में किस विकेटकीपर ने सबसे ज्यादा स्टंपिंग की है?
(अ) महेंद्र सिंह धोनी
(ब) कुमार संगाकारा
(स) एडम गिलक्रिस्ट
(द) मार्क बाउचर

11. दीपक पूनिया ने किस वर्ष जूनियर विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है?
(अ) वर्ष 2016 (ब) वर्ष 2017
(स) वर्ष 2019 (द) वर्ष 2020

12. विश्व के दिग्गज फुटबॉलर गेब्रियल जीसस अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में किस देश के लिए खेलते हैं?
(अ) ब्राजील (ब) इंग्लैंड
(स) स्वीडन (द) कोलंबिया

13. मेहुली घोष किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करती हैं?
(अ) तैराकी (ब) निशानेबाजी
(स) तीरंदाजी (द) मुक्केबाजी

14. भारत में किस वर्ष राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया जा चुका है?
(अ) वर्ष 2004 (ब) वर्ष 2008
(स) वर्ष 2010 (द) वर्ष 2014

15. इनमें से किस महिला फुटबॉलर ने अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे ज्यादा गोल किए हैं?
(अ) एलेक्स मॉर्गन (ब) मार्टा
(स) कार्ली लॉयड
(द) क्रिस्टीन सिंक्लेयर

16. इनमें से किस देश ने इस वर्ष किंग्स कप फुटबॉल टूर्नामेंट जीता है?
(अ) इराक (ब) लेबनान
(स) म्यांमार (द) बांग्लादेश

17. सिनसिनाटी ओपन-2023 में महिला एकल वर्ग का खिताब किसने जीता है?
(अ) ओंस जेबयूर
(ब) कैरोलिना गार्सिया
(स) नाओमी ओसाका
(द) कोको गॉफ

18. पहले एशियाई खेलों का आयोजन किस शहर में किया गया था?
(अ) बीजिंग (ब) टोक्यो
(स) नई दिल्ली (द) क्वालालंपुर

19. वर्ष 2019 में किस देश ने रग्बी वर्ल्डकप जीता है?
(अ) न्यूजीलैंड (ब) द. अफ्रीका
(स) इंग्लैंड (द) ऑस्ट्रेलिया

20. फीफा वूमेन वर्ल्डकप-2023 में किस खिलाड़ी को सबसे ज्यादा गोल करने के लिए गोल्डन बूट पुरस्कार मिला है?
(अ) जेनिफर हर्मोसो (ब) लॉरेन जेम्स
(स) एलेक्जेंड्रा पोप
(द) हिनाता मियाजावा

21. वर्ष 2018 में राष्ट्रमंडल खेल किस शहर में आयोजित किए गए थे?
(अ) गोल्ड कोस्ट (ब) डरबन
(स) ग्लास्गो (द) क्वालालंपुर

22. भारत की पुरुष हॉकी टीम के वर्तमान मुख्य कोच हैं?
(अ) ग्राहम रीड (ब) क्रेग फुल्टन
(स) दिलीप टिर्की (द) विंसेंट वनाश

23. सुदीरमन कप किस खेल से संबंधित एक वैश्विक प्रतियोगिता है?
(अ) क्रिकेट (ब) हॉकी
(स) बैडमिंटन (द) स्क्वैश

24. इस वर्ष फ्रेंच ओपन में महिला एकल वर्ग में किस खिलाड़ी ने खिताब जीता है?
(अ) एश्ले बार्टी (ब) कोको गॉफ
(स) एलिस मर्टेंस (द) इगा सियतेक

25. भारत ने इस वर्ष इंटरकॉन्टिनेंटल कप के फाइनल में किस देश को हराकर खिताब जीता है?
(अ) लेबनान (ब) मंगोलिया
(स) चीन (द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर

1. (द), 2. (अ), 3. (ब), 4. (स), 5. (ब), 6. (स), 7. (द), 8. (अ), 9. (ब), 10. (अ), 11. (स), 12. (अ), 13. (ब), 14. (स), 15. (ए), 16. (अ), 17. (ए), 18. (स), 19. (ब), 20. (द), 21. (अ), 22. (ब), 23. (स), 24. (द), 25. (अ)।

- पुष्पेंद्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

कैसे करें राज्य सेवा (मुख्य) परीक्षा के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की तैयारी

पिछले कुछ वर्षों में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के पाठ्यक्रम में अत्यधिक बदलाव किये गये हैं। राज्य सेवा (मुख्य) परीक्षा के पाठ्यक्रम के चतुर्थ प्रश्न-पत्र में "दर्शनशास्त्र मनोविज्ञान एवं लोक प्रशासन से संबंधित विषय जोड़े गए हैं।

इस प्रश्न-पत्र के पाठ्यक्रम में दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान एवं लोक प्रशासन जैसे तीन बहुआयामी विषयों से संबंधित विभिन्न संकल्पनाओं को एक साथ संकलित कर प्रश्न-पत्र तैयार किया गया है। मुख्य परीक्षा में यह प्रश्न-पत्र संभवतः भावी लोक सेवकों में प्रशासनिक दक्षता, अभिक्षमता, सकारात्मक दृष्टिकोण, नैतिकता, प्रशासनिक कार्य कुशलता और श्रेष्ठ आचरण को विकसित करने के लिये सम्मिलित किया गया है। इसलिये इस प्रश्न-पत्र की तैयारी करते समय प्रतिभागियों को अपने दृष्टिकोण में इन तथ्यों को सम्मिलित रखना आवश्यक है।

राज्य सेवा (मुख्य) परीक्षा के चतुर्थ प्रश्न-पत्र में कुल पांच अध्याय है। प्रथम अध्याय पाश्चात्य एवं भारतीय दार्शनिक, विचारक और समाज सुधारकों पर आधारित है। तैयारी करते समय इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है कि पाठ्यक्रम में शामिल दार्शनिकों, विचारकों और समाज सुधारकों के संबंध में केवल सतही अध्ययन नहीं करना है। अच्छे अंक पाने के लिये इन दार्शनिकों के विचारों का अध्ययन दर्शनशास्त्र के दृष्टिकोण से किया जाना आवश्यक है। इसलिये इन विचारकों के विचारों को गहराई से समझना चाहिए। अलग-अलग दर्शनिकों और विचारकों के कुछ मूलभूत और सार्वभौमिक सिद्धांत होते हैं, इन सिद्धांतों को बारीकी से समझना जरूरी है। इसके साथ ही अलग-अलग दर्शनिकों और विचारकों के सिद्धांतों और विचारों का तुलनात्मक अध्ययन किया जाना भी परीक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। इन विचारकों के बारे में अध्ययन करते समय आलोचनात्मक न होकर समालोचनात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

द्वितीय अध्याय तर्कशास्त्र पर आधारित है जिसमें मनोवृत्ति, अभिक्षमता, सांवेगिक बुद्धि लोक सेवकों की योग्यताएं और व्यक्तिगत विभिन्नताएं जैसे विषयों को सम्मलित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य लोक सेवकों में प्रशासनिक समझ, तर्क आधारित निर्णयन क्षमता और नैतिक सदगुणों को विकसित करना है। इस अध्याय से संबंधित प्रश्नों को हल करते समय परिक्षार्थी को एक लोक सेवक के दृष्टिकोण से सोचना आवश्यक है। इस अध्याय में एक तरफ जहां लोक सेवा से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण सिद्धांत हैं, जो कभी भी परिवर्तनशील नहीं हैं, इसलिये उनसे संबंधित प्रश्नों के उत्तर आदर्शात्मक ढंग से लिखना ही ठीक है वहीं दूसरी तरफ कुछ ऐसे विषय भी हैं जो परिस्थिति जन्य हैं, उनमें संबंधित प्रश्नों के उत्तर तर्कशास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों का पालन करते हुए ही लिखना चाहिए। जैसे लोक सेवकों के लिए आधारभूत योग्यताएं सैद्धांतिक है, जबकि मनोवृत्ति पूर्वाग्रह, संप्रेषण एवं अभिक्षमता से संबंधित प्रश्न परिस्थितियों के अनुसार और परिक्षार्थियों के विचारों के अनुसार परिवर्तनशील और भिन्न-भिन्न हो सकते हैं।

अध्याय तीन नीतिशास्त्र और लोक प्रशासन से संबंधित है। इस अध्याय में सम्मिलित विषयों को प्रशासनिक दृष्टि से गहराई से समझना आवश्यक है, ताकि इससे संबंधित प्रश्नों का सटीक उत्तर लिखा जा सके। इसमें सम्मिलित लोक सेवकों हेतु आचरण संहिता और प्रशासन में नैतिक मूल्य संबंधी प्रश्नों के उत्तर सैद्धान्तिक के साथ-साथ वर्तमान परिवेश के अनुरूप व्यवहारिक भी रखना चाहिए और जहां तक संभव हो उत्तर में मौलिकता का समावेश होना चाहिए। इसके साथ ही भ्रष्टाचार निवारण से संबंधित विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं, कानूनों, नियमों और संगठनों का भी विस्तारपूर्वक अध्ययन किया जाना आवश्यक है। नागरिक घोषणा पत्र और लोक सेवा गारंटी जैसे विषयों का अध्ययन भी इस संदर्भ में लाभकारी सिद्ध होगा।

चतुर्थ प्रश्न-पत्र का चौथा अध्याय लोकपाल और लोकायुक्त आदि से संबंधित है। वहीं पांचवें अध्याय में केस स्टडी को सम्मिलित किया गया है। संपूर्ण प्रश्न पत्र के पाठ्यक्रम से संबंधित केस स्टडी को सम्मिलित किया गया है। केस स्टडी से संबंधित प्रश्नों के सही उत्तर देने के लिये आवश्यक है कि संपूर्ण पाठ्यक्रम का गहराई से अध्ययन किया गया हो जिससे विभिन्न विषयों पर समुचित समझ विकसित हो सके। केस स्टडी से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देने में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए कि आपका उत्तर केस स्टडी के मूल उद्धरण की नकल न हो। केस स्टडी के प्रश्न को अच्छी तरह समझकर उत्तर लिखना चाहिए और उत्तर का मूल भाव मौलिक होना चाहिए। केस स्टडी से संबंधित विषयवस्तु को पाठ्यक्रम में इसलिये सम्मिलित किया गया है, ताकि विभिन्न परिस्थितियों में आपकी प्रशासनिक और निर्णयन क्षमता की पहचान की जा सके। इसलिए इससे संबंधित उत्तर लिखते समय आपको बिना अपनी मनोवृत्ति से प्रभावित हुए निष्पक्षतापूर्ण और प्रशासनिक दृष्टिकोण से उत्तर लिखना चाहिए।

दर्शनशास्त्र मनोविज्ञान एवं लोक प्रशासन से संबंधित विषय-वस्तु थोड़ी अलग और नई है। परीक्षा में कुछ छोटे-छोटे लघु उत्तरीय प्रश्न भी पूछे जाते हैं। जिनके उत्तर आपको सीमित और कम शब्दों में लिखना होते हैं। ये लघु उत्तरीय प्रश्न विस्तृत पाठ्यक्रम के भीतर से ही लिये जाते हैं। इसलिए पाठ्यक्रम का समग्र और गहराई से अध्ययन किया जाना आवश्यक है ताकि सभी प्रश्नों के उत्तर सुगमता से लिखे जा सकें। राज्य सेवा मुख्य परीक्षा का चतुर्थ प्रश्नपत्र एक स्कोरिंग प्रश्नपत्र है। इसका सिलेबस छोटा है, अगर संपूर्ण सिलेबस को अच्छे से और गहराई से पढ़ लिया जाये तो इस प्रश्नपत्र में अच्छे अंक प्राप्त किये जा सकते हैं।

- डॉ. जीवन एस. रजक

(लेखक, संयुक्त कलेक्टर हैं, एवं "दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान एवं लोक प्रशासन" पुस्तक के लेखक हैं।)

मेक इन इंडिया पहल के 9 वर्ष पूरे

भारत को मैन्युफैक्चरिंग पॉवर हाउस के रूप में देख रही है दुनिया

भारत में 9 साल पहले जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'मेक इन इंडिया' पहल की शुरुआत की थी, तब किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि महज कुछ ही वर्षों में हमारा देश न केवल मेक इन इंडिया के क्षेत्र में रिकॉर्ड बनाते हुए आगे बढ़ेगा, बल्कि विश्व के लिए 'मेक फॉर द ग्लोब' के मंत्र को तेजी से आत्मसात कर रहा है। आंकड़ों को देखें तो ऐसा प्रतीत होता कि भारत को एक ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के जिस उद्देश्य के साथ मेक इन इंडिया पहल की शुरुआत की गई थी, वो आज सार्थक होता नजर आ रहा है। भारत आज न सिर्फ देश में निर्माण कर रहा है बल्कि दूसरे देशों में भी मेक इन इंडिया प्रोडक्ट्स निर्यात कर रहा है। मेक इन इंडिया पहल को सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार द्वारा कई उपाय किए गए हैं। सुधार के इन उपायों में कानून में संशोधन, अनावश्यक होने वाली परेशानियों के बोझ कम करने के लिए दिशानिर्देशों को उदार बनाना, लागत में कमी लाना तथा भारत में व्यवसाय करने की सुगमता बढ़ाना शमिल है। नियमों को सरल बनाया गया है, डिजिटाइजेशन के जरिये काफी प्रक्रियाओं को कम कर दिया गया है। इससे भारत में व्यवसाय करना और अधिक आसान बन गया है।

आइए पहले मेक इंडिया के कुछ प्रमुख सवालों पर नजर डालते हैं :-

प्र. मेक इन इंडिया की शुरुआत कब और किसके द्वारा की गई थी?

उत्तर- राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के विज्ञान भवन में 25 सितंबर, 2014 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत के निर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मेक इन इंडिया पहल की शुरुआत की गई थी।

प्र. मेक इन इंडिया में कितने सेक्टर निर्धारित किए गए हैं?

उत्तर-मेक इन इंडिया पहल में अर्थव्यवस्था के 27 प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया है जिसमें ऑटो अवयव, ऑटोमोबाइल, विमानन, जैव प्रौद्योगिकी, रसायन, निर्माण रक्षा उत्पादन, विद्युत मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन और निर्माण, खाद्य प्रसंस्करण, आईटी एवं बीपीएम, चमड़ा, मीडिया एवं मनोरंजन, खदान (माइनिंग), तेल एवं गैस, फार्मास्यूटिकल्स, बंदरगाहों एवं नौवहन (पोर्ट्स एंड शिपिंग), रेलवे, सड़क एवं राजमार्ग, नवीकरणीय ऊर्जा, अंतरिक्ष, वस्त्र एवं फाइबर, थर्मल पावर, पर्यटन एवं आतिथ्य और वेलनेस जैसे सेक्टर हैं।

प्र. मेक इन इंडिया का उद्देश्य क्या है?

उत्तर- मेक इन इंडिया का उद्देश्य निवेश को सुविधाजनक बनाना, नवप्रयोग को बढ़ावा देना, कौशल विकास में वृद्धि करना, बौद्धिक संपदा को सुरक्षा देना और सर्वोत्तम श्रेणी का मैन्युफैक्चरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर निर्मित करना है।

प्र. इस अभियान के प्रमुख स्तंभ कौन से हैं?

उत्तर- इसके प्रमुख चार प्रमुख स्तंभ हैं। पहला स्तंभ है नई प्रक्रियाएं : 'मेक इन इंडिया' पहल उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को एकमात्र सबसे महत्वपूर्ण कारक के रूप में मान्यता देती है, जिसके लिये पहले ही कई पहलें की जा चुकी हैं। इसका उद्देश्य व्यवसाय की संपूर्ण अवधि में इस क्षेत्र को लाइसेंस और विनियमन से मुक्त करना है। दूसरा स्तंभ है नई अवसंरचना : इस क्षेत्र का विस्तार करने के लिये सरकार ने औद्योगिक गलियारों का निर्माण, मौजूदा बुनियादी ढांचे का उन्नयन और त्वरित पंजीकरण प्रक्रिया प्रदान करने की योजना बनाई है। तीसरा स्तंभ है नए क्षेत्र : "मेक इन इंडिया" द्वारा विनिर्माण, बुनियादी ढांचे और सेवा गतिविधियों के लिये कई उद्योगों की पहचान की गई है तथा एक इंटरैक्टिव वेब पेज के साथ अन्य माध्यमों से इस

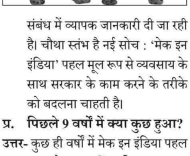

संबंध में व्यापक जानकारी दी जा रही है। चौथा स्तंभ है नई सोच : 'मेक इन इंडिया' पहल मूल रूप से व्यवसाय के साथ सरकार के काम करने के तरीके को बदलना चाहती है।

प्र. पिछले 9 वर्षों में क्या कुछ हुआ?

उत्तर- कुछ ही वर्षों में मेक इन इंडिया पहल एक योजना नहीं, बल्कि राष्ट्र का अभियान बन गयी। मैन्युफैक्चरिंग में सबसे आगे रहने की दिशा में भारत लगातार काम कर रहा है। पिछले नौ वर्षों में मेक इन इंडिया के माध्यम से भारत ने घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए वस्तु और सेवा कर की शुरुआत, कॉर्पोरेट कर में कमी, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार सहित कई सुधार किए हैं। सेमी कंडक्टर से लेकर एयरक्राफ्ट तक, हर क्षेत्र में आगे रहने की दिशा में स्पीड और स्केल के साथ बढ़ते भारत में सामान्य जरूरत की वस्तुएं ही नहीं बल्कि रक्षा में भी मेक इन इंडिया को बढ़ावा दिया जा रहा है। मिसाइल से लेकर हल्के युद्धक हेलीकॉप्टर तक, असॉल्ट राइफल से लेकर ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट तक सभी मेक इन इंडिया हो गए। रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के लिए रक्षा खरीद के कुल बजट में करीब 75 प्रतिशत पैसा भारतीय कंपनियों और भारत के लोगों द्वारा बनाई गई वस्तुओं के लिए आरक्षित किया गया है।

आपदा में भी भारत ने बुलंद किया अपना झंडा, बनाई नई राह

जब पूरी दुनिया में कोरोना महामारी की वजह से आर्थिक गतिविधियां कमजोर पड़ने लगी थी तब प्रधानमंत्री ने भारत में आपदा को अवसर में बदलने का मंत्र दिया था। आपदा के दौरान आत्मनिर्भर पैकेज, करीब 1.97 करोड़ रुपये के बजट के साथ 14 क्षेत्रों में उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम की शुरुआत, राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन, मुद्रीकरण पाइपलाइन के तहत निवेश के अवसर, भारतीय औद्योगिक भूमि बैंक, औद्योगिक पार्क रेटिंग प्रणाली, राष्ट्रीय सिंगल विंडो सिस्टम के अलावा सभी मंत्रालय और विभागों में परियोजना विकास प्रकोष्ठ के रूप में निवेश में तेजी लाने के लिए एक संस्थागत तंत्र स्थापित किया गया।

मेक इन इंडिया की उपलब्धियां

मेक इन इंडिया की दुनियाभर में मांग बढ़ी है। 2013-14 की तुलना में 2022-23 के कुल निर्यात की बात करें तो इसमें करीब 74 फीसदी की वृद्धि देखी गई है। 2013-14 में देश का कुल निर्यात 446 अरब डॉलर था, जोकि 2022-23 में बढ़कर 776 अरब डॉलर के आंकड़े पर पहुंच गया है। वहीं गुड्स (माल) के निर्यात पर नजर डालें तो 2013-14 में यह 314.4 अरब डॉलर था, जो 2022-23 में बढ़कर 450.4 अरब डॉलर पर आ गया है, यानी इसमें लगभग 44 फीसदी का उछाल आया है।

रक्षा निर्यात उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। 2013-14 में रक्षा उत्पादों का निर्यात 1153 करोड़ रुपये था लेकिन 2022-23 में यह 15,920 करोड़ रुपये के आंकड़े पर आ गया है यानी इस क्षेत्र में करीब 14 गुना वृद्धि हुई है। भारत अपने रक्षा उपकरणों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता की तरफ अग्रसर होने के साथ ही बड़े निर्यातक के रूप में उभर रहा है। भारत ने वित्त वर्ष 2022-23 में 15 हजार 920 करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात कर उच्चतम स्तर का एक नया रिकॉर्ड बनाया है। यह वर्ष 2016-17 के मुकाबले 10 गुना से ज्यादा है।

वहीं अगर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की बात करें तो मेक इन इंडिया के कारण 2014-22 के बीच में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में वर्ष 2006-14 के आठ वर्षों के मुकाबले 57% की वृद्धि हुई है। हाल के वर्षों में किए गए आर्थिक सुधार और व्यवसाय करने की सुगमता की बदौलत भारत 100 बिलियन एफडीआई आकर्षित करने की राह पर है। मेक इन इंडिया कार्यक्रम के कारण खिलौना उद्योग में 2013 के मुकाबले 2022 में 636 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2018-19 में देश में 2960 करोड़ रुपये के बराबर के खिलौनों का आयात हुआ था। अब इसमें 70 फीसदी से अधिक की गिरावट देखने को मिली है, यह 877 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

देश को आत्मनिर्भर बनाने में मध्यप्रदेश दे रहा पूरा योगदान

मध्यप्रदेश आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए पूरी ताकत से काम कर रहा है। प्रदेश के स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में उनकी ब्रांडिंग तथा मार्केटिंग के लिए मध्यप्रदेश प्रत्येक जिले का एक विशिष्ट उत्पाद चिन्हित करने का कार्य प्रारंभ किया गया है। मध्यप्रदेश उन अग्रणी राज्यों में शामिल है, जो स्टार्ट-अप के लिए विश्व स्तरीय इकोसिस्टम प्रदान करते हैं। स्टार्ट-अप ब्लिंक की रिपोर्ट के अनुसार देश में इंदौर 14वें स्थान पर और भोपाल 29वें स्थान पर है। मध्यप्रदेश के 2500 से अधिक स्टार्ट-अप भारत सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग में पंजीकृत हैं। देश में स्टार्ट-अप आंदोलन को गति देने और आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप 2023 के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, राज्य सरकार ने एमपी स्टार्ट-अप नीति और कार्यान्वयन योजना 2022 शुरू की है। प्रदेश में एयरोस्पेस, रक्षा निर्माण और संबंधित सेवा उद्योग स्थापित करने के लिये मध्यप्रदेश सरकार तत्परता से कार्य कर रही है। जबलपुर, इटारसी और कटनी जैसे स्थापित रक्षा उत्पादन केंद्रों के साथ मध्यप्रदेश, देश का एक महत्वपूर्ण रक्षा उपकरण निर्माण स्थल है।

- रश्मि रंजन

(लेखिका, समसामयिक विषयों पर लेखन करती हैं।)

फीफा वार्षिक पुरस्कारों के लिए 12 खिलाड़ी किए नामांकित

ज्यूरिख, विश्व में फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने विभिन्न श्रेणियों के तहत दिए जाने वाले वार्षिक पुरस्कारों के लिए नामांकित खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। फीफा ने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबॉलर पुरस्कार के लिए 12 खिलाड़ियों को नामांकित किया है। इनमें लियोनल मेसी, किलियन एम्बाप्पे, इर्लिंग हॉलैंड, जुलियन अल्वारेज, मार्सेलो ब्रोजोविक, केविन डि ब्रूयून, इकेई गुंडोगन, रोड्री, रिचर्ड वारास्तिलिया, विक्टर ओस्मिहेन, डेक्लेन राइस और बर्नाडो सिल्वा शामिल हैं। वहीं महिला वर्ग में हिनाता मियाजावा और ऐटाना बोनामाटी सहित 12 खिलाड़ियों को नामांकन मिला है। फीफा ने इसके अलावा सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर और सर्वश्रेष्ठ कोच वर्ग में भी नामांकन जारी किए हैं। ये पुरस्कार वर्ष 2024 की शुरुआत में घोषित किए जायेंगे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में लियोनल मेसी को सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबॉलर का पुरस्कार मिला था।

खेल अलंकरण समारोह

अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों को मिलेगी दोगुनी इनामी राशि

भोपाल, ओलिंपिक गेम्स, एशियन गेम्स एवं अन्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक अर्जित करने वाले खिलाड़ियों को दोगुनी पुरस्कार राशि मिलेगी। इन खेलों में चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को भी पुरस्कार राशि दी जाएगी। राज्य के खेल पुरस्कार एकलव्य 15 से बढ़ाकर 20 खिलाड़ियों को, विक्रम पुरस्कार 12 से बढ़ाकर 20 एवं विश्वामित्र पुरस्कार 3 से बढ़ाकर 5 प्रशिक्षकों को दिये जायेंगे। ये घोषणाएं मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में मध्यप्रदेश खेल अलंकरण समारोह में खिलाड़ियों को सम्मानित करने के बाद की।

महानिदेशक खेल का पद होगा निर्मित

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में खेल गतिविधियों का निरंतर विकास हुआ है। खेलों की अधोसंरचना का विस्तार हो रहा है। इसके सुव्यवस्थित संचालन के लिये खेल विभाग के अमले की पुनर्संरचना की जायेगी। साथ ही महानिदेशक खेल का पद भी सृजित किया जाएगा। खेल अकादमी के मुख्य तकनीकी सलाहाकारों, प्रशिक्षकों आदि अमले की सेवा शर्तों को और उपयोगी बनाया जाएगा तथा उनके मानदेय में भी वृद्धि की जायेगी।

वर्ष 2022 के पुरस्कार

एकलव्य पुरस्कार - आस्था दांगी क्याकिंग-केनोइंग भोपाल, अमन सिंह बिष्ट बॉक्सिंग भोपाल, प्रज्ञा सिंह फेंसिंग भोपाल, रितिका दांगी सेलिंग राजगढ़, अभिषेक परिहार सॉफ्ट टेनिस देवास, दीपेश लश्करी जिम्नास्टिक उज्जैन, पलक शर्मा तैराकी इंदौर, आशी चौकसे शूटिंग भोपाल, खुशबू हॉकी ग्वालियर, सौम्या तिवारी क्रिकेट भोपाल, इन्द्रजीत नागर मल्लखम्ब उज्जैन।

विक्रम पुरस्कार - आदित्य दुबे सॉफ्ट टेनिस देवास, नीतू वर्मा क्याकिंग-केनोइंग सीहोर, भूरक्षा दुबे वूशु अशोकनगर, प्रगति दुबे शूटिंग रायसेन, राजू सिंह घुड़सवारी भोपाल, सुबोध चौरसिया सॉफ्टबाल इंदौर, आवेश खान क्रिकेट इंदौर, नीरज राणा हॉकी ग्वालियर, धनंजय दुबे टेनिस दिव्यांग ग्वालियर, राजवीर सिंह पंवार मल्लखम्ब उज्जैन।

विश्वामित्र पुरस्कार - श्रीमती रश्मि मालवीय बैडमिंटन भोपाल।

लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार- श्री अनिल धूपर टेनिस इंदौर।

श्री चौहान ने कहा कि नाथू बरखेड़ा में निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में क्रिकेट स्टेडियम के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्वीमिंगपुल और सायकलिंग वेलोड्रोम का निर्माण किया जायेगा। उन्होंने प्रदेश के खिलाड़ियों को सौगात देते हुए प्रत्येक विभाग में खिलाड़ी कोटे से भर्ती के लिये पद आरक्षित किये जाने की घोषणा की।

इलावेनिल ने निशानेबाजी विश्वकप में जीता स्वर्ण पदक

रियो डि जेनेरियो, भारत की युवा निशानेबाज इलावेनिल वलारिवान ने ब्राजील में आयोजित आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता है। इलावेनिल ने यह पदक महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में जीता है। इस स्पर्धा के फाइनल में इलावेनिल ने 252.2 अंक अर्जित कर पहला स्थान हासिल किया। इलावेनिल ने फाइनल में सभी 24 शॉट में कम से कम 10.1 अंक हासिल किए।

दक्षिण अफ्रीका ने 3-2 से जीती वन-डे मैच सीरीज

जोहानिसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को वन-डे सीरीज में 3-2 से करारी मात दी है। दक्षिण अफ्रीका ने वन-डे सीरीज के आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया को 122 रन से हराया। सीरीज के पांचवें और आखिरी मैच में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट खोकर 315 रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका के लिए एडेन मार्कम ने सर्वाधिक 93 रनों की पारी खेली, वहीं डेविड मिलर ने 63 रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत खराब रही। इसके बाद मिशेल मार्श (70) और मार्नस लाबुशेन (44) ने ऑस्ट्रेलियाई पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिए 90 रन जोड़े, लेकिन इन दोनों बल्लेबाजों के आउट होते ही ऑस्ट्रेलियाई पारी बिखर गई। ऑस्ट्रेलिया की टीम 34.1 ओवर में 193 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।

डायमंड लीग फाइनल

नीरज चोपड़ा ने जीता रजत पदक

यूजीन, भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा डायमंड लीग फाइनल्स में अपना खिताब बरकरार रखने से चूक गए। यूजीन में आयोजित डायमंड फाइनल्स में नीरज भालाफेंक स्पर्धा में मामूली अंतर से दूसरे स्थान पर रहे। इस प्रदर्शन के चलते नीरज को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक चेक गणराज्य के जैकब वादलेज्च ने जीता।

पिछले साल के डायमंड लीग चैम्पियन नीरज इस बार फाइनल में लय में नजर नहीं आये। फाइनल के दौरान नीरज को मौसम की वजह से भी संघर्ष करना पड़ा। इस सीजन में यह पहला अवसर है जब नीरज 85 मीटर की दूरी तय नहीं कर पाए हैं। फाइनल में नीरज की शुरुआत खराब रही। उनका पहला अटैम्प फाउल रहा। उन्होंने दूसरे प्रयास में 83.80 की दूरी तय की, जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। इसके बाद नीरज ने तीसरे अटैम्प में 81.37 मीटर का स्कोर किया। नीरज का चौथा प्रयास फाउल रहा, जबकि पांचवें प्रयास में नीरज 80.74 मीटर और छठवें तथा आखिरी प्रयास में 80.90 मीटर का थ्रो ही कर सके।

- जैकब वादलेज्च तीसरी बार डायमंड लीग में भालाफेंक के चैम्पियन बने।
- नीरज चोपड़ा ने इस वर्ष विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में जीता है स्वर्ण पदक।
- एशियाई खेलों में नीरज भालाफेंक खेल में स्वर्ण पदक के सशक्त दावेदार हैं।

कार्लोस सेंज ने जीती सिंगापुर ग्रां प्री रेस

सिंगापुर, स्पेनिश कार रेसर कार्लोस सेंज ने सिंगापुर ग्रां प्री फॉर्मूला-वन रेस में जीत दर्ज की है। कार्लोस सेंज इस सत्र में रेस जीतने वाले तीसरे रेसर हैं। सेंज से पहले मैक्स वर्स्टपेन और सर्जियो पेरेज ही इस सत्र में रेस जीतने में सफल रहे हैं। कार्लोस सेंज ने 62 लैप की सिंगापुर ग्रां प्री रेस को एक घंटा 46 मिनट 37 सेकेंड में पूरा किया। रेस में लेंडो नॉरिस दूसरे, लुईस हैमिल्टन तीसरे और चार्ल्स लेकलर्क चौथे स्थान पर रहे। इस चैम्पियनशिप में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले मैक्स वर्स्टपेन इस रेस में लयहीन नजर आये और पांचवें स्थान पर रहे। इस हार के बावजूद वर्स्टपेन ने ड्राइवर चैम्पियनशिप में अपनी बढ़त को मजबूत बनाए रखा है। वर्स्टपेन 374 अंकों के साथ सबसे आगे चल रहे हैं। वर्स्टपेन ने इस सत्र में 15 में से 12 रेस जीती हैं।

क्रिस्टी ने जीता हांगकांग ओपन बैडमिंटन खिताब

हांगकांग, इंडोनेशिया के युवा शटलर जोनाथन क्रिस्टी ने हांगकांग ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में क्रिस्टी ने जापान के केंटा निशिमोटो को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 12-21, 22-20, 21-18 से हराया। फाइनल मैच में पहला गेम निशिमोटो ने आसानी से जीता, वहीं क्रिस्टी ने दूसरे सेट में जबरदस्त पलटवार किया और कड़े मुकाबले में 22-20 से सेट जीता। तीसरे गेम में निशिमोटो अपनी लय बरकरार नहीं रख सके। तीसरे गेम को जोनाथन क्रिस्टी ने 21-18 से जीतकर खिताब पर कब्जा जमाया।

टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग का खिताब जापान की अकाने यामागुची ने जीता। यामागुची ने फाइनल में चीन की झांग यिमान को 21-18, 21-15 से हराया। मैच के पहले गेम में यिमान ने यामागुची को कड़ी टक्कर दी, लेकिन दूसरे गेम में यामागुची के तेज-तर्रार खेल के सामने यिमान टिक नहीं सकीं।

डेविस कप

भारत ने मोरक्को को 4-1 से दी मात

लखनऊ, भारत ने डेविस कप के विश्व ग्रुप-1 प्लेऑफ में जगह बना ली है। डेविस कप के विश्व ग्रुप-2 में भारत ने मोरक्को को 4-1 से हराया। इस जीत के साथ भारतीय टेनिस टीम ने अपने स्टार खिलाड़ी रोहन बोपन्ना को यादगार विदाई दी।

टूर्नामेंट में एकल राउंड के पहले मैच में भारत के शशिकुमार मुकुंद का सामना मोरक्को के यासीन लिमी से हुआ। मुकाबले में दोनों खिलाड़ी एक-एक सेट जीतकर बराबरी पर थे, तभी शशिकुमार चोटिल हो गए और मुकाबले से हट गए इसके बाद दूसरे एकल मुकाबले में सुमित नागल ने एडम मौडिर को 6-3, 6-3 से हराकर भारत को मुकाबले में बराबरी पर ला दिया।

इसके बाद युगल राउंड में भारत के रोहन बोपन्ना और युकी भांबरी की जोड़ी का सामना मोरक्को के इलियट बेंचेट्रिट और यूनुस लालामी की जोड़ी से हुआ। अपना आखिरी डेविस कप मुकाबला खेल रहे बोपन्ना ने भांबरी के साथ मिलकर आक्रामक खेल दिखाया और मोरक्कन जोड़ी को टिकने का मौका नहीं दिया। भारतीय जोड़ी ने पहला सेट 6-2 से जीता, वहीं दूसरा सेट 6-1 से अपने नाम किया। भारतीय टेनिस खिलाड़ियों ने डेविस कप मुकाबले के रिवर्स एकल राउंड में भी शानदार प्रदर्शन किया। पहले सुमित नागल ने यासीन लिमी को 6-3, 6-3 से हराया। वहीं दूसरे रिवर्स एकल मुकाबले में दिग्विजय प्रताप सिंह ने वालिद आहुदा को रोमांचक अंदाज में 6-1, 5-7, 10-6 से हराया।

- डेविस कप को टेनिस का विश्वकप भी कहा जाता है।
- डेविस कप का आयोजन वर्ष 1900 से किया जा रहा है, अमेरिका सर्वाधिक 32 बार बना है चैम्पियन।
- रोहन बोपन्ना ने वर्ष 2002 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था पहला डेविस कप मुकाबला।

एशिया कप

श्रीलंका को 10 विकेट से हराकर भारत बना चैम्पियन

कोलंबो, भारतीय क्रिकेट टीम एशियाई क्रिकेट की नई चैम्पियन बन गई है। भारत ने फाइनल में श्रीलंका को 10 विकेट से हराकर एशिया कप का खिताब जीता है। भारत के लिए तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने घातक गेंदबाजी की और 21 रन देकर 6 विकेट लिए। भारत ने यह मैच 263 गेंद शेष रहते जीत लिया।

मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। भारतीय तेज गेंदबाजों ने श्रीलंका के बल्लेबाजी क्रम को झकझोर दिया। मैच में पहला विकेट जसप्रीत बुमराह ने लिया, इसके बाद मोहम्मद सिराज ने श्रीलंकाई बल्लेबाजों की जमकर खबर ली। सिराज ने एक ओवर में 4 विकेट झटककर श्रीलंकाई टीम को बैकफुट पर ला दिया। श्रीलंकाई टीम महज 15.2 ओवरों में 50 रन के स्कोर पर ऑल आउट हो गई। भारत के लिए सिराज के अलावा हार्दिक पंड्या ने 3 और जसप्रीत बुमराह ने 1 विकेट लिया।

आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को शुभमन गिल और ईशान किशन ने बिना कोई विकेट गंवाए महज 6.1 ओवर में टारगेट तक पहुंचा दिया।

सिराज ने बनाया रिकॉर्ड

एशिया कप के फाइनल में मोहम्मद सिराज ने नया रिकॉर्ड बनाया है। सिराज वन-डे मैच में एक ओवर में चार विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। मोहम्मद सिराज को इस शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

- भारत ने सबसे ज्यादा आठ बार जीता है एशिया कप।
- भारत वर्ष 1984, 1988, 1991, 1995, 2010, 2016 और 2018 में भी बना है चैम्पियन।
- श्रीलंका ने छह बार और पाकिस्तान ने दो बार जीता है एशिया कप।
- वन-डे क्रिकेट में लक्ष्य का पीछा करते हुए और 263 गेंद शेष रहते हुए यह सबसे बड़ी जीत है।
- भारत एशिया कप के फाइनल में 10 विकेट से जीत दर्ज करने वाला पहला देश बना।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

आदित्य-एल-1 वैज्ञानिक डाटा एकत्र करना शुरू

सूर्य का अध्ययन करने लगभग 15 लाख किलोमीटर के सफर पर निकला आदित्य-एल-1 अभी पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र में ही है। पृथ्वी की कक्षाओं में रहने के दौरान "आदित्य" के उपकरण द्वारा एकत्र किया गया डाटा वैज्ञानिकों को पृथ्वी के आसपास के कणों के व्यवहार का विश्लेषण करने में मदद करेगा। इसरो ने बताया कि "आदित्य में लगे उपकरण सुप्रा थर्मल एंड एनर्जेटिक पार्टिकल स्पेक्ट्रोमीटर (स्टेप्स) के सेंसर ने सुपर थर्मल और ऊर्जावान आयनों और इलेक्ट्रानों को मापना शुरू कर दिया है। इसे 10 सितंबर को पृथ्वी से 50 हजार किमी से अधिक दूरी पर सक्रिय किया गया था।

नासा ने खींची सूर्य की मनमोहक तस्वीरें

भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने आदित्य- एल-1 यान को सूर्य की तरफ भेजा है। यह यान तीन महीनों में सूर्य से 15 लाख किलोमीटर दूर पहुंचकर पांच सालों तक उसका अध्ययन करेगा। मंगल, शुक्र और चन्द्रमा की तरह सूर्य भी अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के लिए पहेली है। दुनियाभर के वैज्ञानिक सूर्य के बारे में लगातार खोज और अध्ययन करते रहते हैं।

इंस्टाग्राम पर साझा की गई तस्वीर के बारे में नासा ने लिखा है, "सनी, धूप के गुलदस्ते के लिए धन्यवाद!" "हमारे सौर मंडल में सबसे बड़ा है सूर्य, जो अपने विशाल आकार और चुंबकीय उपस्थिति से ग्रहों से लेकर धूल तक हर चीज को प्रभावित करता है।" नासा ने धधकते सूर्य की मनमोहक तस्वीर को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा, "सूर्य का वायुमंडल या कोरोना एक गतिशील स्थान है जहां सौर ज्वालाएं और कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) जैसे बड़े विस्फोट होते हैं।

ईरान ने अमेरिका के 5 नागरिकों को किया रिहा

ईरान ने आखिरकार अमेरिका के 5 नागरिकों को रिहा कर दिया। ये अमरीकी नागरिक वर्ष 2015 से ही ईरान की हिरासत में थे। इसके बदले में अमेरिका ने ईरान के जब्त किए गए 6 अरब डॉलर लौटा दिए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच अमरिकी नागरिकों की रिहाई के लिए पिछले एक साल से तनाव चल रहा था। यह तनाव इन दिनों चरम पर है, अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हजारों की तादाद में सैनिक खाड़ी में भेजे हैं। ऐसे में ईरान और अमेरिका के बीच सहमति का बनना दुनिया के लिए शांति की एक उम्मीद लेकर आया है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के साथ कैदियों की अदला-बदली के तहत अमेरिका द्वारा मंगे गए पांच बंदी तेहरान से रवाना होकर कतर पहुंचे।

सेंट्रल हॉल में प्रधानमंत्री का संबोधन | नए भवन में 19 सितंबर से शुरू हुई संसदीय कार्यवाही, महिला आरक्षण बिल हुआ पारित

'संविधान सदन' हमारा लगातार मार्गदर्शन करेगा और महान हस्तियों की याद दिलाता रहेगा - श्री मोदी

संसद के विशेष सत्र की शुरुआत18 सितंबर से हुई। इस सत्र के पहले दिन आजादी के बाद 75 साल की देश की उपलब्धियों पर चर्चा हुई। विशेष सत्र के दौरान कुल 8 विधेयकों को चर्चा और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया गया। इनमें मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि)विधेयक, 2023, द प्रेस एंड रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स बिल, डाकघर बिल प्रमुख हैं।

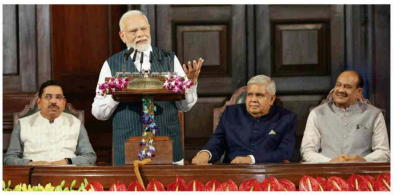

सेन्ट्रल हॉल में सांसदों को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

विशेष सत्र के पहले दिन संसद की कार्यवाही पुराने संसद भवन में हुई, जबकि 19 सितंबर से संसदीय कार्यवाही नए भवन में हुई, जिसमें महिला आरक्षण बिल संसद में पारित हुआ।

28 मई को हुआ था उद्घाटन

नए संसद भवन की आधारशिला 10 दिसंबर, 2020 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रखी थी। इसका निर्माण कार्य 15 जनवरी, 2021 को शुरू हुआ और यह करीब ढाई वर्ष में तैयार हुआ है।

भारत का संसद भवन त्रिकोण आकार का है लेकिन वास्तव में यह एक अनियमित षटकोण है। सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत इस नए संसद भवन का निर्माण कराया गया है।

अनुच्छेद 370 का किया उल्लेख

अनुच्छेद 370 को निरस्त करने में जन-प्रतिनिधियों के योगदान का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री ने बड़े गर्व के साथ यह रेखांकित किया कि हमारे पूर्वजों द्वारा प्रदान किया गया संविधान अब जम्मू और कश्मीर में लागू हो गया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, "आज, जम्मू-कश्मीर शांति और विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है और यहां के लोग अब प्राप्त अवसरों को अपने हाथ से नहीं जाने देना चाहते। यह प्रत्येक नागरिक की अपेक्षा और प्रत्येक संसद-सदस्य का विश्वास है कि संसद से पारित होने वाले सभी कानून, सदन की चर्चा और संदेश को भारतीय आकांक्षाओं को प्रोत्साहित करना चाहिए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जोर देकर कहा, "संसद में पेश किए जाने वाले प्रत्येक सुधार के लिए भारतीय आकांक्षाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

इसलिये खास है नया संसद भवन

- लगभग 65 हजार वर्ग मीटर (64,500 वर्ग मी.) में फैला है, यह एक चार मंजिला इमारत है।
- इसके निर्माण में करीब 60 हजार श्रमवीरों ने योगदान दिया है।
- नए भवन को बनाने में करीब 1,200 करोड़ रुपये की लागत आई है।
- लोकसभा कक्ष में 888 सांसदों के बैठने की व्यवस्था है, राज्यसभा कक्ष में 384 सांसद बैठ सकते हैं।

'संविधान सदन' कहा जाये

प्रधानमंत्री ने उपराष्ट्रपति और अध्यक्ष से अनुरोध किया कि इस भवन को 'संविधान सदन' कहा जायेगा। उन्होंने कहा ''संविधान सदन के रूप में, पुरानी इमारत हमारा मार्गदर्शन करती रहेगी और हमें उन महान व्यक्तियों के बारे में याद दिलाती रहेगी, जो संविधान सभा का हिस्सा थे।''

प्रधानमंत्री ने सेंट्रल हॉल के प्रेरक इतिहास पर प्रकाश डाला

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा हम भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलने के दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ नए संसद भवन में जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने संसद भवन और सेंट्रल हॉल के प्रेरक इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इसी सेंट्रल हॉल में भारत के राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान को अपनाया गया था। 1952 के बाद विश्व के लगभग 41 राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों ने भारत की संसद के इस सेंट्रल हॉल में संबोधित किया है। उन्होंने बताया कि भारत के विभिन्न राष्ट्रपतियों ने सेंट्रल हॉल में 86 बार संबोधित किया है।

अजरबैजान और आर्मेनिया के बीच संघर्ष शुरू

आर्मेनिया और अजरबैजान में एक बार फिर युद्ध की शुरुआत हो गई है। दोनों देशों की सेनाएं नागोर्नो-काराबाख में एक दूसरे के सामने हैं। नागोर्नो-काराबाख अंतर्राष्ट्रीय रूप से अजरबैजान का हिस्सा है, लेकिन आजादी के बाद से ही यह आर्मेनिया के कब्जे में है।

इस हिस्से पर दोनों देश अपना अधिकार जमाते हैं। इस कारण 1991 के बाद से आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच कई युद्ध लड़े जा चुके हैं। 2020 में भी आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच नागोर्नो-काराबाख को लेकर 3 महीने तक भीषण युद्ध हुआ था।

इस युद्ध में आर्मेनिया को भीषण नुकसान उठाना पड़ा था। इसके बाद से ही आर्मेनिया लगातार अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। आर्मेनिया ने भारत से पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर और 155 एमएम तोप की खरीद की है। आर्मेनिया अमेरिकी सेना के साथ युद्धाभ्यास भी कर रहा है।

रूस-यूक्रेन संघर्ष

पूर्वी क्लिशचिवका पर कीव की फतह

यूक्रेन और रूस के बीच चल रही जंग के दौरान यूक्रेन के सैनिकों ने तीन दिन में पूर्वोत्तर हिस्से के दूसरे गांव को रूस से मुक्त करा दिया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अपने सैनिकों की तारीफ करते हुए कहा कि इस युद्ध में हम रूस पर लगातार भारी पड़ रहे हैं। रूस के साथ हमारा यह संघर्ष लगातार आगे भी जारी रहेगा।

जल्द ही रूसी सैनिकों को देश की सीमा से बहार खदेड़ दिया जाएगा। बता दें कि रूसी सैनिकों ने पूर्वी गांव क्लिशचिवका पर जनवरी में कब्जा कर लिया था। यह गांव बखमुख से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर है, जहां रूसी सैनिकों ने जमकर तबाही मचाई थी। यूक्रेन ने कहा है कि उसने पूर्वी गांव क्लिशचिवका को वापस ले लिया है, जो रूसी सेना के खिलाफ महीनों तक चले जवाबी हमले में तीन दिनों में यूक्रेन की दूसरी महत्वपूर्ण बढ़त है।

जेलेंस्की का संबोधन : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि मैं विशेष रूप से उन सैनिकों की सराहना करना चाहता हूं, जो कदम दर कदम, यूक्रेन को उसकी जमीन लौटा रहे हैं। बखमुत के क्षेत्र में हम लौट रहे हैं। क्लिशचिवका में सफलता कीव के उस बयान के कुछ दिनों बाद आई है, जब उसने पास के छोटे से गांव एंड्रीवका पर भी नियंत्रण हासिल कर लिया था।

जेलेंस्की ने कहा कि कीव यूक्रेन के लिए नए रक्षा समाधान तैयार कर रहा है और उसके लिए हवाई रक्षा और तोपखाने प्राथमिकता हैं।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन और किम जोंग उन की शिखर वार्ता संपन्न

उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की शिखर बैठक संपन्न हुई। दोनों नेताओं के बीच हुई इस मुलाकात की चर्चा दुनियाभर में हो रही है। ये बैठक रूस के सुदूर पूर्व में स्थित स्पेस सेंटर वोस्तोचनी कोस्मोड्रोम में हुई। बैठक के बाद किम ने कहा कि अपनी सुरक्षा हितों के लिए साम्राज्यवादी ताक़तों के ख़िलाफ़ रूस की पवित्र लड़ाई में उत्तर कोरिया पूरी तरह से साथ है। अमेरिका के मुताबिक़ रूस, उत्तर कोरिया से हथियार ख़रीदने की कोशिश में है। पुतिन-किम मुलाक़ात का मुख्य मक़सद यही बताया गया है। जानकारी के अनुसार रूस को 122एमएम और 152एमएम गोले की ज़रूरत है जिसे वह यूक्रेन के ख़िलाफ़ युद्ध में इस्तेमाल कर सके। कोस्मोड्रोम जहां से अंतरिक्ष यान छोड़े जाते हैं वहां पुतिन-किम की बैठक होने का भी ख़ास अर्थ लगाया जा रहा है, वो ये कि क्या रूस, उत्तर कोरिया को उपग्रह बनाने में मदद करेगा?

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि उत्तर कोरिया के नेता रॉकेट प्रौद्योगिकी में बहुत दिलचस्पी रखते हैं और वे अंतरिक्ष विज्ञान की जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

जी-20 की सफलता संयुक्त राष्ट्र महासभा में गूंजी

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में भारत की अध्यक्षता में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन की सफलता की सराहना की है। 78वें यूएनजीए सत्र में उन्होंने जी-20 शिखर सम्मेलन की अभूतपूर्व उपलब्धियों के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि जी-20 समूह में अफ्रीकी संघ का प्रवेश नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान किया गया। साथ ही भारत, मध्य पूर्व और यूरोप को जोड़ने वाले आर्थिक गलियारे पर भी सहमति बनी। इससे दो महाद्वीपों में निवेश के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि हमने एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में जी-20 को मजबूत किया है और स्थायी सदस्य के रूप में अफ्रीकी संघ का स्वागत किया है। हमारे संस्थानों को उनत और मजबूत करके हमें नई साझेदारियां भी बनानी होंगी, नई चुनौतियों का सामना करना होगा। इसके अलावा उन्होंने क्वाड का जिक्र करते हुए कहा कि हमने हिंद प्रशांत क्षेत्र के लोगों के लिए हर चीज पर ठोस प्रगति और विकास करने के लिए भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया के साथ अपनी क्वाड साझेदारी को बढ़ाया है।

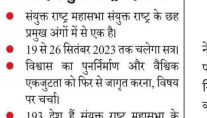

क्या है संयुक्त राष्ट्र महासभा

- संयुक्त राष्ट्र महासभा संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख अंगों में से एक है।
- 19 से 26 सितंबर 2023 तक चलेगा सत्र।
- विश्वास का पुनर्निर्माण और वैश्विक एकजुटता को फिर से जागृत करना, विषय पर चर्चा।
- 193 देश हैं संयुक्त राष्ट्र महासभा के सदस्य।
- 10 जनवरी 1946 को लंदन में हुआ था पहला सत्र।

असमानता के विरोध का आह्वान

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में युद्ध, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक असमानता के खिलाफत का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि युद्ध, जलवायु परिवर्तन, ऋण, ऊर्जा और खाद्य संकट, गरीबी और अकाल के बीच वैश्विक असमानता के खिलाफ भी आक्रोश प्रकट करना चाहिए।

पथ विक्रेता महासम्मेलनः 60 हजार हितग्राहियों को ₹ 95 करोड़ का ऋण

मुख्य बिन्दु :

- पथ विक्रेता कल्याण बोर्ड का होगा गठन।
- पीएम स्वनिधि और मुख्यमंत्री पथ विक्रेता योजना में अब तक 12 लाख 33 हजार पथ विक्रेताओं को ₹ 1574 करोड़ से अधिक का ऋण।
- पथ विक्रेताओं द्वारा पूर्व में लिया गया ₹ 50 हजार का ऋण बैंक को लौटाने पर ₹ 1 लाख तक का ऋण मिलेगा।
- गांव एवं शहरों में सड़क पर बेचने वालों के पहचान पत्र बनाए जाएंगे।
- अलग-अलग जगह चिन्हित कर बनाए जाएंगे हॉकर्स कॉर्नर।

भोपाल, लाल परेड ग्राउंड में आयोजित पथ विक्रेता महासम्मेलन (शहरी एवं ग्रामीण) को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि पथ विक्रेताओं की समस्याओं के समाधान और उनके कल्याण के लिए प्रदेश में पथ विक्रेता कल्याण बोर्ड का गठन किया जाएगा।

गांव और शहरों में सड़क पर सामान बेचने वाले पथ विक्रेताओं के पहचान पत्र बनाए जाएंगे, उनसे कहीं भी वसूली नहीं की जाएगी। उपयुक्त स्थानों पर स्थान चिन्हित कर हार्कर्स कार्नर विकसित होंगे। पचास हजार रुपये का बैंक ऋण लौटाने पर पथ विक्रेताओं को एक लाख रुपये का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने पथ विक्रेता बहन-भाइयों के स्टॉल पर जाकर विभिन्न व्यंजनों का स्वाद लिया तथा उनसे बातचीत भी की। उन्होंने विभिन्न ग्रामीण पथ विक्रेता योजना और पीएम स्वनिधि योजना के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किया। उन्होंने कहा कि पथ विक्रेता सम्मानपूर्वक आय अर्जित कर आत्मनिर्भर बन सकें, उन्हें ऋण मिलने में परेशानी न हो, ब्याज का तनाव न हो, इस उद्देश्य से ही यह योजनाएं लागू की गई हैं।

गरीबी दूर करने के प्रयास में हर कदम पर साथ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने लोगों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि गरीबी दूर करने और परिवार की स्थिति ठीक करने के लिए आप प्रयास करें, सरकार हर कदम पर साथ है। प्रदेश में हर गरीब को रहने के लिए जमीन का पट्टा दिया जाएगा। बच्चों की पढ़ाई के लिए राज्य सरकार हर स्तर पर प्रोत्साहन और सहायता उपलब्ध करा रही है। मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिंदी में कराने की व्यवस्था भी की गई है।

हर वर्ष मनेगा राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह का बलिदान दिवस

जबलपुर, प्रतिवर्ष 18 सितम्बर को राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह का बलिदान दिवस राज्य सरकार द्वारा मनाया जायेगा। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जबलपुर में मालगोदाम गोंडवाना चौक में जनजातीय नायक अमर शहीद राजा शंकर शाह और उनके रघुनाथ शाह के 166वें बलिदान पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प-चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह ने क्रांति की ऐसी ज्वाला धधकाई, जिससे अंग्रेजों को भारत छोड़ना पड़ा। अपने देश के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने वाले जनजातीय गौरव अमर शहीद पिता-पुत्र की पुण्य-स्मृति को बनाये रखना हमारा पवित्र कर्तव्य और धर्म है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने चयनित प्रतिभागियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

- मध्यप्रदेश में कुल 96 हजार 774 पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रगति पर।
- अब तक 48 हजार 231 पदों के लिए जारी किये गये नियुक्ति पत्र।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री चौहान ने चयनित प्रतिभागी को नियुक्ति पत्र दिये

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण, ऊर्जा विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विभाग तथा कृषि विभाग के 1,329 नवनियुक्त अधिकारियों, कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। रवीन्द्र भवन सभागम में नियुक्ति पत्र सौंपने के लिए आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्वास्थ्य विभाग में 925 चिकित्सकों को डिजिटल नियुक्ति पत्र प्रदान किए। ऊर्जा विभाग में 302, पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग में 55 और कृषि विभाग में 47 नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र निर्माण का विचार मन में होना चाहिए, हमारा जीवन अर्थपूर्ण होना चाहिए। श्री चौहान ने कहा कि जब जनहित के कार्य करने की तड़प होती है तो शरीर में भी वैसे सकारात्मक भाव और रसायन पैदा होने लगते हैं। तनाव मुक्त होकर अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करना ही बेहतर है।

सिंचाई का रकबा 47 लाख हेक्टेयर हुआ

श्री चौहान ने कहा कि बीते दिनों अनेक सप्ताह कम वर्षा के पश्चात उन्होंने भगवान महाकाल की शरण में जाकर वर्षा के लिए प्रार्थना की थी। प्रदेश में अच्छी फसलें होंगी तो इससे संपूर्ण अर्थव्यवस्था का चक्र सही तरीके से चलेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2003 और 2004 में जहां मात्र 159 लाख मीट्रिक टन उत्पादन होता था, अब यह 619 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा हो गया है। प्रदेश का बजट जो वर्ष 2003-2004 में मात्र 23 हजार करोड़ रुपये था अब 3 लाख 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। जीएसडीपी भी 71 हजार से बढ़कर 15 लाख करोड़ रुपये हो गई है। श्री चौहान ने कहा कि इन सब उपलब्धियों के कारण जहां लाड़ली बहनाओं को आर्थिक सहायता देना संभव हुआ है वहीं विद्यार्थियों को स्कूटी सहित अनेक सुविधाएं दी जा रही हैं। प्रदेश का सिंचाई का रकबा 7 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 47 लाख हेक्टेयर हुआ है और निरंतर बढ़ रहा है। ओंकारेश्वर में फ्लोटिंग सोलर पैनल लगाकर ऊर्जा उत्पादन की पहल की गई है।

पशु पक्षियों की चिंता हमारी संस्कृति है

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पशुपालन एवं डेयरी विकास और ऊर्जा विभाग का विशेष महत्व है। प्रदेश में विद्युत प्रदाय सामान्य रखने सहित बिजली की बचत के संबंध में नागरिकों को जागरूक करने के लिए ऊर्जा विभाग के अधिकारी कर्मचारी सक्रिय रहते हैं। पशुपालन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी पशुओं के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी को निभाते हैं। प्रदेश में इस क्षेत्र में भी अच्छा कार्य हो रहा है। मनुष्यों के साथ ही पशु पक्षियों की चिंता हमारी संस्कृति में की जाती रही है। सभी प्राणियों में एक ही चेतना व्याप्त है। नदियां हमारी मां हैं, जहां संस्कृतियां पनपती हैं। वृक्ष हमें जिंदगी देते हैं। पशु पक्षियों का महत्व कम नहीं है। वे प्रकृति का संतुलन बनाते हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

॥ सर्वं खल्विदं ब्रह्म ॥

मध्यप्रदेश की एकात्म यात्रा

9 फरवरी, 2017
आचार्य शंकर की 108 फीट ऊँची प्रतिमा, अद्वैत लोक (शंकर संग्रहालय) और अंतर्राष्ट्रीय अद्वैत वेदान्त संस्थान के निर्माण की घोषणा।

1 मई, 2017
मध्यप्रदेश के 51 जिलों में वैशाख शुक्ल पंचमी को शंकर जयंती का उत्सव मनाया गया।

19 दिसम्बर, 2017 से 22 जनवरी, 2018
एकात्म यात्रा के माध्यम से एकात्मता की मूर्ति के निर्माण हेतु प्रदेश की 23 हजार ग्राम पंचायतों से धातु संग्रहण।

22 जनवरी,2018
एकात्म पर्व का आयोजन।

27 जनवरी, 2018
आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास की स्थापना।

8 से 10 दिसम्बर, 2019
अंतर्राष्ट्रीय अद्वैत उत्सव का आयोजन।

21 अक्टूबर, 2022
अद्वैत युवा जागरण शिविर का प्रथम दीक्षांत समारोह।

21 सितम्बर, 2023
शड्करावतरणम् -एकात्मता की मूर्ति का अनावरण और अद्वैत लोक - (संग्रहालय) का शिलान्यास।
ब्रह्मोत्सव-संतों, संन्यासियों, मनीषियों एवं विशिष्टजनों का समागम।

ओंकारेश्वर के पावन क्षेत्र में एकात्म धाम के निमित्त एकात्मता की मूर्ति के अनावरण एवं अद्वैत लोक के शिलान्यास के अवसर पर सम्पूर्ण देश से पधारे साधु, संन्यासी, मनीषी, गणमान्य अतिथि एवं प्रदेशवासियों का हृदय से अनन्त आभार ...

-शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

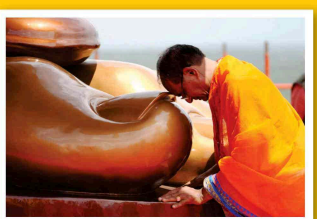

D-11116/R-49114/2023

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2023

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- मनीष सिंह, मुद्रक- मनीष सिंह द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।